Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-106

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताई भाजपा की प्रतिबद्धता

देश के लिए लाभकारी होगा 'एक राष्ट्र एक चुनाव'

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर देश को यह बताया है कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी प्रतिबद्धता है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में भी एक राष्ट्र-एक चुनाव लागू करने का वादा किया है। प्रधानमंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर हमने समिति बनाई, जिसे कई लोगों ने अपने सुझाव दिए। योजना को लेकर सकारात्मक सुझाव आए हैं। अगर हम इस रिपोर्ट को लागू कर पाए तो देश को बहुत फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आने वाले समय में मैं देश के हित में और विकास में कई महत्वपूर्ण फैसले लेने वाला हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर दूं कि मेरे निर्णय देश के समग्र विकास के लिए हैं। मेरे निर्णय किसी को डराने, दबाने के लिए नहीं हैं। मुझे किसी को डराने की जरूरत नहीं है। भाजपा का घोषणापत्र उन युवा मतदाताओं के साथ भी जुड़ा हुआ है, जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा सरकार के पास बड़ी योजनाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश के लिए अभी तक जो किया वह तो सिर्फ ट्रेलर है, मैं यह इसलिए कहता हूं कि मेरे मन में बहुत बड़े-बड़े प्लान हैं। इससे किसी को डरने की जरूरत नहीं है। मेरे निर्णय किसी को डराने के लिए नहीं हैं। मेरे निर्णय किसी को दबाने के लिए भी नहीं हैं। मेरे निर्णय देश के सर्वांगीण विकास के लिए हैं। मेरे निर्णय जनकल्याण के लिए हैं। देश के

अभी तो ट्रेलर है, यानी मेरे मन में कई योजनाएं हैं

मेरे निर्णय किसी को डराने या दबाने के लिए नहीं

युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने में मैं देर नहीं करना चाहता। मैं समय नहीं बिगाड़ना चाहता। उन्होंने कहा कि ज्यादातर सरकारों का स्वभाव है कि उन्हें लगता है कि उन्होंने सब कुछ कर लिया लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता कि मैंने सब कुछ कर लिया। मैंने ज्यादा से ज्यादा करने का प्रयास किया है। सही दिशा में जाने का प्रयास किया है। बावजूद इसके बहुत कुछ है, जो मुझे अभी करना है। मुझे पता है कि देश में बहुत चीजों की आवश्यकता है। हर परिवार के बहुत सपने होते हैं, उनका सपना कैसे पूरा किया जाए, वह मेरे दिल में है। इसलिए मैं कहता हूं कि जो हुआ वह बस ट्रेलर है। मैं अभी बहुत कुछ करना चाहता हूं। ▶9पर

चुनाव आयुक्त पहले एक ही परिवार का करीबी होता था

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले जो लोग एक परिवार के करीबी होते थे, सिर्फ उन्हें ही चुनाव आयुक्त बनाया जाता था और उन्हें बाद में राज्यसभा या अन्य मंत्रालय भेज दिया था। पीएम ने कटाक्ष करते हुए कहा कि लेकिन हम उस स्तर का काम नहीं कर सकते।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आज के समय में बेहतरीन काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि एजेंसी के 97 फीसदी केस ऐसे लोगों पर हैं, जो राजनीति में शामिल नहीं है। इतना ही नहीं पीएम ने कहा कि ईडी और सीबीआई से जुड़े कोई भी कानून भाजपा के समय में नहीं आए। बल्कि भाजपा सरकार चुनाव आयोग में बदलाव के लिए कानून लाई।पीएम मोदी ने कहा, एक ईमानदार आदमी को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। पर जो भ्रष्टाचार से घिरे हैं, उनमें पाप का डर होता है। आज कितने विपक्ष के नेता जेल में हैं। मुझे कोई नहीं बताता। और क्या ये वही विपक्षी नेता हैं, जो सरकारें चलाते थे? ये पाप का डर है। आखिर एक ईमानदार व्यक्ति को किस बात का डर? जब मैं मुख्यमंत्री था, तब उन्होंने मेरे गृह मंत्री को जेल में डाल दिया था।देश को समझना होगा कि राजनीतिक नेताओं पर ईडी के सिर्फ तीन फीसदी केस ही हैं। 97 फीसदी मामले उन लोगों पर हैं, जो राजनीति से नहीं जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल सरकार पर जमकर प्रहार किया

केरल में राजनीतिक हत्याएं बढ़ीं, कॉलेज आतंक के गढ़

➯ असामाजिक तत्वों को केरल सरकार दे रही संरक्षण
➯ कांग्रेस और लेफ्ट का केरल में आपराधिक गठजोड़

त्रिशूर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल के त्रिशूर स्थित अलाथुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नया साल केरल में नई राजनीति की शुरुआत है। लोगों की खुशी और ऊर्जा बता रही है कि नया साल नई शुरुआत लेकर आया है। यह नया साल केरल के विकास का है। केरल में नई राजनीति की शुरुआत का साल है। आज केरल कह रहा है कि फिर एक बार, मोदी सरकार।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दुनिया के सामने भारत को कमजोर देश की तरह पेश किया, लेकिन हमने भारत को मजबूत बनाया है। आगामी चुनाव भारत के उज्जवल भविष्य के लिए हो रहा है। एलडीएफ और यूडीएफ केरल की स्थिति को खराब कर रहे हैं। इन पार्टियों ने केंद्र सरकार से मिले फंड का गलत इस्तेमाल कर केरल के विकास को बाधित किया। आज केरल में राजनीतिक हत्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कॉलेज कैंपस असामाजिक तत्वों का गढ़ बन गए हैं, जो सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ रहे हैं और इन लोगों को सरकार का भी संरक्षण प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ से सावधान रहें। केरल में कांग्रेस, लेफ्ट के लोगों को आतंकी बताती है, लेकिन दिल्ली में कांग्रेस और ये आतंकी साथ बैठते हैं, साथ खाते हैं और चुनाव के साथ रणनीति बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल में 73 लाख से ज्यादा लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत फायदा मिला है। अब भाजपा ने ऐलान किया है कि जो लोग 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने अपना संकल्प पत्र केरल नववर्ष विषु के अवसर पर लॉन्च किया। ▶9पर

धार्मिक कट्टरता चरम पर, हिंदू परिवार को मार डालने की धमकी

त्रिशूर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल में वामपंथी पी विजयन की सरकार में इस्लामिक कट्टरता और वामपंथी सोच अपने चरम पर है। पहले सरकार का संरक्षण मिला अब सरकार को वे संरक्षण दे रहे हैं। केरल के ईसाई भी अब मुस्लिमों के लव-जेहाद से परेशान हैं। केरल के 20 मुस्लिम युवकों के सीरिया में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल होने की खबरें सुर्खियां बन चुकी हैं। केरल से आए दिन मुस्लिम युवाओं को कट्टर बनाने, कट्टरता को बढ़ावा देने, कट्टरता पर आधारित स्कूल खोलने और युवाओं की गिरफ्तारियों की खबरें उजागर होती रहती हैं। केरल की कुल साढ़े तीन करोड़ आबादी में 25 प्रतिशत से अधिक मुसलमान हैं। एक छोटा सा गुट कट्टर सुन्नी इस्लाम को मानता है जिसे सलफ़ी मुस्लिम कहते हैं। केरल के त्रिशूर में जहां आज प्रधानमंत्री की सभा थी, वहीं सनातन धर्म और सनातन संस्कृति का पालन करने पर इस्लामिक कट्टरपंथी मानसिकता वाले मुस्लिमों द्वारा हिंदू परिवारों को प्रताड़ित करने का मसला सामने आया था। ▶9पर

बीआरएस नेता के कविता 23 अप्रैल तक हिरासत में

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीआरएस नेता के. कविता को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट से करारा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनकी रिमांड खत्म होने पर आज कोर्ट के सामने पेश किया गया था। उन्हें हाल ही में दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट से निकलते वक्त बीआरएस नेता के. कविता ने कहा कि यह सीबीआई की हिरासत नहीं है, यह भाजपा की हिरासत है। भाजपा बाहर जो बोल रही है, अंदर से सीबीआई वही पूछ रही है, बार-बार दो साल का हिसाब मांग रही है, इसमें कोई नई बात नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी नहीं दी केजरीवाल को राहत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक ब्यौरा पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत अब केजरीवाल मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने मामले की अगली सुनवाई जल्दी करने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि सुनवाई 29 अप्रैल से पहले नहीं की जा सकती। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल 2024 तक बढ़ा दी है। केजरीवाल के वकील ने मामले को सुनवाई के लिए 19 अप्रैल को ही सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया और मामले को सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें ▶9पर

ईडी से मांगा ब्यौरा, 29 अप्रैल को होगी सुनवाई

चुनाव आयोग ने जब्त किए 4650 करोड़

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

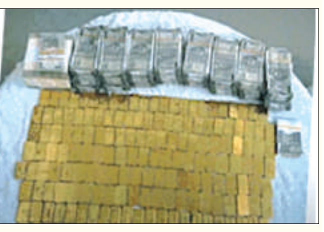

चुनाव आयोग ने बताया कि एक मार्च से अबतक हर दिन 100 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। चुनाव के शुरू होने से पहले 4,650 करोड़ रुपए जब्त किए जा चुके हैं, जो कि 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी अधिक है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने मुर्शिदाबाद के डीआईजी को हटाने का आदेश दिया। उनके खिलाफ ये कार्रवाई हिंसा मामले में तत्परता नहीं बरतने के आरोप में की गई है। राज्य में दो हिंसाओं में हथियार और गोला बारूदों का उपयोग किया गया था। लोकसभा चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने कहा था कि चुनावी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। चुनाव 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे, जबकि नतीजे चार जून को जारी होंगे।

शेयर मार्केट

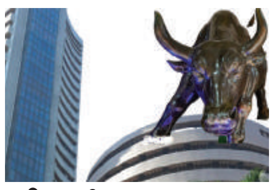

बीएसई : 73,399.78
-845.12 -1.14% ↓
एनएसई :22,272.50
-246.90 (-1.1%) ↓

जयशंकर से वार्ता के बाद ईरान का फैसला

अपहृत जहाज पर फंसे 17 भारतीयों से मिलेंगे अधिकारी

तेहरान, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

इज़राइल-ईरान तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने एलान किया है कि तेहरान जल्द ही भारत के अधिकारियों को उसके 17 लोगों से मुलाकात करने की अनुमति देगा। दरअसल, ईरान की नौसेना ने हाल ही में इज़राइल के अरबपति इयाल ओफर का मालवाहक जहाज अपने कब्जे में ले लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय भी सवार थे। इन लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए कल भारतीय विदेश मंत्री ने ईरान के विदेश मंत्री से बातचीत की थी।

ईरान की नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान की खाड़ी में भारत की ओर आ रहे इज़राइली अरबपति के इस जहाज को अगवा कर लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय सवार थे। सबसे पहले हेलीकॉप्टर से इज़राइली जहाज पर हमला किया गया था और इसके बाद ईरान की नौसेना ने इस पर कब्जा कर लिया था। ▶9पर

चुनावी बॉन्ड पर पुनर्विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

न्यायसंगत माना तो खारिज क्यों किया?

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगाने का ऐतिहासिक फैसला 15 फरवरी को सुनाया था। अब इस फैसले की समीक्षा की मांग की गई है। इसको लेकर शीर्ष अदालत में एक पुनर्विचार की याचिका दायर की गई है।

अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदुमपारा द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका में कहा गया है कि इस अदालत ने योजना पर पूर्ण विचार किए बगैर उसे रद्द कर दिया। बिना यह देखे कि ऐसा करने में यह संसद पर अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य कर रहा है, जो विशेष रूप से विधायी और कार्यकारी नीति के विशिष्ट क्षेत्र में आता है। नेदुमपारा ने अपनी याचिका में कहा, अदालत यह मानते हुए भी कि यह मुद्दा न्यायसंगत है, फिर भी इस पर ध्यान देने में असफल रही। याचिकाकर्ताओं ने किसी भी विशेष नुकसान का कोई दावा नहीं किया। ▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,320/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 85,585/-
(प्रति किलोग्राम)

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

खुद बनाएंगे विमान से लेकर आयुध और शस्त्र से लेकर वस्त्र तक

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे ठोस कदम

लड़ाकू स्क्वाड्रनों की कमी से जूझ रही वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा 97 स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1ए खरीदने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक बड़ा करार किया गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा करीब चार महीने पहले तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी और अब इसके टेंडर को स्वीकृति प्रदान की गई है। किसी स्वदेशी सैन्य उपकरण की खरीद के लिए भारत सरकार की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इन 97 तेजस विमानों की खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारतीय वायुसेना की क्षमता कई गुना मजबूत हो जाएगी। वायुसेना के लिए 97 और एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना की घोषणा सबसे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी द्वारा स्पेन की धरती पर

शुभ-लाभ सरोकार

उस समय की गई थी, जब वह स्वदेशी लड़ाकू विमान सौदों को बढ़ावा देने की योजना के बारे में बता रहे थे।

करीब 67 हजार करोड़ रुपए का तेजस विमानों की खरीद का यह नया करार तेजस विमानों की खरीद का दूसरा बड़ा सौदा है। इससे पहले भारतीय वायुसेना द्वारा फरवरी 2021 में 48 हजार करोड़ रुपए का 83 एमके-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया गया था, जिनकी पूरी खेप 2028 तक वायुसेना में शामिल किए जाने की संभावना है। उसके बाद 97 नए तेजस विमानों की आपूर्ति शुरू होगी। इन विमानों के आने के बाद भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद मिलेगी, जिन्हें या तो चरणबद्ध तरीके से हटा दिया गया है या फिर निकट भविष्य में हटाया जाना है। ऐसे में एलसीए तेजस आने वाले दशकों में भारतीय वायुसेना की लड़ाकू ताकत की मजबूत रीढ़ के रूप में उभरने वाला है। फिलहाल नए ऑर्डर के तहत भारतीय वायुसेना की लड़ाकू जेट विमानों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एचएएल द्वारा नासिक में एलसीए एमके-1ए के लिए एक नया कारखाना स्थापित कर दिया गया है। ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

इजराइल से युद्ध विराम के लिए हमास का नया प्रस्ताव, कहा- पहले जंग रोकें, फिर बंधकों की रिहाई

यरूशलम, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।
हमास-इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा का समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमास ने मध्यस्थों के सामने संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक प्रस्ताव रखा है।उसकी मांग है कि इजराइल 129 बंधकों में से किसी की भी रिहाई से पहले छह सप्ताह के युद्ध विराम का पालन करे। हालांकि, इजराइल द्वारा रखे प्रस्ताव को हमास ठुकरा चुका है, तो ऐसे में देखना होगा कि इस समझौते पर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का क्या रुख होगा।

बताया जा रहा है कि हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को खारिज कर दिया था। बाद में, उसने नया प्रस्ताव सामने रखा।

हमास ने रखीं ये मांगें - रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव में हमास ने मांग की है कि इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में सभी हमलों को रोक दे और शहरी क्षेत्रों से छह सप्ताह के लिए पीछे हट जाए। इससे विस्थापित फलस्तीनी उत्तर में लौट सकेंगे। समझौते में यह भी कहा गया है कि छह सप्ताह की समाप्ति के बाद ही किसी भी बंधक को रिहा किया जाएगा।

इतना ही नहीं हमास ने यह भी कहा है कि हर इजराइली नागरिक के लिए 30 फलस्तीनी कैदियों को छोड़ना होगा। इसके अलावा, 50 फलस्तीनी कैदियों को हर बंदी सैनिक के लिए रिहा करने की मांग की है। बता दें, 50 कैदियों में से 30 आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। गौरतलब है, हमास ऐसा समझौता पहले भी रख चुका है, जिसे इजराइल ने खारिज कर दिया था।

अपनी मांगों पर हमास अड़ा - इससे पहले हमास ने इजराइल के बंधक समझौते और संघर्ष विराम पर बात की और अपनी मांगों पर अड़े रहकर प्रस्ताव खारिज कर दिया। उसका कहना है कि वह स्थायी युद्धविराम, गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी, उत्तरी गाजा और अन्य क्षेत्रों में फलस्तीनियों की वापसी, मानवीय सहायता में वृद्धि और पट्टी के पुनर्निर्माण की शुरुआत के लिए अपनी मूल मांगों पर कायम है।

इजराइल-हमास के बीच कई माह से जंग जारी - हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

नौ मई तक बखमुत के पास के शहरों पर कब्जा करना चाहता है रूस, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर का दावा

कीव । रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का समय हो चुका है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर ने रविवार को दावा किया कि रूसी बलों ने नौ मई तक चासिव यार शहर पर कब्जा करने का लक्ष्य रखा है। रूसी हमलों को देखते हुए यह शहर अखाड़े के लिए तैयार हो गया है। बता दें, पूर्वी हिस्सों पर कब्जा करने के लिए यह शहर महत्वपूर्ण है। चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश इस सप्ताह के अंत में कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की ने चेतावनी दी थी कि पूर्व में स्थिति काफी खराब हो गई है। अब उन्होंने फिर एक बार कहा कि रूस क्रामटोरस्क शहर की ओर बढ़ने से पहले चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश करेगा। इसके लिए वह अपने कब्जे वाले बखमुत के पश्चिम में ध्यान दे रहा है। गौरतलब है, बखमुत से 5-10 किलोमीटर दूर दोनेत्स्क क्षेत्र में चासिव यार स्थित है। पिछले साल मई में रूसी सेना ने बखमुत को अपने कब्जे में लेकर तबाह कर दिया था। खतरा लगातार बना है उन्होंने बताया कि कीव की ब्रिगेड चासिव यार के पास हमलों को रोकने में लगी हुई है। सेना को गोला-बारूद, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों के साथ मजबूत किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि खतरा लगातार बना हुआ है। रूस की सेना ने अपने सैनिकों को नौ मई तक चासिव यार पर कब्जा करने का काम सौंपा है। रक्षा मंत्री ने यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने पूर्वी मोर्चे पर यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने हालातों को तनावपूर्ण बताया, जहां बखमुत के पास के प्रमुख शहरों पर कब्जा करने के लिए रूस आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुश्मनों की संख्या अधिक होने के बावजूद हमारे रक्षक अपने साहस और प्रशिक्षण के जरिए लगातार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। रूसी हमले के बाद जंग और तेज हुई बता दें, रूस नौ मई को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में रेड स्क्वायर पर एक बड़ी सैन्य परेड कर सकता है। हाल के हफ्तों में रूस ने यूक्रेनी बिजली संयंत्रों और सबस्टेशनों पर तीन बड़े हवाई हमले किए, जिससे जंग और तेज हो गई है। रूस की सेना ने बीते माह में मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रिह में मिसाइल हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी मिसाइलें दो रिहायशी इमारतों पर गिरी थीं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 36 घायल हुए थे। घायलों में सात बच्चे भी शामिल थे। क्रिवी रिह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृह शहर है। मिसाइल हमले के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं, क्षेत्र के गवर्नर ने कहा था कि दो इमारतें मिसाइल की जद में आई हैं, जिसमें एक पांच मंजिला और एक नौ मंजिला है। हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ीं मुश्किलें, एडल्ट स्टार को पैसे देने के मामले में होगी अदालत में पेशी

वॉशिंगटन । एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप

सोमवार कोर्ट में पेश होंगे। यह पहली बार है कि जब अमेरिका के किसी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा। 77 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स से अपने कथित संबंध छिपाने के लिए एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया था। आरोप है कि ट्रंप ने साल 2016 में अपने बिजनेस दस्तावेजों में गड़बड़ी करके एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया। डोनाल्ड ट्रंप पर चल रहे हैं चार आपराधिक मामले आरोप है कि ट्रंप ने एडल्ट स्टार को अपने संबंधों के बारे में चुप रहने के लिए पैसों का भुगतान किया ताकि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वह नकारात्मक प्रचार से बच सकें। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चार आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें से ये भी एक है। आशंका है कि अगर किसी आपराधिक मामले में डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा होती है तो इससे उनकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर संकट आ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं मामले की सुनवाई से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि मैं गवाही दे रहा हूं और मैं केवल सच बता सकता हूं और सच्चाई यह है कि कोई मामला नहीं है।

नेपाल में फिर उठी हिंदू राष्ट्र की मांग, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई जमकर झड़प

बोले- देश में फिर से लागू हो राजशाही

काठमांडू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।
नेपाल में एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र की मांग तेज होती जा रही है। राजधानी काठमांडू में सोमवार को हिंदू राष्ट्र के समर्थकों ने प्रदर्शन किया तो हिंसा भड़क उठी। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर झड़प हुई है। इस बीच पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि देश में फिर से राजशाही लागू होनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों को देश की राष्ट्रवादी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का समर्थन हासिल है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल में पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ ने कहा कि राजशाही की बहाली, एक हिंदू राष्ट्र और संघीय व्यवस्था हमारी प्रमुख मांगे हैं। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में प्रमुख सरकारी इमारतों के पास शंख बजाते हुए नारे लगाए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान दोनों के बीच झड़प हो गई।

इससे पहले बुधवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे। वे प्रधानमंत्री ऑफिस और दूसरी सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान लोगों ने नारे लगाते हुए कहा था, हम अपने देश और राजा से अपनी जान से ज्यादा प्यार करते हैं। गणतंत्र को खत्म कर राजशाही की देश में वापसी होनी चाहिए। इससे पहले प्रजातंत्र पार्टी ने फरवरी में 40 पॉइंट का एक मैमोरैंडम भी पीएम ऑफिस को भेजा था। इसमें भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की मांग की गई थी। दरअसल, नेपाल में साल 2006 में राजशाही के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया था। कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन राजा ज्ञानेंद्र को शासन छोड़कर सभी ताकत संसद को सौंपनी पड़ी।

साल 2007 में नेपाल को हिंदू से धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कर दिया गया। इसके अगले साल आधिकारिक तौर पर राजशाही खत्म कर चुनाव कराए गए। इसी के साथ वहां 240 साल से चली आ रही राजशाही का अंत हो गया। तब से लेकर अब तक नेपाल में 13 सरकारें रह चुकी हैं। नेपाल नें पिछले कुछ समय से राजनीतिक तौर पर काफी अस्थिरता रही है। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन तोड़ लिया था।

उन्होंने केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के साथ मिलकर नई सरकार बनाई, जिसका रुख चीन समर्थक कहा जाता है। इन सबके बीच राजशाही से जुड़े कई गुट देश की प्रमुख पार्टियों पर भ्रष्टाचार और खराब गवर्नेंस का आरोप लगा रहे हैं। उनका दावा है कि देश की जनता अब राजनेताओं से परेशान हो चुकी हैं।

कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर नियंत्रित करता है स्टोन फ्रूट, लाखों लोगों की हर साल हो जाती है मौत

हार्वर्ड, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।
ब्लड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर दोनों के स्टोन फ्रूट नियंत्रित करता है। आज दुनिया की ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर दो बड़ी समस्या है। इन बीमारियों से हर साल लाखों लोगों की मौत होती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में करीब 1,28 अरब लोगों का बीपी बढ़ा हुआ है लेकिन दुर्भाग्य से इनमें से 46 प्रतिशत को पता भी नहीं है कि उन्हें ब्लड प्रेशर की बीमारी है। जब किसी अन्य समस्याओं का इलाज कराने जाते हैं, तब उन्हें पता चलता है कि उनका बीपी बढ़ा हुआ है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक करीब 70 करोड़ लोग बीपी का इलाज भी नहीं कराते हैं। इसकी प्रमुख वजह है कि बीपी की जांच के लिए वे डॉक्टर के पास नहीं जाते। बीपी बढ़ने की मुख्य वजह खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का बढ़ना है। वहीं डायबिटीज में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक विश्व में करीब 42,2 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसके साथ ही करीब 15 लाख लोगों की मौत हर साल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डायबिटीज के कारण होती है। ऐसे में समझा जा सकता है कि ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर हमारे लिए कितना खतरनाक है। ऐसे में इन दोनों बीमारियों का नियंत्रित करने के लिए स्टोन फ्रूट बेहद फायदेमंद है। गुठलीदार फलों को स्टोन फ्रूट कहते हैं। स्टोन फ्रूट में बादाम, प्लम, खुबानी, आड़ू, चेरी, बेर, नेक्टारीन्स, आम, लीची, रेस्पबेरीज, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, मल्बेरी, ऑलिव, नारियल, खजूर आदि आते हैं। इन फलों को एंटी-एंफ्लामेटरी फल भी कहा जाता है। इन फलों में अधिकांश पौधों के लिए 20 से 25 डिग्री तापमान होना चाहिए। इससे ज्यादा तापमान वाली जगहों पर ये फ्रूट नहीं होते। हालांकि आम, लीची गर्मी में होने वाले फल हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की वेबसाइट हेल्थ हार्वर्डके मुताबिक स्टोन फ्रूट में बहुत अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसके अलावा इनमें प्रचूर मात्रा में विटामिन सी, पोटैशियम और कई तरह के फाइटोकेमिकल्स होते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि स्टोन फ्रूट ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। स्टोन फ्रूट का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। कुछ अध्ययनों में यह भी कहा गया है कि स्टोन फ्रूट एक्सरसाइज के बाद दर्द और थकान को दूर करते हैं। साथ ही चेरी जैसे फलों से गठिया के दर्द को भी कम किया जा सकता है।

सिडनी के मॉल में हमलावर के निशाने पर थीं महिलाएं,पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा

सिडनी, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।
ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक मॉल में हुई चाकूबाजी की घटना को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि हमलावर के निशाने पर सिर्फ महिलाएं थीं। पुलिस का कहना है कि घटना में मारे गए छह लोगों में से पांच महिलाएं हैं। साथ ही घायलों में भी 12 महिलाएं ही हैं।

क्या हमलावर के निशाने पर थीं सिर्फ महिलाएं

शनिवार को सिडनी के वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में एक हमलावर ने लोगों पर चाकू से हमला करना शुरू कर दिया था। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी। वहीं घायलों में एक 9 महीने की बच्ची भी शामिल है। पुलिस की फायरिंग में हमलावर मौके पर ही ढेर हो गया था। हमले की वजह अभी तक साफ नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि हमलावर अकेला था। फिलहाल हमले से संबंधित ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

न्यू साउथ वेल्स स्टेट पुलिस के कमिश्नर केरेन वेब ने मीडिया को बताया कि यह स्वभाविक है क्योंकि हमलावर ने पुरुषों को छोड़कर महिलाओं को ही निशाना बनाया। सबूत भी यही कह रहे हैं कि हमलावर के निशाने पर महिलाएं थी। हम भी इस एंगल से जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि सिडनी के मॉल में हुए हमले में सिर्फ एक पुरुष की मौत हुई है, जो कि मॉल का सुरक्षाकर्मी था।

किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमला करने के नहीं मिले सबूत

जांच में हमलावर की पहचान जोएल काउची (40 वर्ष) के रूप में हुई है। हमले के दौरान ही एक महिला पुलिसकर्मी ने गोली मारकर हमलावर को ढेर कर दिया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी काउची को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधी परेशानी थी और अभी तक हमले के पीछे किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमले के सबूत नहीं मिले हैं।

दो महीने तक किया अभ्यास,पहनी भारतीय पोशाक, वैशाखी के मौके पर डेलावेयर के जनप्रतिनिधियों ने किया भांगड़ा

न्यूकैसल, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।
अमेरिका के डेलावेयर में पहली बार कुछ वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने वैशाखी के मौके पर सिख समुदाय के साथ भांगड़ा किया। ये सभी पंजाबी पोशाक पहने हुए थे। बता दें कि डेलावेयर राष्ट्रपति जो बाइडन का गृहनगर है। इन जनप्रतिनिधियों के ग्रुप में डेलावेयर सीनेट के बहुमत नेता ब्रायन टाउनसेंड, सीनेट बहुमत व्हिप एलिजाबेथ लॉकमैन, सीनेट स्टेफैनी हैनसेन, सीनेट लौरा स्टरजेन, राज्य के प्रतिनिधि शेरी डॉर्से वॉकर और सोफी फिलिप्स शामिल थे।

हम दो महीने से अभ्यास कर रहे थेः जनप्रतिनिधि

ब्रायन टाउनसेंड ने बताया कि उन्होंने इसके लिए दो महीने तक अभ्यास किया और भारतीय-अमेरिकी भांगड़ा प्रशिक्षक विश्वास सिंह सोढ़ी से प्रतिदिन 30 मिनट तक भांगड़ा सीखा था। उन्होंने मीडिया से कहा, हमने करीब दो महीने में 30 घंटे तक अभ्यास किया था। हम आठ लोग थे। हमने साथ मिलकर जितना हो सकता था अभ्यास किया और हमारे पास विश्वास सिंह जैसे एक बेहद शानदार कोच थे। टाउनसेंड ने आगे कहा, हम भाग्यशाली रहे कि हमनें से कोई भी नहीं गिरा। डेलावेयर असेंबली स्पीकर ने सिख समुदाय का किया धन्यावाद बता दें कि जनप्रतिनिधियों का पोशाक भारत में सिला गया था और वहीं से मंगवाया गया था। डेलावेयर असेंबली स्पीकर वैलेरी लॉन्गहर्स्ट ने सिख समुदाय में इतिहास रचने के लिए अपने साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं, क्योंकि डेलावेयर पहला ऐसा राज्य है, जहां जनप्रतिनिधियों ने मंच पर प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा, सिख समुदाय वास्तव में बहुत शानदार हैं। वे बहुत मददगार काम करते हैं। वे हर किसी के लिए अपनी बाहें खोलते हैं। यही सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने त्योहार में सभी को आमंत्रित किया, जिससे हमसब सीख सकें। हमने देखा और हम सब इसका हिस्सा बनें। हमें बुलाने के लिए शुक्रिया। डेलावेयर सिख सेंटर के संस्थापक और अध्यक्ष चरणजीत सिंह मिंहास ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को एकसाथ भांगड़ा करते देख अच्छा लगा।

हमारे पास और कोई रास्ता नहीं था, इजराइल पर हमले के बाद ईरान ने यूएनएससी में दी सफाई

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ईरान के इजराइल पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में ईरान के राजनयिक भी शामिल हुए। बैठक में ईरान के राजनयिक ने इजराइल पर हमले का बचाव करते हुए सफाई दी कि उनके पास कोई और रास्ता ही नहीं बचा था और उन्हें हमला करना पड़ा।

ईरान का दावा- कोई रास्ता नहीं बचा था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरवानी ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत इजराइल पर हमला किया। इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहा। ऐसे में तेहरान के पास कोई रास्ता ही नहीं बचा और उसे जवाब देना पड़ा। ईरान के राजनयिक ने ये भी कहा कि उनका देश नहीं चाहता कि संघर्ष बढ़े, लेकिन अगर कोई भी आक्रामक कार्रवाई हुई तो वह उसका जवाब देंगे।

इजराइल ने ईरान पर लगाए ये आरोप

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इजराइल के राजदूत ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए और क्षेत्र में अशांति के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इजराइल के राजदूत ने कहा कि ईरान का मुखौटा उतर चुका है। वह दुनियाभर में आतंकवाद को पोषित करता है और क्षेत्र में अशांति के लिए भी ईरान जिम्मेदार है। इजराइल के राजदूत ने मांग की कि ईरानी सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया जाना चाहिए और बहुत देर हो जाए, उससे पहले ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा देने चाहिए।

ईरान ने इजराइल पर किया था हवाई हमला

ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन्स और मिसाइलों से सीधा हमला किया। हालांकि इस हमले में इजराइल को खास नुकसान नहीं हुआ और इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब सारी मिसाइलों और ड्रोन्स को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। इसमें इजराइल को अमेरिका, जॉर्डन और ब्रिटेन से भी मदद मिली। ईरान का कहना है कि यह हमला बीती 1 अप्रैल को इजराइल द्वारा सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया, जिसमें ईरानी सेना के सात अधिकारी मारे गए, जिनमें दो शीर्ष कमांडर शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ईरान के इजराइल पर हमले की आलोचना की, साथ ही इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले की भी आलोचना की।

नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा कांग्रेस को समर्थन देने से लद्दाख में नाराजगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 15 अप्रैल।

मैगससे पुरस्कार से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा छेड़े गए आंदोलन के कारण जो लद्दाख क्षेत्र एक बार फिर से चर्चा में है वह संसदीय चुनावों को लेकर भी चर्चा में आ गया है। दरअसल नेशनल कॉन्फ्रेंस की लद्दाख इकाई क्षेत्र की एकमात्र लोकसभा सीट कांग्रेस को आवंटित करने के पार्टी आलाकमान के कदम से नाखुश है और इसके खिलाफ जाने के लिए विभिन्न विकल्प तलाशने के लिए जल्द ही करगिल में वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक आयोजित करने पर विचार कर रही है। करगिल इकाई ने यह भी संकेत दिया है कि वे लेह के लोगों द्वारा संयुक्त रूप से मैदान में उतारे जाने वाले उम्मीदवार को ही समर्थन देंगें।

अगर पार्टी के अंदरूनी सूत्रों पर विश्वास किया जाए, तो करगिल और लेह जिलों के वरिष्ठ नेता हाल ही में दो दलों द्वारा संसद चुनावों के लिए गठबंधन करने के बाद कांग्रेस के लिए लद्दाख सीट छोड़ने के पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले से नाराज थे। करगिल के नेकां नेताओं का कहना था कि यह निर्णय उन्हें विश्वास में लिए बिना एकतरफा और जल्दबाजी में लिया गया था और इसके जमीनी स्तर पर गंभीर परिणाम होंगे।

एक नाराज पार्टी नेता ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए बताया। कि पिछले साल अक्टूबर में, हम लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद करगिल में कुल 17 में से 12 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरे, जिस पर उसने अपने उम्मीदवार उतारे, जबकि कांग्रेस 10 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। नवगठित परिषद के नेतृत्व वाले नेकां द्वारा कई जन-समर्थक फैसले लेने के बाद हमने जिले में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली थी।

उन्होंने कहा कि गठबंधन की व्यवस्था से लद्दाख में पार्टी के आधार पर बुरा असर पड़ेगा, जबकि कांग्रेस, जो धीरे-धीरे क्षेत्र में इसका आधार थी, इस फैसले से निश्चित रूप से मजबूत होगी। हमारे लिए, संसद लद्दाख के लोगों के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एकमात्र मंच है, जो विधानसभा रहित केंद्र शासित प्रदेश है। करगिल के नेकां नेताओं ने संकेत देते हुए कहा कि पार्टी गठबंधन सहयोगी-कांग्रेस के साथ किसी भी टकराव से बचने के लिए एक प्रॉक्सी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है।

हालांकि नेकां के अतिरिक्त महासचिव कमर अली अखून ने कहा कि वह जम्मू में हैं और करगिल पहुंचने के बाद वह जल्द ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ (संसदीय चुनाव के लिए उनकी योजनाओं और कांग्रेस को समर्थन देने के बारे में) चर्चा करेंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि निश्चित रूप से, निर्णय करगिल जिले में पार्टी के मजबूत आधार को प्रभावित करेगा। नेकां और कांग्रेस के बीच सीट-बंटवारे के फॉर्मूले के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस अनंतनाग-राजौरी, मध्य कश्मीर (श्रीनगर) और उत्तरी कश्मीर (बारामुल्ला) में चुनाव लड़ेगी। इसी तरह, कांग्रेस को तीन सीटें आवंटित की गई हैं, जिनमें जम्मू-रियासी, कठुआ-उधमपुर-डोडा और लद्दाख शामिल हैं।

दूसरी ओर, लद्दाख की राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी कांग्रेस और नेकां के बीच गठबंधन निश्चित रूप से भाजपा की चिंताओं को बढ़ाएगा, जो लद्दाख के लोगों द्वारा शुरू किए गए विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल के कारण क्षेत्र में कठिन समय का सामना कर रही है। दो प्रमुख मांगों के पक्ष में-लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में इसका समावेश।

भाजपा ने लगातार दो लोकसभा चुनावों में लद्दाख संसदीय सीट जीती। 2014 के लोकसभा चुनाव में अनुभवी राजनेता थुपस्तान छेवांग ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में इस सीट पर केवल 36 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा उम्मीदवार जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, जो उस समय एलएएचडीसी लेह के अध्यक्ष-सह-सीईसी थे, ने प्रभावशाली जीत दर्ज की।

हालांकि, इस बार भगवा पार्टी को विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक समूहों से तीव्र राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जो कि लद्दाख में एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में देरी से स्पष्ट है, इस तथ्य के बावजूद कि भाजपा ने 2019 में इसे (लद्दाख) एक अलग केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देकर लद्दाखी लोगों की दशकों से लंबित मांग को पूरा किया है। 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए लद्दाख निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में, पार्टी ने बिंदु संख्या तीन पर, लद्दाख को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची (जनजातीय क्षेत्र) के तहत घोषित करने का वादा किया था जिसे पूरा करने के लिए अब लद्दाख आंदोलन की राह पर है।

बेटे के लिए बाप और मां के लिए बेटी जुटी है प्रचार में

जम्मू, 15 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर का चुनावी परिदृश्य इस बार एक अलग नजारा भी दिखा रहा है। अगर एक बाप अपने बेटे की जीत के लिए प्रचार मैदान में है तो दूसरी ओर एक बेटी भी प्रचार मैदान में उतर चुकी है। हालांकि यह बात अलग है कि दोनों के संसदीय क्षेत्र अलग अलग हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला इस बार खुद चुनाव मैदान में नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया हो बल्कि वे जल्द होने वाले विधानसभा चुनावों में किस्मत आजमाते हुए खुद को मुख्यमंत्री पद के लिए पेश करना चाहते हैं। इसलिए वे अपने बेटे उमर अब्दुल्ला के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री के तौर पर राजनीतिक सफर पूरा करने वाले उमर अब्दुल्ला इस बार बारामुला सीट से मैदान में हैं। उन्होंने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र को इस बार छोड़ दिया है जो हमेशा से अब्दुल्ला परिवार की बपौती समझा जाता था। उन्हें उम्मीद है कि उनके अब्बाजान डॉ. फारूक अब्दुल्ला उनके लिए वोट जरूर बटोर लेंगे।

इसी तरह से पीडीपी उम्मीदवार और अपनी मां महबूबा मुफ्ती के पक्ष में उतरीं इल्तिजा ने कहा कि वह यहां लोगों के बीच महबूबा मुफ्ती की बेटी के रूप में नहीं बल्कि पार्टी की एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में आई हूं। महबूबा मुफ्ती को उन्होंने राजौरी-अनंतनाग के लोगों के लिए सही विकल्प के रूप में स्थापित किया। इल्तिजा ने कहा कि वह लोगों के मुद्दों को उठाएंगी क्योंकि हम जानते हैं कि 2019 से जम्मू-कश्मीर में क्या हो रहा है। इल्तिजा मुफ्ती ने भाजपा की राजनीतिक चालों पर कहा कि अब वह अपने प्रतिनिधियों पर भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने कश्मीर घाटी में उम्मीदवार उतारने में भाजपा की अनिच्छा की ओर इशारा करते हुए स्थानीय समर्थन जुटाने में आत्मविश्वास की कमी का संकेत दिया। इल्तिजा मुफ्ती ने जनता की चिंताओं को समझने की महबूबा मुफ्ती की क्षमता को रेखांकित किया।

आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने का उप राष्ट्रपति ने किया आह्वान

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा है कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और जनता को लाभ होगा।

उप राष्ट्रपति ने सोमवार को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) में भारतीय राजस्व सेवा के 76वें बैच के समापन समारोह को संबोधित करते आयकर विभाग के अधिकारियों से आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज को भरपूर लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को स्थानीय लोगों के लिए मुखर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे देश को तीन बड़े लाभ होंगे- पहला, परिहार्य आयात के कारण विदेशी मुद्रा बर्बाद नहीं होगी, दूसरा, हमारे युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा और तीसरा, देश में उद्यमिता एक बड़ी छलांग लगाएगी। देश में कर प्रशासन के बढ़ते डिजिटलीकरण और फेसलेस ई-असेसमेंट प्रणाली जैसे पारदर्शिता उपायों पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि इससे कर व्यवस्था में नयी शुरुआत हुई है और आयकर विभाग ईमानदार को सम्मान देने के अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा, एक ऐसा समाज जो ईमानदारों का सम्मान करता है और बेईमानों को पुरस्कृत नहीं करता, वह समाज शांति, सद्भाव और विकास के लिए स्थिर होता है।

श्री धनखड़ ने कहा कि आज भारत में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य-सहिष्णुता के नए मानदंड के अनुरूप है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्ता के गलियारों में भ्रष्ट तत्वों को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर दिया गया है और भ्रष्टाचार अब अवसर का पासपोर्ट नहीं है। यह निश्चित रूप से जेल जाने का रास्ता है।

सेना प्रमुख उज्बेकिस्तान की चार दिन की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे सोमवार को उज्बेकिस्तान की चार दिन की यात्रा पर रवाना हो गए। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि जनरल पांडे की 15 से 18 अप्रैल तक की चार दिन की यात्रा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जनरल पांडे उज्बेकिस्तान के शीर्ष रक्षा नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे जिसमें उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव, सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख मेजर जनरल खलमुखामेदोव शुखरात गेरेतजानोविच और चीफ ऑफ एयर डिफेंस एंड एयर डिफेंस फोर्सेज मेजर जनरल बुर्खानोव अहमद जमालोविच शामिल होंगे। बैठक में दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत बनाने के बारे में बात की जायेगी। सेना प्रमुख 16 अप्रैल को भारत के दूसरे प्रधानमंत्री दिवंगत लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद वह दूसरे विश्व युद्ध में उज्बेकिस्तान के योगदान और बलिदान को स्मरण करते हुए विक्ट्री पार्क का दौरा करेंगे। जनरल पांडे उज्बेकिस्तान के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक परिदृश्य की जानकारी के लिए टर्मेज संग्रहालय और सुरखंडार्य क्षेत्र के ऐतिहासिक स्मारकों का भी दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते तलाशने के अलावा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना है।

मोदी सरकार में भारत नई ऊंचाइयां छू रहा है: राजनाथ

श्रीनगर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नयी ऊंचाइयां छू रहा है। श्री सिंह ने जम्मू-कश्मीर की जनता से कठुआ-उधमपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में सभी सीटें जीतेगी। उधमपुर सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होने वाला है।

केन्द्रीय मंत्री ने कठुआ जिले की बशोली तहसील में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी मोर्चों पर विश्व स्तर पर सबसे मजबूत देश बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में श्री मोदी ने 70 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की है, चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि आज विश्व भर में सबसे अच्छी सेनाओं में शुमार भारत की सेना सीमा पार दुश्मनों के घर में घुसकर उन पर हमला करने में सक्षम हैं।

रक्षा मंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि इन राजनीतिक दलों ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए अनुच्छेद 370 का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि सुश्री महबूबा मुफ्ती ने कहा था, अगर अनुच्छेद 370 खत्म कर दिया जाएगा तो जम्मू-कश्मीर में कोई भी तिरंगा नहीं उठायेगा, लेकिन हर घर और सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज शान से लहरा रहा है।

आदिवासियों के अविकसित होने के लिए माकपा और कांग्रेस जिम्मेदार: अमित शाह

शाह ने त्रिपुरा के लिए व्यापक विकास योजना का किया वादा

अगरतला,15 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी संसदीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का दावा करते हुए सोमवार को त्रिपुरा के लिए एक व्यापक विकास योजना का वादा किया। श्री शाह ने उनाकोटी जिले के कुमारघाट में भाजपा उम्मीदवार कृति देवी देववर्मन के पक्ष में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य में आदिवासियों के अविकसित होने के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस दोनों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कम्युनिस्टों ने हमेशा विधानसभा में 20 आदिवासी आरक्षित सीटें जीतीं, लेकिन निर्दोष युवाओं को हथियार उपलब्ध कराने, गरीबी और पीड़ा देने के अलावा उनके लिए कुछ नहीं किया। पिछले 10 वर्षों में मोदी जी ने आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाया और 24 वर्षों की दुर्दशा के बाद मिजोरम के 40,000 विस्थापित ब्रू लोगों को त्रिपुरा में अच्छी बस्तियां मिलीं।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने आदिवासी विकास को अपनी प्राथमिकता दी है और यह तब साबित हुआ जब द्रौपदी मुर्मु देश की राष्ट्रपति बनीं तथा त्रिपुरा के सत्यराम रियांग तथा बेनी माधव जमातिया को पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, जनजातीय मामलों के मंत्रालय का बजट 24,000 करोड़ रुपये था जिसे मोदी शासन में बढ़ाकर 1,25,000 करोड़ रुपये कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 10 वर्षों में पूर्वोत्तर के विभिन्न समूहों और समुदायों के साथ 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे 10,000 युवाओं के हथियार डालने और क्षेत्र में शांति लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने दावा किया कि कम्युनिस्ट शासन के तहत, लोगों के पास शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच का अभाव था, जिसके परिणामस्वरूप निराश युवाओं ने हथियार उठा लिए जबकि श्री मोदी ने लैपटॉप और रोजगार के अवसर प्रदान करके युवाओं को मुख्यधारा में लाया।

उन्होंने बताया कि केंद्र की पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार ने अपने 10 वर्षों में त्रिपुरा के विकास के लिए केवल 40,183 करोड़ रुपये खर्च किए थे जिसे श्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में बढ़ाकर 98000 करोड़ रुपये कर दिया है।

इसके अलावा अन्य बुनियादी ढांचे के लिए 20,000 करोड़ रुपये और सड़कों के लिए 17,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। रेलवे पर 2000 करोड़ रुपये तथा हवाई कनेक्टिविटी के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। श्री शाह ने त्रिपुरा को बंगलादेश के चटगांव बंदरगाह के रास्ते दक्षिण पूर्व एशिया के लिए पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बनाने के वास्ते दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम के जलेफा में 1550 करोड़ रुपये की एसईजेड जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की श्रृंखला को लागू करने में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की भूमिका की भी सराहना की।

ममता केवल झूठ की राजनीति करने पर आमदा : बिष्ट

दार्जीलिंग, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता राजू बिष्ट ने सोमवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल सरकार केवल झूठ की राजनीति में विश्वास करती है। श्री बिष्ट ने कहा कि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी का झूठा दावा है कि चुनाव आयोग तूफान पीड़ितों को धन बांटने पर रोक लगाया है। सच्चाई यह है कि चुनाव आयोग ने नौ अप्रैल, 2024 को तूफान पीड़ितों को मुआवजा वितरण के लिए आदर्श आचार संहिता से छूट दी थी। प्रभावित लोगों को सहायता में तेजी लाने का निर्देश भी दिया था।श्री बिष्ट ने कहा कि अपने घर खोने वाले जलपाईगुड़ी और मैनागुड़ी निवासियों को त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए यह जानकारी नौ अप्रैल को ही पश्चिम बंगाल सरकार को भेज दी गई थी। पर, राहत राशि सौंपने के बजाय तृणमूल कांग्रेस सार्वजनिक दुष्प्रचार अभियान पर उतर आई है और दावा कर रही है कि चुनाव आयोग उन्हें राहत राशि वितरित करने की अनुमति नहीं दे रहा है जो सरासर झूठ है।

जेल में मंत्रियों के साथ कार्यों की समीक्षा करेंगे केजरीवाल : डॉ. संदीप पाठक

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अगले सप्ताह से दो-दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर उनके विभागों की समीक्षा करेंगे। श्री पाठक ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ तिहाड़ जेल में मुलाकात के दौरान श्री केजरीवाल ने हमसे बोला है कि अगले हफ्ते से दो-दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर बैठक करेंगे। इस दौरान मंत्रियों के विभागों की समीक्षा करेंगे कि काम ठीक से चल रहा है या नहीं। इसके साथ ही मंत्रियों को काम से संबंधित दिशानिर्देश देंगे।

दो मंत्रियों के साथ बैठक को लेकर जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसके तहत ही कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते से जब अरविंद केजरीवावल दो-दो मंत्रियों को बुलाएंगे और उनके विभागों की समीक्षा होगी तो जेल से समुचित तरीके से सरकार चलेगी।

उन्होंने बताया कि श्री केजरीवाल ने सभी विधायकों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए कहा है कि वह हर घर में जनता के पास जाकर बातचीत करें और उनको जो भी तकलीफ और असुविधा हो रही है, उनको दूर करें। विधायक पहले जितने घंटे जनता से मिलते और मेहनत करते थे, अब सभी विधायकों को दोगुनी मेहनत करनी है। उन्होंने एक बात और कही कि हमने माताओं और बहनों को हर महीने एक हजार रुपये की सम्मान राशि देने की बात कही है। किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है, जब वह जेल से बाहर आएंगे तो इसको लागू करेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी–छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें– क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द–से–जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम–काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 16 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 01:26 तक
नक्षत्र : पुष्य उत्तर रात्रि 05:16 तक
योग : धृति प्रातः 11:15 तक
करण : बव दोपहर 01:26 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , महागौरी पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रियंका गांधी ने अलवर में किया आधा-अधूरा रोड शो

समयाभाव बताकर आधे रास्ते में ही कर दिया समाप्त, कार्यकर्ता करते रहे इंतजार

अलवर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को अलवर लोकसभा के प्रत्याशी ललित यादव के समर्थन में शहर में रोड शो किया। रोड शो प्रियंका गांधी के लिए निर्धारित मार्ग से पहले ही समाप्त कर दिया गया। बताया जा रहा है समय अभाव के कारण उनका रोड शो पूरे मार्ग तक नहीं हुआ। पूरे शहर में सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त थे। जगह–जगह पुलिस दल तैनात थे। हर पुलिस अधिकारी को अलग–अलग इलाके में लगाया गया था। तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था थी। करीब एक दर्जन पुलिस अधिकारियों के अलावा करीब पुलिस कर्मी तैनात किये गये। इसके अलावा सिविल ड्रेस में भी पुलिस तैनात थी। रोड शो के दौरान शहर का रास्ता आमजन के वाहनों के लिए बंद रहा। ये रोड शो करीब डेढ़ किलोमीटर का रहा। जिसमे प्रियंका गांधी सभी का अभिवादन करती नजर आईं।

प्रियंका की गाड़ी को ने अपने सुरक्षा घेरे में ले रखा था। वह खुले वाहन में थीं, उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, कांग्रेस उम्मीदवार ललित यादव, टीका राम जूली, कांग्रेस के सभी विधायक सहित अनेक नेता मौजूद थे। रोड शो की शुरुआत कंपनी बाग के समीप शहीद से शुरू हुआ, जो मन्नी का बढ़, चर्च रोड, नगर निगम, होप सर्कस, कलाकंद मार्केट, घंटाघर, काशीराम चौराहा, रोड नंबर 2, तक चला। समय के अभाव के कारण इस रोड शो को काशी राम चौराहे से निकलते ही समाप्त कर दिया गया। भगत सिंह सर्किल पर सैकड़ों कार्यकर्ता इंतजार रहे। इस रोड शो में अलवर संसदीय क्षेत्र की आठ विधान सभा क्षेत्र से जुड़े हजारों लोगों ने भाग लिया।

70 फीट गहरे कुएं में गिरा बछड़ा गोताखोरों ने सुरक्षित निकाला

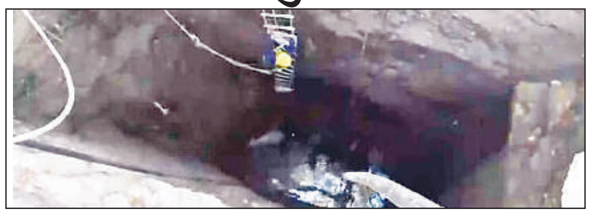

उदयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के शोभागपुरा पंचायत की प्रगति नगर कॉलोनी के कुएं में सोमवार सुबह गाय का बछड़ा गिर गया। मौके पर पहुंचे सिविल डिफेंस के गोताखोरों ने उसको सुरक्षित निकाल कर पशुपालक को सुपुर्द कर दिया। जानाकरी के अनुसार सुबह 8 बजे पशुपालक कालूलाल की गाय का बछड़ा कुए में गिर गया। उसने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस ने ये जानकारी नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक गीतेश मालवीय को दी। मालवीय के नेतृत्व में गोत–ाखोर सुरेश सालवी, हितेश सोलंकी, विपुल चौधरी, रवि शर्मा, पुष्कर चौधरी, धर्मसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। कुएं में पानी की गहराई 70 फ़ीट थी। गोताखोरों ने कुएं के ऊपर से सीढ़ियां सीढ़ी के सहारे दो गोताखोर कुएं में उतरे। उन्होंने गाय के बछड़े को रस्सों से बांधकर ऊपर सुरक्षित बाहर निकलकर मालिक को सुपुर्द कर दिया।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ के मदनगंज थाना क्षेत्र के मालियों की ढाणी रेलवे पर रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी है। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना क्षेत्रवासियों ने पुलिस को सोमवार को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को किशनगढ़ के राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। मृतक की पहचान किशनचंद (35) निवासी वार्ड 4 रामदेव कालोनी, गांधीनगर थाना किशनगढ़ के रूप में हुई है।

भाजपा राज्य की सभी 25 सीटों के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है: पटेल

अजमेर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि कांग्रेस के हालात बहुत खराब हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में 400 पार और राज्य में 25 सीटों लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। अजमेर आए श्री पटेल ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस में हताशा और हड़कंप मचा है। उन्हें लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं मिले, सात पर तो बिल्कुल ही नहीं मिलें। तीन सीटों पर उम्मीदवार बदलने पड़े । में राज्य में कांग्रेस की स्थिति का सहज पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग भाजपा की ओर आकर्षित होकर सदस्यता ले रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि भाजपा राम के भरोसे चुनावी मैदान में है और सफलता दिखाई दे रही है। राजस्थान में 10 अधिक सीट मार्जिन से ज्यादा वोटों से जीतेंगे। भाजपा की केन्द्र और राजस्थान की योजनाएं जन–जन तक पहुंच रही है और हमें पूरा भरोसा है कि लक्ष्य हासिल करेंगे। एक सवाल के जवाब में श्री पटेल ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की साख को बढ़ावा देने लिए मजबूती से काम करेंगे।

श्री पटेल को अजमेर में अधिवक्ता परिषद राजस्थान चित्तौड़ प्रांत संस्थान की ओर से 10 सूत्रीय मांग पत्र देते हुए राजस्व न्यायालयों में सदस्यों की नियुक्ति करने की मांग की गयी। मांग पत्र में बताया गया कि राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर मुख्यालय पर अध्यक्ष 20 सदस्यों का प्रावधान है, लेकिन पदों पर सदस्य के नहीं होने से न्याय में विलंब होता है। ज्ञापन में यह भी मांग उठायी गयी कि काश्तकार एवं अन्तिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचे और भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त करने के क्रम में अयोग्य, अक्षम तथा भ्रष्ट आचरण वाले सदस्य नियुक्ति न की जाये। पटेल का अजमेर पहुंचने पर पूर्व मंत्री श्रीकिशन सोनगरा, उपमहापौर नीरज जैन, भाजपा मीडिया सहप्रभारी रचित कछावा के अलावा अधिवक्ताओं ने स्वागत किया।

हनुमान बेनीवाल के गढ़ में ज्योति की ललकार, बोलीं–

मेरे कार्यकर्ता के सामने आंख उठाई तो सोट मार मारकर हालत कर देंगे खराब

नागौर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने सोमवार को हनुमान बेनीवाल को एक और बड़ी चुनौती दे डाली। इंडी गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ खिलाफ दिए गए बयान के बाद ज्योति मिर्धा हनुमान बेनीवाल पर जबरदस्त हमलावर हो गई हैं। आज बेनीवाल के गढ़ खींवसर में ज्योति मिर्धा ने हनुमान बेनीवाल पर इतना तीखा हमला बोला कि भाजपा के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया।

दरअसल ज्योति मिर्धा ने अपने भाषण में हनुमान बेनीवाल तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने भय का वातावरण फैला रखा है। वो कहते हैं कि राज किसी का हो काम मेरे कहने से होंगे। मैं नेताजी को खुली चुनौती दे रही हूं कि बिना भाजपा नेताओं–कार्यकर्ताओं की इच्छा के लट्टू भी जल जाएं तो मेरा नाम बदल ज्योति यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा कि अगर मेरे एक भी कार्यकर्ता पर आंख उठाकर देखा तो सोट (लाठी) मार मारकर हालत खराब कर देंगे। दरअसल गत शुक्रवार 12 अप्रैल को लाडनूं के ललासरी गांव में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल द्वारा उप राष्ट्रपति के खिलाफ दिए के बाद ज्योति मिर्धा हमलावर हो गई हैं। बेनीवाल ने गत शुक्रवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को लेकर बयान दिया था, जिसमें बेनीवाल ने कहा था कि धनखड़ सरपंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते। इसके बाद ज्योति मिर्धा बेनीवाल पर जबरदस्त तीखे बयान दे रही हैं।

पुलिस स्थापना दिवस पर आचार संहिता के मद्देनजर होंगे औपचारिक कार्यक्रम

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस पर मंगलवार को में लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय सहित पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज, पुलिस जिलों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और यूनिट में औपचारिक कार्यक्रम होंगे।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मद्देनजर इस बार पुलिस स्थापना दिवस को औपचारिक से मनाने का निर्णय लिया गया है। बाद में जून के तीसरे सप्ताह में दो दिन राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के सिलसिले में पारम्परिक आयोजन होंगे।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को पुलिस स्थापना दिवस पर प्रदेश में पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज और पुलिस जिलों सहित पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और में उपलब्ध पुलिस बल के साथ अधिकारी सम्पर्क सभा करेंगे। इन सम्पर्क सभाओं में पुलिस आयुक्त, महानिरीक्षक पुलिस रेंज, पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त या कमांडेंट महानिदेशक पुलिस, राजस्थान का संदेश पढ़ेंगे और अपनी यूनिट के कार्यों के बारे में चर्चा करेंगे।

अंबाला पुलिस ने सवा दो करोड़ की हेरोइन के साथ दो आरोपियों को दबोचा

अंबाला, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से लाकर अंबाला में हेरोइन की सप्लाई करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। सीआईए–1 की टीम ने दो नशा तस्कर को काबू किया है। आरोपियों एक महेश नगर के बब्याल निवासी रजनीश उर्फ लाडी है तो दूसरा दिल्ली के चंद्र विहार विकास विहार निवासी अमरजीत सिंह है। पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि 12 अप्रैल को महेश नगर निवासी रजनीश उर्फ लाडी को कार सहित 400 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया मौके से ही करीब 2 लाख रुपये 90 हजार की नगदी बरामद की थी।

पकड़ी गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 2 करोड़ 15 लाख रुपये है। पांच दिन के रिमांड में आरोपी रजनीश ने मुख्य सप्लायर का नाम उगला तो टीम ने अमरजीत सिंह को मुरथल से स्विफ्ट गाड़ी के साथ दबोचा। अमरजीत को 1 दिन के रिमांड पर लिया है। उनके जरिये इस नशा तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों तक भी पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। आखिर वह कहां से लाते थे और कहां–कहां सप्लाई किया करते थे। पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह ने बताया कि आरोपी रजनीश उर्फ लाडी पर पहले भी दो मामले दर्ज हैं। पहला मामला थाना महेश नगर में 15 जनवरी 2022 को आर्म्स एक्ट व दूसरा मामला 5 दिसंबर 2023 को धारा 498 के तहत मामला दर्ज है। रजनीश काफी समय से नशे की तस्करी करता है। की फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन करेंगे। प्रॉपर्टी बनाई है उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। पकड़ी गई दोनों गाड़ियों की भी जांच करवाई जाएगी कि कहीं वह चोरी की तो नहीं। अमरजीत का भी अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनावों को लेकर एक विशेष अभियान जा रहा है।

कनीना स्कूल बस हादसे में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक सात हो चुके अरेस्ट

महेंद्रगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के कनीना में पिछले सप्ताह गुरुवार को उन्हानी के पास हुए सड़क हादसे के मामले में पुलिस ने दो ओर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान सेहलंग निवासी और नरेश उर्फ कालिया के रूप में हुई। मामले में आरोपी बस चालक धर्मेंद्र और उसके दो साथी भूदेव और नरेश उर्फ कालिया को सोमवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में बस चालक के दो साथियों को पहले गिरफ्तार कर न्यायिक में भेजा जा चुका है।

स्कूल बस चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था, शराब के नशे में चालक बस चलाने का आरोप था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच करते हुए पता लगाया कि बस चालक ने सेहलंग में बस में अपने साथियों के साथ बैठकर शराब पी थी।

पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के दिशा–निर्देशों में मामले में कार्रवाई के लिए डीएसपी कनीना के नेतृत्व में सीआईए महेंद्रगढ़, थाना शहर कनीना की का गठन किया गया। एसपी के निर्देशानुसार पुलिस द्वारा मामले में तत्परता से कार्रवाई की गई। टीम द्वारा मामले में अबतक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। टीम ने बस चालक धर्मेंद्र का लाइसेंस रद्द कराने के लिए आरटीए विभाग को लिखकर भेज दिया है। स्कूल की कक्षा की छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। छात्र ने बस चालक, स्कूल प्रिंसिपल और स्कूल प्रशासन के खिलाफ शिकायत दी। छात्रा ने बताया कि बस चालक ने शराब पी रखी थी। जिसको बार बार बस धीरे चलाने की कहने पर भी बस तेज चला रहा था उन्हानी के पास बस पलट गई और पेड़ के टकराने से बस में बैठे बच्चे घायल हो गए और कुछ की मौके पर ही मौत हो गई।

युवक की हत्या मामले में तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा

सोनीपत, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. संजीव आर्य ने की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार दिया है। दोषियों को उम्रकैद के साथ ही 10–10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। मृतक युवक मुख्य आरोपी का साथी था। घटना से दो माह पहले कहासुनी की रंजिश में उसे पार्टी के बहाने बुलाने के बाद पिलाकर हत्या कर दी गई थी।

अदालत ने लल्हेड़ी निवासी रजनीश उर्फ भोलू उर्फ मीता, उसके दोस्त पानीपत के गांव मनाना निवासी अमित व सोनीपत के वेस्ट रामनगर निवासी प्रिंस को सजा सुनाई है। टीडीआई के पास नांगल कलां की खाली पड़ी जमीन पर 3 जून, 2020 को युवक शव पड़ा मिला था। उसकी धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई थी। गांव नांगल कलां के चौकीदार ने कुंडली थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी थी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात पर हत्या कर शव को खुर्द–बुर्द करने का मुकदमा दर्ज किया था।

कुंडली थाना के प्रभारी रवींद्र कुमार की टीम ने कार्रवाई करते हुए पानीपत के गांव मनाना निवासी अमित को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी ने बताया था कि उसने अपने साथी लल्हेड़ी के भोलू व भोलू के एक साथी संग मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। उसने बताया था कि वह मृतक नहीं जानता था। उन्होंने चाकू व राड से हमला कर वारदात को अंजाम दिया था। बाद में पुलिस ने पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए वेस्ट रामनगर के प्रिंस को भी गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद शव की पहचान रोहतक के गांव सांघी व घटना के समय के वेस्ट रामनगर निवासी साहिल के रूप में हुई। उसने बताया था कि साहिल उसका व भोलू का दोस्त था। दो माह पहले भोलू के साथ कहासुनी हो गई थी। जिसकी रंजिश में 2 जून, 2020 की रात को उन्होंने साहिल को पार्टी देने के बहाने घर से बुलाया वह उसे लेकर मैक्स हाइट, बढ़खालसा के पास ले गए थे। वहां पर शराब पिलाने के बाद साहिल की हत्या कर दी थी। बाद में वह शव को खुर्द–बुर्द करने के लिए टीडीआई के पास गड्ढे में फेंक कर आ गए थे। पुलिस ने आधुनिक तकनीकों की मदद से अमित और फिर प्रिंस को गिरफ्तार किया था।

चैत्र नवरात्र के आठवें दिन करें माता महागौरी की पूजा

चैत्र नवरात्र का आठवां दिन 16 अप्रैल दिन मंगलवार को है । इस दिन दुर्गा जी के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि मां महागौरी का राहु ग्रह पर नियंत्रण है। राहु दोष से निवारण के लिए इनकी पूजा आवश्यक है। महागौरी की आराधना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं और समस्त दुखों का नाश होता है। माता महागौरी धन-वैभव की देवी है। धन-वैभव देने वाली माता महागौरी को प्रसन्न करने के लिए नवरात्रि के आठवें दिन आपको क्या उपाय करने चाहिए।

आइए जानते है पूजा विधि और इस दिन का महत्व.....

चैत्र नवरात्रि 2024 अष्टमी तिथि

नवरात्रि के आठवें दिन महा अष्टमी मनाई जाती है। महाअष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है, इस बार चैत्र शुक्ल की अष्टमी तिथि 15 अप्रैल 2024 को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से शुरू हो गई और 16 अप्रैल 2024 को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी। चैत्र नवरात्रि में महाष्टमी 16 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी। शहर के अनुसार समय में थोड़ा बहुत अंतर हो सकता है।

चैत्र नवरात्रि 2024 नवमी तिथि

चैत्र शुक्ल की नवमी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 17 अप्रैल 2024 को दोपहर 03 बजकर 14 तक रहेगी। नवरात्रि की महानवमी 17 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी, इस दिन देवी की नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इसी दिन नवरात्रि व्रत का पारण जाएगा। चैत्र नवरात्रि की महानवमी पर राम नवमी यानी प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा।

मां महागौरी का प्रिय भोग और पुष्प

मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी को मोगरे का फूल अति प्रिय है। इस दिन मां के चरणों में मोगरे के फूल को अर्पित करना शुभ माना गया है। इसलिए हो सके तो माता को मोगरे के फूलों से बनी माला अर्पित करें। इसके साथ ही मां को नारियल की बर्फी और लड्डू अवश्य चढ़ाएं। क्योंकि मां का प्रिय भोग नारियल माना गया है।

कैसे करें माता गौरी को प्रसन्न

माता गौरी की पूजा में सोलह चीजें जैसे फल,फूल, सुपारी, पान, लड्डू, मिठाई, 16 चूड़ी, 7 अनाज, फूल की 16 माला आदि चढ़ानी चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि पूजा में 16 चूड़ियां अर्पण करने से माता खुश होती हैं। पूजा के समय मंगला गौरी व्रत की कथा जरूर पढ़नी और सुननी चाहिए।

मां महागौरी की पूजा विधि

मां महागौरी की पूजा करने के लिए सुबह स्नान कर सफेद रंग के वस्त्र धारण करें। फिर मां महागौरी की मूर्ति या तस्वीर को गंगाजल से साफ कर लें। मां महागौरी को सफेद रंग अतिप्रिय है। इसलिए माता महागौरी को सफेद रंग के पुष्प अर्पित करें। मां को रोली व कुमकुम का तिलक लगाएं, फिर मिष्ठान, पंच मेवा और फल अर्पित करें।

जानें शुभ मुहूर्त-पूजा विधि और आरती

अष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा करते समय उन्हें काले चने का भोग लगाना चाहिए। अष्टमी तिथि के दिन कन्या पूजन भी शुभ माना जाता है। इसके बाद आरती व मंत्रों का जाप करें। फिर दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

मां का ध्यान मंत्र

श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ महागौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

माता महागौरी की ध्यान

वन्दे वांछित कामार्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम्।
सिंहरूढ़ा चतुर्भुजा महागौरी यशस्वनीम्।।
पूर्णन्दु निभां गौरी सोमचक्रस्थितां अष्टमं महागौरी त्रिनेत्राम्।
वराभीतिकरां त्रिशूल डमरूधरां महागौरी भजेम्।।
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालंकार भूषिताम्।
मंजीर, हार, केयूर किंकिणी रत्नकुण्डल मण्डिताम्।।
प्रफुल्ल वंदना पल्लवाधरां कातं कपोलां त्रैलोक्य मोहनम्।
कमनीया लावण्यां मृणांल चंदनगंधलिप्ताम्।।

महागौरी की स्तोत्र पाठ

सर्वसंकट हंत्री त्वंहि धन ऐश्वर्य प्रदायनीम्।
ज्ञानदा चतुर्वेदमयी महागौरी प्रणमाभ्यहम्।।
सुख शान्तिदात्री धन धान्य प्रदीयनीम्।
डमरूवाद्य प्रिया अद्या महागौरी प्रणमाभ्यहम्।।
त्रैलोक्यमंगल त्वंहि तापत्रय हारिणीम्।
वददं चैतन्यमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्।।

माता महागौरी की कवच

ओंकारः पातु शीर्षो मां, हीं बीजं मां, हृदयो।
क्लीं बीजं सदापातु नभो गृहो च पादयो।।
ललाटं कर्णो हुं बीजं पातु महागौरी मां नेत्रं घ्राणो।
कपोत चिबुको फट् पातु स्वाहा मा सर्ववदनो।।

महागौरी माता की आरती

जय महागौरी जगत की माया। जया उमा भवानी जय महामाया।।
हरिद्वार कनखल के पासा। महागौरी तेरा वहां निवासा।।
चंद्रकली और ममता अंबे। जय शक्ति जय जय मां जगदंबे।।
भीमा देवी विमला माता। कौशिकी देवी जग विख्याता।।
हिमाचल के घर गौरी रूप तेरा। महाकाली दुर्गा है स्वरूप तेरा।।
सती 'सत' हवन कुंड में था जलाया। उसी धुएं ने रूप काली बनाया।।
बना धर्म सिंह जो सवारी में आया। तो शंकर ने त्रिशूल अपना दिखाया।।
तभी मां ने महागौरी नाम पाया। शरण आनेवाले का संकट मिटाया।।
शनिवार को तेरी पूजा जो करता। मां बिगड़ा हुआ काम उसका सुधरता।।
भक्त बोलो तो सोच तुम क्या रहे हो। महागौरी मां तेरी हरदम ही जय हो।।

बिजासन देवी : मन्नत पूरी होने पर माता को अर्पित किए जाते हैं पीतल के घंटे

दूर-दूर तक फैली है ख्याति

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी प्रचलित मान्यताओं को लेकर चर्चा का विषय बने हुए हैं। मध्य प्रदेश के सांची-विदिशा मार्ग पर स्थित देवी बाग के मंदिर में मां बिजासन देवी विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है जो भी भक्त देवी के दर्शन करता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और इसके बाद भक्त माता को धन्यवाद देने के लिए मंदिर में पीतल का घंटा अर्पित करते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर के विषय में...

ये है इतिहास

मंदिर की स्थापना को लेकर ऐसा माना जाता है कि नाना साहब पेशवा के नेतृत्व में सेना पानीपत के युद्ध के लिए जा रही थी। सेना में कुल 50 हजार सेना थे। तब उन्होंने इस स्थान पर रुकने के लिए एक छावनी बनाई, जिसे नाना का भाग कहा जाता है। यहां सेना लगभग एक महीने तक रुकी। इस दौरान सैनिकों ने पूजन के लिए एक खुले स्थान पर बिजासन देवी की प्रतिमा स्थापित की। तब यह स्थान एक बगीचे के रूप में था। इसलिए देवी के इस स्थान को देवी का बाग कहा जाता है।

क्यों नहीं है चारदीवारी

माता की मूर्ति एक खुले स्थान में स्थापित है। यहां कोई चहारदीवारी नहीं है। माता की मूर्ति खुले में ही एक वृक्ष की छांव में विराजमान है। ऐसा माना जाता है कि लोगों ने एक पक्का मंदिर बनाने की कई कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। ऐसा कहा जाता है कि सैनिकों ने अपनी सुविधा के अनुसार, एक खुले स्थान पर माता को प्रतिष्ठित किया था और तभी से माता स्थाई रूप से कोई व्यवस्था नहीं चाहती हैं। यही कारण है की देवी का मंदिर आज भी इसी रूप में विराजमान है। माता रानी के साथ-साथ हनुमान जी, गणेश भगवान और शिव परिवार की प्रतिमा भी स्थापित है।

महातारा जयंती : जानें क्यों पड़ा नीला तारा नाम

हिंन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को महातारा जयंती मनाई जाती है। इस दिन मां महातारा की पूजा करने का विधान है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार मां महातारा दस महाविद्या में से शक्ति का उग्र रूप हैं। बता दें कि इसी तिथि पर चैत्र नवरात्रि की अष्टमी भी मनाई जाती है। आइए जानते हैं इस साल महातारा जयंती इस साल कब है और कैसे हुई थी मां महातारा की उत्पत्ति।

वैदिक पंचांग के अनुसार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 15 अप्रैल यानी दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर शुरू हो गई है और इसका समापन 16 अप्रैल को दोपहर 1 बजकर 23 मिनट पर होगा। उदया तिथि के चलते महातारा जयंती 16 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन का अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 55 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 47 मिनट तक है।

कैसे हुई मां महातारा की उत्पत्ति?

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार जब पृथ्वी के उत्पत्ति होने से पहले चारों ओर अंधकार फैला हुआ था। उस समय अंधकार से एक रोशनी प्रकट हुई जिसे मां तारा कहा गया। अंधकार की देवी को मां काली कहा जाता है। अक्षोभ्य नाम के ऋषि पुरुष की शक्ति भी मां तारा है। कहा जाता है की ब्रह्मांड में जितने भी पिंड हैं उन सभी की स्वामिनी देवी मां तारा हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां महातारा की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

महातारा को क्यों कहा जाता है महानीला या नीला तारा?

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार समुंद्र मंथन के दौरान विष निकला था। देवी-देवताओं की मदद करने के लिए भगवान शिव ने सारा विष पी लिया था और अपने गले में रोक लिया था। इस समय मां भगवती ने भगवान शिव की पीड़ा महसूस की और इसका असर कम करने के लिए शिव जी के शरीर में प्रवेश कर लिया। विष के कारण मां का रंग नीला हो गया जिसके बाद से उनका महानीला और नीलतारा पड़ गया।

रोज 3 बार बदलता है रानगिर देवी की प्रतिमा का रूप

यहां भक्त खुद पर बरसाते हैं हंटर

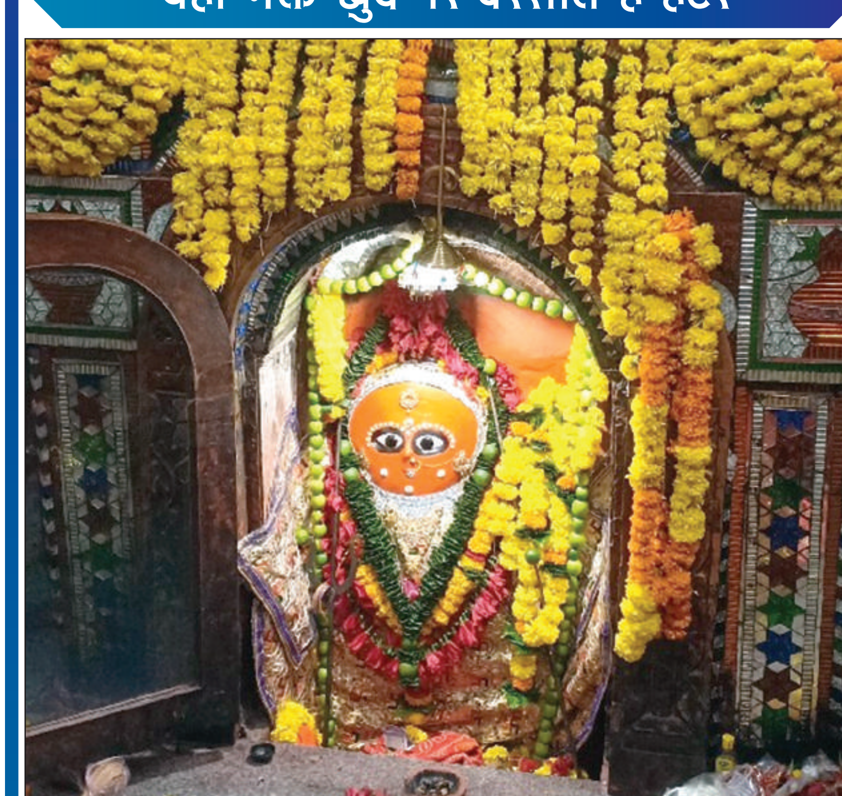

बुंदेलखंड के सागर में कई प्रसिद्ध और ऐतिहासिक मंदिर हैं, लेकिन, अरण्य पर्वत पर देहार नदी के किनारे स्थित रानगिर माता मंदिर की बात ही निराली है। यहां पर माता अपने भक्तों को तीन रूप में दर्शन देती हैं। सुबह बाल अवस्था यानी वात्सल्य भाव में, दोपहर के समय युवा अवस्था में और शाम को चेहरे पर तेज-लालिमा बिखेरे प्रौढ़ अवस्था में दर्शन देती हैं। बुंदेलखंड का पावन तीर्थ होने की वजह से यहां पर 12 महीने मेला लगा रहता है।

यह मंदिर जितना अद्भुत है, यहां की मान्यताएं भी उतनी ही निराली हैं। नवरात्रि के अवसर पर यहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है, इसलिए इन 9 दिनों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। अष्टमी और नवमी पर श्रद्धालु छोटे-छोटे बच्चों का मुंडन कराने, भंडारा करने, जवारे चढ़ाने के लिए जाते हैं। वहीं जिन भक्तों को माता के भाव आते हैं, वह भी देवी के दरबार में पहुंचते हैं।

भक्तों की अपार श्रद्धा

यहां पंडो द्वारा खुद के शरीर पर कंटीले तार बरसाए जाते हैं। कील वाली पटरी पर नाचते हैं और बैठते हैं। कील वाली पावड़ी पहनकर चलते हैं। मुंह के आर-पार त्रिशूल का बाना लगाते हैं। भक्तों का कहना है कि यह सब करना किसी चमत्कार से काम नहीं होता, क्योंकि अगर किसी को कांटा भी लग जाए, तो वह उसे सहन नहीं कर पाता है। लेकिन, जब माता की कृपा होती है, तो वह खुद की पीठ पर कटीले हंटर की बरसात कर लेते हैं।

सती माता की रान (जांघ) इस क्षेत्र में गिरी रानगिर मंदिर सागर मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर रहली रोड पर स्थित है, जो जंगल के बीचो बीच अरण्य पर्वत की चोटी, देहार नदी के किनारे स्थित है। यह मंदिर करीब 400 साल पुराना है। मंदिर के पुजारी विनोद शास्त्री महाराज बताते हैं कि शास्त्रों में ऐसा वर्णन मिलता है कि जब राजा दक्ष के यहां माता सती अपने पति के अपमान की वजह से यज्ञ में कूद पड़ीं तो उसके बाद भगवान शंकर मां सती के शव को कंधे पर लेकर खूब तांडव किया था, तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से सती के शव के टुकड़े कर दिए थे।

इसलिए पड़ा नाम

आगे बताया कि इससे उनके शरीर के अलग-अलग हिस्से विभिन्न जगहों पर गिरे थे। जहां-जहां भी माता सती के शरीर के अंग गिरे, वहां 51 सिद्ध पीठ की स्थापना की गई। उन्हीं में से एक सती माता की रान (जांघ) इस क्षेत्र में गिरी थी। इस वजह से इसका नाम रानगिर हो गया। इस समय नवरात्रि का पर्व चल रहा है रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुबह 4:00 से भक्तों की कतार लग जाती है।

मंगलवार के दिन करें ये उपाय

आर्थिक संकट से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में मंगलवार का खास महत्व है। इस दिन भगवान हनुमान जी की पूजा-व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की पूजा-व्रत करने से मंगल दोष से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा बिगड़े हुए काम पूरे होते हैं। माना जाता है कि मंगलवार को उपाय करने से व्यक्ति को जीवन की सभी परेशानियों से निजात मिलती है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है। यदि आप भी अपना जीवन सुखमय चाहते हैं, तो इसके लिए मंगलवार को यहां बताए गए उपाय जरूर करें। धार्मिक मत है कि इन उपायों को करने से संकटमोचन हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा और घर में खुशियों का आगमन होगा। आइए जानते हैं।

मंगलवार के उपाय

यदि आप आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए मंगलवार के दिन स्नान और ध्यान करने के बाद हनुमान जी को गुलाब के फूलों की माला चढ़ाएं। इस उपाय को लगातार 7 मंगलवार तक करें। मान्यता है कि ऐसा करने से आर्थिक समस्या से छुटकारा मिलता है।

मंगलवार के दिन मिट्टी के बर्तन में शहद डालें और उसके ऊपर ढक्कन लगा दें। इसके बाद उसे हनुमान जी के सामने रख दें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसके अलावा सदैव शांति का वास रहेगा।

अगर आप शारीरिक कष्ट की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने एक बर्तन में पानी रखकर हनुमान बाहुक का विधिपूर्वक पाठ करें। इसके बाद जल ग्रहण करें। इसी तरह अगले दिन भी फिर से हनुमान बाहुक का पाठ करें। धार्मिक मत है कि इस उपाय को लगातार 21 दिनों तक करने से शारीरिक और मानसिक परेशानी से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा मंगलवार के दिन राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति के जीवन के सभी परेशानी दूर होती है।

अगर आप बुरी नजर के प्रभाव को दूर करना चाहते हैं, तो मंगलवार के दिन जौ के आटे में तेल और काला तिल मिलाकर एक रोटी बनाएं। इस रोटी को गुड़ और तेल से चुपड़कर नजर लगने वाले इंसान के ऊपर 7 या 21 बार उतारकर भैंस को खिलाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से बुरी नजर का प्रभाव खत्म होगा।

फुले नया मोशन पोस्टर जारी, प्रतीक-पत्रलेखा का दिखा दमदार लुक

प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।इसके अलावा प्रतीक आने वाले दिनों में हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी महात्मा गांधी की भूमिका में नजर आएंगे। महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले की जयंती के अवसर पर उनकी बायोपिक फिल्म फुले का नया मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। यह सीरीज इसलिए खास है क्योकि इसमें प्रतीक अपनी पत्नी भामिनी ओझा के साथ पहली बार साझा करने वाली हैं।गांधी में वह कस्तूरबा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी।प्रतीक और भामिनी असल जिंदगी में पति-पत्नी हैं और गांधी में भी पति-पत्नी (गांधी- कस्तूरबा) के किरदार में दिखाई देंगे।भामिनी ने खुशी जताते हुए कहा, मेरे लिए यह किसी सपने के सच होने जैसी बात है। मैं प्रतीक एक साथ एक सीरीज में वो भी पति-पत्नी की भूमिका निभाएंगे। इससे ज्यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है।

इस सीरीज में राजकुमार राव की पत्नी-अभिनेत्री पत्रलेखा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।प्रतीक गांधी अपनी आगामी सीरीज गांधी को लेकर बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। प्रतीक शो में महात्मा गांधी की भूमिका में दिखाई देंगे। प्रतीक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी पत्नी भामिनी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा है, एक कलाकार के तौर पर मैं भामिनी को थियेटर के दिनों से जानता हूं। मैं उनके सफर का साक्षी रहा हूं। अब एक साथ काम करने वाले हैं यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मैं भामिनी के लिए बेहद खुश हूं। मैं इस दिन का कब से इंतजार कर रहा था जब उन्हें उनकी क्षमता वाले किरदार मिले और वे उस किरदार के साथ न्याय कर सकें। मैं उन्हें कस्तूरबा किरदार में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।हंसल मेहता अप्लॉज एंटरटेनमेंट टीम के साथ मिलकर गांधी का निर्माण कर रहे हैं। हंसल कहते हैं, भामिनी एक जबरदस्त अभिनेत्री हैं। मुझे लगता है वे कस्तूरबा के चरित्र को परदे पर बेहद खूबसूरती के साथ निभा पाएंगी। वहीं अप्लॉज एंटरटेनमेंट के निदेशक समीर नायर कहते हैं, वास्तविक जीवन के जोड़े प्रतीक और भामिनी को मोहन और कस्तूरबा के रूप में लेने का निर्णय हमने इसलिए किया क्योंकि ये दोनों असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं और यह बात सीरीज को हकीकत के और नजदीक लाएगी।

आपको बताते चलें यह सीरीज इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा की किताब गांधी बिफोर इंडिया और गांधी-द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित होने वाली है।

लगातार 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चलने वाली पहली हिंदी फिल्म

जिसने राजेश खन्ना को बनाया था सुपरस्टार

बॉलीवुड में पिछले कई दशकों में कई हिट फिल्में आईं और उन्होंने लोगों का दिल जीता। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिन्हें आज भी लोग देखते हैं और खूब पसंद भी करते हैं। इसका कारण बॉलीवुड के वो स्टार्स थे, जिन्होंने जनता के बीच कुछ ऐसी इमेज बना ली थी उन्हें लोग भगवान की तरह मानते थे। राजेश खन्ना भी उन्हीं सितारों में से एक थे, जब उनकी फिल्म रिलीज होती थी तो सिनेमाघरों में टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था और लोग फिल्म देखने के लिए कई दिनों का इंतजार करते थे। उनकी एक फिल्म ने तो पूरे ऑफिस के रिकॉर्ड ही ध्वस्त कर दिए थे। फिल्म लगातार 100 दिनों तक सिनेमाघरों में लगी रही।

इस फिल्म का नाम था आराधना और इसमें राजेश खन्ना के साथ वेटरेन एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर नजर आईं थीं। ये फिल्म रिलीज होने के बाद ही हिट हो गई, देखते ही देखते ब्लॉकबस्टर साबित हो गई। फिल्म साल 1946 में आई टू ईच हिज ओन पर बेस्ड थी। राजेश खन्ना के फैंस के अलावा बाकी लोगों ने भी इस फिल्म को खूब पसंद किया और इसकी वजह से ही फिल्म थिएटर्स से नहीं हटी, ये सिलसिला पूरे तीन महीने से ज्यादा था। यानी एक ही फिल्म सिनेमाघरों में 100 दिनों तक दिखाई जा रही थी।

क्योंकि फिल्म काफी शानदार थी और इसमें राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया था, ऐसे में इसे अवॉर्ड्स मिलना भी तय था। इस फिल्म के लिए इन दोनों को फिल्म फेयर अवॉर्ड दिया गया, साथ ही फिल्म ने और भी अवॉर्ड्स अपने नाम किए। फिल्म का एक गाना भी सुपरहिट हुआ, जिसके बोल मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू।।।थे। आपने भी ये गाना जरूर सुना होगा। फिल्म इतनी हिट थी कि तेलुगू में इसका रीमेक बनाया ये रीमेक भी काफी ज्यादा हिट रही। फिल्म देशभर में कई महीनों नहीं बल्कि करीब तीन साल तक दिखाई गई।

दूरदर्शन से शुरु किया करियर, आईपीएल से बनाई पहचान

डीडीजेएल की प्रीति यानी मंदिरा बेदी की 29 साल बाद देखें तस्वीर

टीवी एक्ट्रेस, बॉलीवुड एक्ट्रेस, स्पोर्ट्स प्रेजेंटर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर बन चुकी मंदिरा बेदी 15 अप्रैल को अपना 52वां जन्मदिन मना रही हैं। वो बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती है और इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने वीडियो की मदद से लोगों को भी फिटनेस के टिप्स देती रहती हैं। लेकिन बहुत कम जानते हैं कि अपनी प्रेगनेंसी को लेकर मंदिरा बेदी को काफी कंट्रोवर्सी भी झेलनी पड़ी थी। आइए उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको बताते हैं मंदिरा बेदी से जुड़े इस किस्से के बारे में।

टीवी से आईपीएल तक का सफर

15 अप्रैल 1972 को कोलकाता में जन्मी मंदिरा ने मुंबई से अपनी पढ़ाई लिखाई पूरी की, इसके बाद 1994 में उन्होंने छोटे पर्दे पर कदम रखा और डीडी नेशनल के सबसे फेमस शो शांति में नजर आई। शांति सबसे लंबे चलने वाले सीरियल में से एक रहा। इसके अलावा वो आहट, औरत, घर जमाई, क्योंकि सास भी बहू थी और 24 जैसे फेमस सीरियल में नजर आ चुकी हैं। मंदिरा बेदी ने सबसे पहले दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे फिल्म से डेब्यू किया, इसके बाद उन्होंने शादी का लड्डू, 10 कहानी, इत्तेफाक, साहो जैसी फिल्में भी की है। लेकिन मंदिरा को शुरू से ही क्रिकेट बहुत पसंद यही वजह थी कि वो लंबे समय तक क्रिकेट मैचों में बतौर टीवी प्रेजेंटर काम करती रही, वह आईपीएल होस्ट करने वाली पहली महिला प्रेजेंटर भी बनीं।

मंदिरा बेदी की प्रेगनेंसी कॉन्ट्रोवर्सी

मंदिरा बेदी ने 1999 में डायरेक्टर राज कौशल के साथ शादी की थी, हालांकि शादी के 12 बाद उन्होंने अपने बेटे को जन्म दिया। इतने लंबे समय बाद बच्चे को जन्म देने को लेकर मंदिरा काफी कंट्रोवर्सी का शिकार हुई थीं, लेकिन एक इंटरव्यू के दौरान मंदिरा ने कहा था कि जब मैं 39 साल की थी तब मैंने एक बेटे को जन्म दिया। दरअसल, मेरे ने मुझे प्रेग्नेंट नहीं होने दिया, मुझे डर था कि अगर मैं प्रेग्नेंट हो गई तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। ये सब मेरे लिए बहुत मुश्किल था लेकिन मेरे पति ने मेरा बहुत साथ दिया।

मानुषी छिल्लर ने स्टायलिश आउटफिट में बिखेरा जलवा

पूर्व मिस वर्ल्ड व एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बड़े मिया छोटे मिया को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपनी सिजलिंग पोस्ट से फैंस का दिल अपने नाम करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल धक-धक करने लग जाएगा. मानुषी ने फ्लोरल ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और बालकनी में खड़े होकर सेक्सी पोज दे रही हैं.पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं। वहीं उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं।मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं।एक्ट्रेस की मदमस्त आंखें देख यूजर्स अपना दिल हार बैठे हैं और तारीफों के पुल बांध रहे हैं. मानुषी हाल ही में रिलीज हुई एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई हैं. एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं।

पलक तिवारी की लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी को इंडस्ट्री में भले ही ज्यादा टाइम न बीता हो, लेकिन ग्लैमर वर्ल्ड के तौर तरीके वह अच्छी तरह से हैं। स्लिम और सिजलिंग पलक तिवारी खूबसूरती में बढ़ी से बढ़ी एक्ट्रेस को मात देती हैं।पलक ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। मूवी को बॉक्स ऑफिस पर भले ही अच्छा रिस्पांस न मिला हो, लेकिन पलक की परफॉर्मेंस काफी सराहा गया। श्वेता तिवारी की बेटी होने के कारण पलक को इंडस्ट्री के दांव पेंच शुरू से पता हैं। पलक तिवारी ने कम काम किया है, लेकिन जितना भी किया उन्हें उस परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली है। उन्होंने साबित किया है कि वह ब्यूटी और टैलेंट में अपनी मां की तरह हैं। पलक की लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं।ग्रे शिमरी जींस, टॉप और जैकेट में पलक ने कातिलाना फोटोशूट कराए हैं, जिसे देखने के बाद फैंस उन्हें एक टक निहारने को मजबूर हैं। कभी साइड पोज, तो कभी सिडक्टिव स्टाइल पलक तिवारी ने कुछ ऐसी तस्वीरें खिंचवाई हैं कि देखने वाले बस देखते रह जाएं।हॉटनेस से भरी पलक की फोटोज देख लोगों ने उन्हें स्टनिंग एक्ट्रेस बताया है। एक फैन ने कमेंट किया, बिलकुल अपनी मां जैसी लग रही हैं। एक यूजर ने कहा कि पलक तिवारी हर तरह फिट लगती हैं।

संपादकीय

डूबता जहाज बन गई है कांग्रेस

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले नेताओं का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस डूबता जहाज बन गई है, जिस पर कोई भी समझदार व्यक्ति रुकना नहीं चाहता है। स्थिति यह है कि छोटे-बड़े नेता ही नहीं अपितु मीडिया के माध्यम से देश की जनता के सामने तार्किक ढंग से कांग्रेस पक्ष रखनेवाले प्रमुख प्रवक्ता भी पार्टी को छोड़ रहे हैं। संभव है कि आनेवाले समय में कांग्रेस के पास कोई ढंग का प्रवक्ता भी न बचे। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ के बाद अब रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को विदा कह दिया है। जब भी कोई नेता अपनी पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाता है, स्वाभाविक ही आरोपों की बौछार कर देता है। परंतु, कांग्रेस के संबंध में जिस प्रकार की टिप्पणी की जा रही हैं, उनमें नयापन कुछ भी नहीं है। देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है। गौरव वल्लभ के आरोपों ने इसी अवधारणा को और गहरा किया। वहीं, गुजरात के कांग्रेस नेता एवं प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद कहा कि "कितने विरोधाभास हो सकते हैं? एक संचार प्रभारी हैं जिनके नाम में 'राम' है, जब सनातन (धर्म) का अपमान हो रहा था तब उन्होंने हमको कहा कि आप चुप रहो। देश के नाम का उपयोग करके एक गठबंधन बनाया गया लेकिन उसमें 'देश विरोधी ताकतों' को जोड़ा गया"। रोहन गुप्ता ने जो आरोप लगाए उसकी अनुभूति पहले से देश की जनता को है। जब स्टालिन एवं अन्य लोग सनातन का अपमान कर रहे थे, तब कांग्रेस ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी थी। अब तक कांग्रेस ने ऐसे नेताओं और पार्टियों से दूरी नहीं बनायी है। इसी तरह देश की आम जनता आज तक विपक्षी गठबंधन के नाम को स्वीकार नहीं कर पा रही है। जिस समय विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नामकरण 'इंडिया' किया था, उसी समय से कई राजनेताओं और राजनीतिक दलों के साथ ही आम नागरिकों ने भी इसका विरोध किया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में रहते हुए, इस नाम का विरोध किया था। जबकि उस समय गठबंधन को आकार देने में उसकी सक्रियता सबसे अधिक थी। दरअसल, सब यही कह रहे थे कि कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के प्रति सहानुभूति जुटाने एवं उसकी नीतियों पर पर्दा डालने के लिए चालाकी से गठबंधन का नाम 'इंडिया' चुना। कोई उनके गठबंधन की आलोचना करे तो उसके भारत विरोधी कहा जा सकते, यह भी एक मंशा थी। इसलिए समझदार लोग अभी भी कांग्रेसनीत गठबंधन को 'इंडी' या 'आईएनडीआईए' गठबंधन कहते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो कांग्रेस को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक, अच्छे नेता उसका साथ छोड़ रहे हैं। दूसरा, कांग्रेस के बारे में आम जनता की धारणा पक्की होती जा रही है। कांग्रेस में जो समझदार नेता हैं, उन्हें आगे आकर स्थितियों को संभालना होगा। पार्टी छोड़नेवाले नेताओं को बुरा-भला कहने से बात नहीं बनेगी अपितु उन्हें पार्टी के बारे में पुनर्विचार करना चाहिए। हालांकि, इसकी संभावना कम है क्योंकि कांग्रेस में इस समय कम्युनिस्ट विचारधारा के नेताओं का प्रभाव अधिक है। कांग्रेसी सोच का कार्यकर्ता एवं नेता हासिए पर धकेल दिए गए हैं।

देश की जनता उन आरोपों से परिचित है। सामान्य आरोप होने के बाद भी ये कांग्रेस को गंभीर नुकसान पहुँचा रहे हैं। उसका कारण है कि कांग्रेस को लेकर जनता का जो मानस पहले से बना है, ये आरोप उसको ही पुष्ट करते हैं। जैसे गौरव वल्लभ ने आरोप लगाए कि कांग्रेस ने उन्हें जबरन अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए कहा था। कांग्रेस में नेताओं को इस बार के लिए कहा जाता है कि वे उद्योगपतियों को बुरा-भला बोलें। सनातन का पक्ष न लें। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद गौरव वल्लभ ने खुलकर कहा कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंक वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और 'वेल्थ क्रिएटर्स' को गाली नहीं दे सकते हैं। जनता के मन में भी यह बात पहले से बैठी हुई है कि कांग्रेस देश के उद्योगपतियों को निशाने पर ले रही है।

माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्रक्रिया का अंग है

अपराधियों को नायक बनाने की खतरनाक प्रवृत्ति

अवधेश वुमार

खलनायक को नायक बनाने की सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रवृत्ति के व्रत कर खड़ा होने की आवश्यकता है। हमारे देश में न्याय का शासन है। माफियाओं और अपराधियों को सजा देना न्यायिक प्रव्रिया का अंग है। यह जितना मुसलमान पर लागू होता है उतने ही हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी ईसाई सभी पर। मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मृत्यु से कर दी। उसकी मौत को राजनीतिक दलों, वुछ नेताओं, संगठनों आदि के द्वारा विवादास्पद बनाया जा चुका है। जेल में किसी भी वैदी की मृत्यु हो कानून के अनुसार उसकी न्यायिक दंडाधिकारी से जांच आवश्यक है। यह अंसारी के मामले में भी है और जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। बांदा मेडिकल कॉलेज ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। बांदा जेल से भी समाचार यही था कि मुख्तार अंसारी को हार्ट अटैक आया और उसे अस्पताल ले जाया गया। मुख्तार अंसारी ,पिछले लंबे समय से जब भी वीडियो में आया काफी कमजोर दिखता था। ह्वील चेयर पर ही उसके बाहर निकलने या अंदर जाने की तस्वीरें आईं थीं। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में अनेक बीमारियां लिखी हुई है। इतनी बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति की कभी भी किसी कारण से मृत्यु हो सकती है। स्वयं को बाहुबल और धनबल की बदौलत बादशाहत कायम करने की मानसिकता में जीने वाले व्यक्ति को जेल में आम अपराधी की तरह व्यवहार से मानसिक आघात लगना बिलवुल स्वाभाविक है। मानसिक तनाव, दबाव, हताशा मनुष्य को अनेक बीमारियों से ग्रस्त करती है। योगी

आदित्यनाथ सरकार के कारण बांदा जेल में वह आम सजा प्राप्त वैदी की तरह ही था। हमारे देश के वुछ बुद्धिजीवी, संगठन, नेता, राजनीतिक परटियों आदि के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का कोई मायने ही नहीं है। प्रचारित यह किया जा रहा है कि उसे मारा गया है। जिस तरह वुछ दिनों से उसके परिवार और वकील यह खबर पैला रहे थे कि उनको धीमा जहर दिया जा रहा है वह रणनीति का अंग था। ऐसा लगता था जैसे उसे जमानत देने या मन मुताबिक किसी जेल में शिफ्ट करने का आधार बनाया जा रहा था। मृत्यु से वुछ दिनों पहले अपने बेटे से बातचीत का उसका ऑडियो वायरल हुआ है जिसमें उसके काफी कमजोर होने का आभास मिल रहा था। वह कह रहा था कि काफी दिनों से उसे मोशन नहीं हुआ और यह भी कि शरीर चला जाएगा लेकिन रुह रहेगा। अंसारी का बेटा उसे दिलासा देते हुए कहता है कि पापा आपका शरीर रहेगा और आप हज भी करेंगे। हम अदालत से गुहार कर रहे हैं और अनुमति मिलते ही आपसे मिलने आएंगे। उसके काफी अस्वस्थ व कमजोर होने के साथ गहरी निराशा में डूबे होने का पता भी ऑडियो से चलता है। सपा, बसपा ,अन्य परटियों, मजहबी नेताओं आदि ने जिस ढंग का माहौल बनाया है उसने फिर देश के आम व्यक्ति को उद्वेलित किया है। जितनी संख्या में उसके नमाज ए जनाजा में लोग शामिल हुए वह किसी भी समाज के सामान्य अवस्था का द्योतक नहीं है। हमारे देश में कानून सबके लिए बराबर है और सजा देने का काम न्यायालय का ही है। जेल नियम के अनुसार किसी भी वैदी की हर प्रकार से देखभाल कानूनी तौर पर अपरिहार्य है। ऐसा कोई कारण नहीं दिखता जिससे प्रशासन या जेल या सरकार उसे तत्काल अवैध तरीके से मारने का कदम उठाए। इस समय उसकी मृत्यु से किसी को वुछ भी प्राप्त नहीं होने वाला था। ठीक इसके उलट लगातार उसे सजा मिल रही थी और अंतिम समय तक वह जेल में छटपटाते रहता तो इसका संदेश अन्य माफियाओं, बाहुबलियों, अपराधियों के बीच जाता कि ऐसे लोगों के साथ यही होना है। योगी आदित्यनाथ सरकार की दृष्टि से यह स्थिति ज्यादा अनुवूल थी। मृत्यु के बाद उसे गरीबों का मसीहा और नायक बनाया गया वह वाकई भय पैदा करता है। मुख्तार अंसारी न्यायालय द्वारा सिद्ध माफिया, हत्यारा, अपहरणकर्ता, सांप्रदायिक दंगा करने वाला बाहुबली था। 65 से ज्यादा मुकदमे उसके नाम पर थे जिनमें से आठ में उसे सजा दी जा चुकी थी। इनमें दो में उम्र वैद की सजा थी। यानी न्यायालय ने उसे अंतिम सांस तक जेल में रखने की सजा दी थी। तो न्यायालय द्वारा घोषित सजाप्राप्त अपराधी को मुसलमानों का नायक, गरीबों का मसीहा बताया जा रहा है तथा राजनीतिक परटियां और नेता उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं इससे ज्यादा डरावना किसी देश के लिए वुछ नहीं हो सकता। वे सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रहे हैं। किसी उदारवादी, समाज हितैषी, हिदू मुस्लिम एकता के लिए काम करने वाले मुसलमान की मृत्यु पर न ऐसी प्रतिव्रियाएं आतीं हैं न इतने लोग इकट्ठे होते हैं और न उनमें किसी तरह की भावविह्वलता और आव्रामकता देखी जाती है। इसके विपरीत चाहे मुख्तार अंसारी हो, बिहार का बाहुबली सैयद सहाबुद्दीन, अतीक अहमद या मुंबई बम विस्फोटों का आतंकवादी टाइगर मेनन उनके जनाजे में इतने बड़े जन समूह का उभरना मुस्लिम समाज के अंदर बढ़ती ऐसी प्रवृत्ति है जिससे डरने और जिसको हर हाल में रोके जाने की आवश्यकता है।

मुख्तार अंसारी के घर नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उसे कोशिश को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है की जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मृत्यु से कर दी।

दृष्टि कोण

घर में घुसकर मारने के बयान पर चुप्पी क्यों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के घर में घुस कर मारने के बयान के बाद भी पूरी दुनिया चुप रही। पाकिस्तान के सिवाय विश्व के किसी भी देश ने इस पर कोई सख्त टिप्पणी करना तो दूर, सामान्य प्रतिक्रिया तक नहीं जताई। विश्व के देशों की समझ में आ गया है कि आतंकवाद के लिए बदनाम पाकिस्तान जैसे देश के लिए भारत से रिश्ते बिगाडऩा समझदारी नहीं है। बदले हुए वैश्विक परिदृश्य में हर देश सिर्फ नेशन फस्ट की नीति पर चल रहा है। इसलिए कोई देश किसी दूसरे देश के खिलाफ कोई प्रतिक्रिया तब तक नहीं देता है, जब तक कि उसके हितों पर आंच नहीं आए। ब्रिटिश अखबार गार्डियन की रिपोर्ट के बाद ठीक ऐसा ही हुआ है। गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में हुई करीब 20 हत्याएं संयुक्त अरब अमीरात से संचालित भारतीय खुफिया एजेंसियों के स्लीपर सेल के जरिए अंजाम दिए गए। हत्याओं को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपए देने का आरोप है। भारतीय एजेंटों ने हत्याओं को अंजाम देने के लिए कथित तौर पर जिहादियों को भी भर्ती किया, उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि वे काफिरों को मार रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा करीब 20 इस तरह की हत्याएं की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पाकिस्तान द्वारा दिए गए सबूतों और सीमा के दोनों ओर के खुफिया अधिकारियों के इंटरव्यू पर आधारित है। इस खबर के बाद भी पाकिस्तान को छोड़ कर दुनिया के सभी देश खामोश रहे। भारत ने भी मौजूदा दौर में बदली हुई विदेश नीति के तहत इस बात को दबाने या छिपाने के बजाय विश्व के समक्ष साफ जाहिर कर दिया कि आतंकी कार्रवाईयों पर भारत चुप नहीं बैठेगा, बल्कि ऐसी कार्रवाईयों का मुंहतोड़ जवाब देगा। हालांकि भारत ने गार्डियन की इस रिपोर्ट का न तो खंडन किया और न ही समर्थन किया। भारत ने विश्व के सामने अपनी नीति को स्पष्ट कर दिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने पूर्व में दिए गए बयान से भी एक कदम आगे निकल गए। सिंह ने पाकिस्तान को उसकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए सहायता की पेशकश कर डाली। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान खुद को अक्षम महसूस करता है तो भारत आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग करने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि अगर उसका मकसद आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को अस्थिर करना है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। यह सख्त टिप्पणी उनके द्वारा पाकिस्तान को चेतावनी देने के एक हफ्ते बाद आई है कि भारत सीमा पार करके भागने की कोशिश करने वाले किसी भी आतंकवादी का पीछा करेगा। उन्होंने कहा था कि अगर वे पाकिस्तान भागेंगे तो हम उन्हें मारने के लिए पाकिस्तान में घुसेंगे। जमुई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहते हैं कि छोटे-छोटे देश जो आज आटे के लिए तरस रहे हैं, उनके आतंकी हम पर हमला करके चले जाते थे और तब की कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। आज का भारत घर में घुस कर मारता है। पाकिस्तान ने राजनाथ सिंह के इस बयान को भडक़ाऊ बताते हुए इसकी निंदा की। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का इतिहास खुद की रक्षा करने के लिए गवाही देता है। पाकिस्तान ने कहा कि हमने हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और यह भी कहा कि इतिहास पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प और खुद की रक्षा करने की क्षमता की गवाही देता है। यह पहला मौका है जब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक कदम आगे बढ़ते हुए परिवर्तित नीति का खुलासा किया है। इससे पहले ऐसे मामलों से भारत कन्नी काटता रहा है। आतंकियों के लगातार मारे जाने पर पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले एक भारतीय पासपोर्ट धारक को गिरफ्तार किया गया है। भारत ने तब इसे बेबुनियाद बताया था। इसी तरह कनाडा में आतंकी निज्जर की हत्या और अमरीका में आतंकी पन्नू की हत्या के प्रयासों के आरोपों पर भारत ने रक्षात्मक रुख अख्तियार करते हुए ऐसी कार्रवाईयों का खंडन किया था। किन्तु गार्डियन की खबर के बाद भारत ने अपना स्टैंड बदल लिया है। इस बदली हुई नीति का संदेश विश्व को दिया गया है। गौरतलब है कि कनाडा, अमरीका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और अन्य देशों में खालिस्तानी आतंकियों ने भारत के खिलाफ धरने-प्रदर्शन और हिंसात्मक कार्रवाईयां की हैं। भारत इन पर अपना विरोध जताता रहा है। रक्षामंत्री का बयान इन देशों और इनमें पल रहे आतंकियों के लिए भी चेतावनी है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि हर मामले की एक हद होती है। अब भारत किसी को बख्शेगा नहीं। विश्व के देश भारत के बदले हुए तेवर से स्तब्ध हैं। किसी भी देश ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ नहीं दिया। इसकी प्रमुख वजह है कि भारत सभी देशों से कमोबेश द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। इसमें रणनीति और व्यापारिक संबंध शामिल हैं। सभी देशों को लगता है कि एक अरब 40 करोड़ की आबादी वाला भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। दो देशों के आपसी संबंधों के मामले में बीच में पडऩा अब कोई भी देश नहीं चाहता।

कुछ अलग

बनाम छोटा पप्पू

मंडी संसदीय क्षेत्र ने अचानक सारे राष्ट्र की निगाहें हिमाचल की ओर मुखातिब की हैं। मानना पड़ेगा कि यह सब वहां से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत की वजह से कहीं ज्यादा हो रहा है। चुनावी फलक के दूसरे छोर पर वीरभद्र सिंह परिवार का पारंपरिक दुर्ग और उनकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकार खड़ा है। बात कहां से चली और कहां तक पहुंचेगी, लेकिन आरंभिक जोश से ही मालूम पड़ता है कि मंडी चुनाव में जाहिर मंतव्य किसी भी हद तक जहरीला और व्यक्तिगत आक्षेपों में माहिर होना चाहता है। यहां कंगना की पृष्ठभूमि, ग्लैमर और बेबाकी के सामने विक्रमादित्य सिंह की राजनीतिक समझ, वाकपुटता और सत्ता में भागीदारी खड़ी है। कंगना का प्रचारतंत्र देश के लिए और देश के सामने, भाजपा का अभ्यास वर्ग है, इसलिए जरूरी नहीं कि वह हिमाचली मुद्दों की बिसात तक ही रहे। इसलिए वह सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय बहस की पात्र बनी रहना चाहती है और मुकाबले के हर पहलू में मंडी के स्वाभिमान और पहाड़ की बेटी होने का मर्म जाग्रत करती है। इस तरह वह न तो अधकचरी और न ही आसान हस्ती हैं। विवाद उनका गहना और चर्चाएं उनका पोशाक है। हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरी बार हो रहा है जब कोई सियासी शख्सियत अपनी गैर मौजूदगी में भी चर्चाओं से दूर नहीं। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को जब प्रदेश की राजनीति से दूर केंद्रीय मंत्री के दायित्व में सीमित करने के जोरदार प्रयास हो रहे थे, तब भी वह हिमाचल की हर बहस के प्रमुख पात्र थे। हिमाचल के प्रवेशद्वारों यानी सोलन व ऊना जिलों में वह बयान दाग कर विपक्ष को तब तक चर्चा का मौका देते थे, जब तक वह दिल्ली नहीं लौट जाते। उनकी शब्दावली से निकले रौंदू या मकड़झंडू जैसे शब्दों की व्याख्या आज भी विरोधियों के सिर में खुजली करती है, जबकि उनकी हाजिरजवाबी का अंदाज आजकल के नेताओं में ढूंढे नहीं मिलता। ऐसे में कंगना का राजनीतिक अवतार पुनः बहस के कटोरे में कई खड्डों का पानी भर रहा है। सवाल यह है कि हिमाचल की जनता को अब इस स्तर की बहस में मजा आने लगा है। क्या वह नारी होने के कारण विरोधियों पर भारी होने जा रही है। क्या उसे राष्ट्रीय बहस में हिमाचल के मुद्दे गौण करने से लाभ होगा या कांग्रेस की लंका जलाते हुए अपने हाथ जलाने चाहिएं। जो भी हो, मनाली में उसके निशाने अगर बड़े पप्पू बनाम छोटे पप्पू को खोज रहे हैं, तो यह नई राजनीति का पहला संदेश भी है। इस दौर की आक्रामकता की पेशगी में कंगना बता चुकी है कि वह अपनी तरह की बिसात पर कुछ भी फैला सकती है। प्रदेश में वह बनाम राजनीति का उद्भव तो ढूंढ चुकी है, लिहाजा उपमाएं बदलेंगी और सरोकार भी रक्षा कवच पहनेंगे। जो भी हो हिमाचल में अब सवाल कंगना बनाम विक्रमादित्य सिंह तक ही नहीं। बागी कांग्रेसी बनाम कांग्रेस, राजनीतिक गोटियां बनाम हकीकत, दोस्त बनाम कार्यकर्ता, पूर्व मुख्यमंत्री बनाम वर्तमान, डबल इंजन बनाम व्यवस्था परिवर्तन और इसी तरह उम्मीदवारों के चयन में कहीं गद्दी बनाम चौधरी, पंडित बनाम राजपूत और दलित बनात कबायली भी होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस क्या ओपीएस, रोजगार, निवेश, केंद्र संबंधों, हिमाचली अधिकारों, और सवा साल की सत्ता के बनाम भाजपा के खोट कुशलता से रख पाएगी। जनता के लिए बहस को पटरी पर लाने की चुनौती दोनों पार्टियों की रहेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा। कांग्रेस के लिए बागी विधायकों को निपटाना सबसे बड़ी चुनौती है, लिहाजा बयानों की फेहरिस्त में जाहिर तलख्यिों का विवरण ढूंढना कठिन है।

देश दुनिया से

न्यायिक व्यवस्था में मिसाल बनेंगे न्यायमूर्ति रमना

न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की स्वीवृति के बाद न्यायमूर्ति नथालापति वेंकट रमना भारत के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) होंगे। 64 वषाय जस्टिस रमना 24 अप्रैल को देश के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। दरअसल मौजूदा मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े का कार्यकाल 23 अप्रैल को पूरा हो रहा है और अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्होंने पिछले महीने न्यायमूर्ति एनवी रमना के नाम की सिफारिश की थी। नियमानुसार मौजूदा मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले वेंद्रीय कानून मंत्री को एक लिखित पत्र भेजकर नई नियुक्ति के लिए सिफारिश करते हैं। कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्रायः उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गईं, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के पैसले को सार्वजनिक किया था। बहरहाल राष्ट्रपति की स्वीवृति के पात अब जस्टिस एनवी रमना ही देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनका कार्यकाल डेढ़ वर्ष से भी कम समय का होगा, वे 26 अगस्त 2022 को इस पद से सेवानिवृत्त होंगे। इस प्रकार वे महज 16 महीने तक ही इस महत्वपूर्ण पद पर रहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके न्यायमूर्ति रमना 17 फरवरी 2014 से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों में जस्टिस बोबड़े के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। 27 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश के वृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में एक किसान परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति रमन्ना ने विज्ञान और वकालत में स्नातक किया है। वकालत करने के बाद जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने करीब दो साल तक एक तेलुगू दैनिक अखबार में संपादकीय कार्य किया और वकालत वैरियर की शुरुआत 10 फरवरी 1983 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक वकील के तौर पर की। उसके बाद वे आंध्र प्रदेश के अतिरित्त एडवोकेट जनरल भी बने। 27 जून 2000 को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के स्थायी जज के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। 13 मार्च 2013 से 20 मई 2013 के दौरान न्यायमूर्ति रमना आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश भी रहे और 2 सितम्बर 2013 को पदोन्नति के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 17 फरवरी 2014 को न्यायमूर्ति एन वी रमना सर्वोच्च न्यायालय के जज बने। जस्टिस रमना आंध प्रदेश हाई कोर्ट के पहले ऐसे न्यायाधीश होंगे, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। हालांकि तेलुगू भाषियों की बात की जाए तो वे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले दूसरे ऐसे न्यायाधीश होंगे। जस्टिस एनवी रमना से पहले के सुब्बा राव भारत के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 15 जुलाई 1902 को मद्रास प्रेसीडेंसी में जन्मे सुब्बा राव 30 जून 1966 से 11 अप्रैल 1967 तक देश के मुख्य न्यायाधीश रहे थे। जस्टिस रमना अपने अब तक के कार्यकाल में अपने कई महत्वपूर्ण पैसलों को लेकर काफी चर्चित रहे हैं लेकिन सर्वाधिक चर्चा में वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री रेड्डी ने उन पर आरोप लगाया था कि वह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहे हैं। रेड्डी ने अमरावती जमीन घोटाले में भी जस्टिस रमना के परिवार के वुछ सदस्यों की भूमिका का आरोप लगाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच के बाद मुख्यमंत्री की इस शिकायत को खारिज करते हुए उनके आरोपों को झूठा, तुच्छ, आधारहीन और गलत करार देते हुए इसे न्यायपालिका को धमकाने का प्रयास बताया। न्यायमूर्ति रमना ने अपने अभी तक के कार्यकाल में देश की शीर्ष अदालत में कई हाई प्रोफाइल मामलों को सुनवाई की और उनके ऐसे कई पैसले काफी चर्चित रहे।

कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्राय: उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था। न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गई।

आप का नजरिया

खटाखट कैसे मिटेगी गरीबी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'गरीबी मिटाओ' का एक फॉर्मूला दिया है। उनके मुताबिक, यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में एक लाख रुपए सालाना जमा कराए जाएंगे। वह गरीब परिवार किसान, मजदूर या किसी का भी हो सकता है, उस परिवार की महिला को 8500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह आर्थिक मदद तब तक जारी रहेगी, जब तक वह परिवार गरीबी-रेखा से बाहर नहीं आ जाता। क्या कांग्रेस ने ऐसी योजना के अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है? सबसे अहम सवाल तो गरीबों की संख्या का है। दरअसल ऐसे गरीबों की देश में कितनी संख्या है, यह न तो कांग्रेस को पता है और न ही सरकार यह डाटा साझा करना चाहती है। गरीबी-रेखा की परिभाषा तक निश्चित नहीं है। देश में गरीबी की स्थिति क्या है, उसे लेकर भी विरोधाभास हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर आर्थिक असमानता के यथार्थ को दोहराया है। देश के 22 सबसे अमीर भारतीयों के पास इतना धन है, जितना 70 करोड़ लोगों के पास है। राहुल गांधी के अनुसार, मोदी सरकार ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। दि अरबपतियों के पास बेइंतहा आर्थिक संसाधन हैं, तो उनकी कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार भी देती हैं और करोड़ों रुपए के कर भी अदा करती हैं। बहरहाल राहुल गांधी का दावा है कि कांग्रेस देश से खटाखट गरीबी को मिटा देना चाहती है। हमारी जो गारंटी है, उसके जरिए हम एक ही झटके में गरीबी समाप्त कर देना चाहते हैं। राहुल गांधी की दादी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था और प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीता था। उसके बाद की कांग्रेस सरकारों में भी 'गरीबी' एक बुनियादी एजेंडा रहा, लेकिन एक समय आया था, जब 'योजना आयोग' (अब नीति आयोग) भी मानता था कि करीब 30 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। समितियां बनाई गईं, फॉर्मूले तय किए गए, लेकिन सही डाटा देश के सामने पेश नहीं किया जा सका। चूंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंचों पर बार-बार दोहरा रहे हैं कि उनकी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को 'गरीबी' से बाहर निकाला है। यानी प्रधानमंत्री भी स्वीकार करते हैं कि देश में 25 करोड़ गरीब रहे हैं, जिन्हें उस रेखा से उबारा गया है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ही देश के सामने है, अलबत्ता कोई बिंदुवार और क्षेत्रवार आंकड़े देश के सामने नहीं रखे गए हैं। इसी दौर में आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने एक आर्थिक आकलन सार्वजनिक किया था। उसके मुताबिक, देश में 23 करोड़ से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना की कमाई करने में भी असमर्थ हैं। वे भी गरीबी-रेखा के नीचे की आबादी हैं।

जनवरी-मार्च तिमाही में कुल बिक्री में सस्ते घरों कही हिस्सेदारी घटकर 22 प्रतिशत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

लक्जरी फ्लैटों की मजबूत मांग के बीच देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च के दौरान कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी (जिनकी कीमत 45 लाख रुपये तक है) आधे से भी अधिक घटकर 22 प्रतिशत रह गई। कैलेंडर वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत थी।

हाउसिंग ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर.कॉम के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी-मार्च 2024 के दौरान शीर्ष आठ शहरों में आवास की बिक्री 41 प्रतिशत बढ़कर 1,20,640 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 85,840 इकाई थी।

महामारी के बाद महंगे घरों की बढ़ी बिक्री

जनवरी से मार्च के दौरान 1,20,640 आवास इकाइयों की कुल बिक्री में 25 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत थी। पिछले साल इसी अवधि में इस श्रेणी के घरों की बिक्री की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत थी। जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 25-45 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी।

प्रॉपटाइगर.कॉम ने अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट रियल इनसाइट रेजिडेंशियल जनवरी-मार्च 2024 महामारी के बाद अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री बढ़ी है। 2024 की पहली तिमाही में एक करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है, जो 2023 की समान अवधि में 24 प्रतिशत से काफी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल बिक्री में 45-75 लाख रुपये कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत पर स्थिर रही। कुल बिक्री में 75 लाख से एक करोड़ रुपये की लागत वाले घरों की हिस्सेदारी इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 12 प्रतिशत थी।

शामिल हैं ये शहर

शीर्ष आठ शहर अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली- एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और पुणे हैं। दिल्ली-एनसीआर में गाजियाबाद, फरीदाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गुरुग्राम शामिल हैं। एमएमआर में मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

बीते वित्त वर्ष रिकार्ड 18 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ी, लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी कैपिसिटी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकार्ड 18.48 गीगावाट की बढ़ोतरी की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के डाटा के अनुसार, इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 21 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15.27 गीगावाट की वृद्धि हुई थी। बढ़ानी होगी क्षमता उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को अगले छह वर्षों के दौरान सालाना कम से कम 50 गीगावाट क्षमता बढ़ानी होगी। डाटा के अनुसार, 31 मार्च 2024 को भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 143.64 गीगावाट हो गई है। जल विद्युत क्षमता नहीं है शामिल इसमें 47 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता शामिल नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हम समय से पहले 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार करने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। आंकड़ों से पता चला कि 12.78जीडब्लू की सौर स्थापनाओं से 2023-24 में 15.27 जीडब्लू की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई, इसके बाद 2.27 जीडब्लू पवन ऊर्जा हुई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बीच कुल सौर स्थापित क्षमता 81.81 गीगावॉट पर चार्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद लगभग 46 गीगावॉट पवन ऊर्जा, 9.43 गीगावॉट बायोमास सह-उत्पादन और 5 गीगावॉट लघु पनबिजली (प्रत्येक 25 मेगावाट क्षमता तक) है। बता दें राज्यों में गुजरात और राजस्थान में लगभग 27 गीगावॉट की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, इसके बाद तमिलनाडु में लगभग 22 गीगावॉट, कर्नाटक में लगभग 21 गीगावॉट और महाराष्ट्र में लगभग 17 गीगावॉट है। हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश ने लगभग 11 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।

सोना 72 हजार, चांदी 83 हजार के पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही।

हालांकि बाद में इसके भाव भी तेजी के साथ कारोबार करने लगे। सोमवार को सोने के वायदा भाव 72 हजार और चांदी के वायदा भाव 83 हजार रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमासीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की तेजी के साथ 72,030 रुपये के भाव पर खुलकर 223 रुपये की तेजी के साथ 72,066 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 14 रुपये की गिरावट के साथ 8,2799 रुपये के भाव पर खुलकर 419 रुपये की तेजी के साथ 83,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,369.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

बायजू इंडिया के सीईओ अर्जुन मोहन ने दिया इस्तीफा, रविंद्रन खुद संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। बायजू इंडिया के सीईओ और संस्थापक बायजू रवींद्रन के विश्वासपात्र अर्जुन मोहन ने यह पद संभालने के छह महीने बाद कंपनी छोड़ दी है। यह एक महत्वपूर्ण शीर्ष-स्तरीय इस्तीफा है जो परेशान एडटेक फर्म को और संकट में डाल सकता है। हालांकि खबरों के अनुसार अर्जुन बाहरी सलाहकार के तौर पर बायजू को अपना सहयोग देते रहेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कंपनी के संस्थापक रवींद्रन पिछले एक साल से कंपनी को परेशान करने वाली कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। कंपनी के एक बयान के अनुसार मोहन के जाने के बाद रवींद्रन थिंक एंड लर्न के तहत आने वाले भारतीय कारोबार के लिए दिन-प्रतिदिन के संचालन का नियंत्रण संभालेंगे। रवींद्रन लगभग चार साल बाद दैनिक मामलों के शीर्ष पर लौट रहे हैं। वह वर्तमान योजनाओं के अनुसार, नवीनतम बदलावों पर आंतरिक रूप से घोषणा कर सकते हैं। मोहन ने पिछले साल कंपनी के सीईओ के रूप में मृणाल मोहित की जगह ली थी। ये दोनों रवींद्रन के संस्थापक टीचिंग कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के शुरुआती दिनों में पूर्व छात्र थे। सितंबर 2023 में मृणाल मोहित बायजू से जाने के बाद कंपनी ने अर्जुन मोहन को अपने भारतीय कारोबार का सीईओ बनाया था। अर्जुन मोहन जुलाई 2023 में बायजू से उसके इंटरनेशनल बिजनेस के सीईओ के तौर पर दोबारा जुड़े थे। इससे पहले वे बायजू के साथ करीब 11 सालों तक काम कर चुके थे। बाद में वे इंडिया बिजनेस के सीईओ के तौर पर अपग्रैड में चले गए थे। दिसंबर 2022 में उन्होंने से अपग्रेड से इस्तीफ दे दिया था। अर्जुन ने एजुकेटिंग ए बिलियन नामक किताब भी लिखी है।

टेस्ला के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाएगी टाटा

कंपनियों के बीच डील, भारत में इस महीने कार मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकती है टेस्ला

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

अब टेस्ला की सभी कारों के लिए सेमीकंडक्टर चिप टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बनाएगी। अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरर टेस्ला ने इसके लिए टाटा के साथ स्ट्रैटेजिक डील साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ला के ग्लोबल सप्लाई के लिए चिप मैन्युफैक्चर करेगी।

यह डील ऐसे समय में हुई है जब टेस्ला के मालिक एलन मस्क भारत आने वाले हैं। मस्क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया कि मस्क 22 से 27 अप्रैल के बीच भारत आ सकते हैं।

इस दौरान टेस्ला के मालिक भारत में कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का ऐलान कर सकते हैं। मस्क ने ङ्क पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी से मुलाकात का इंतजार है। उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले मस्क दो बार पीएम मोदी से मुलाकात कर चुके हैं।

कार मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी स्टोरेज प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला

3 अप्रैल को ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया था कि टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में 2 से 3 बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया था कि इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का फोकस महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा। इसकी वजह इन राज्यों के पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा।

टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है। कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था।

भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे मस्क

एलन मस्क भारत में 2-3 बिलियन डॉलर का निवेश करने के प्लान की घोषणा करेंगे। टेस्ला न केवल भारत के लिए कारों की मैन्युफैक्चरिंग करना चाहती है, बल्कि यहां से उन्हें ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट भी करना चाहती है।

इसके अलावा मस्क भारत में जल्द ही सैटेलाइट बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विसेज भी शुरू कर सकते हैं। बताया कि स्टारलिंक के लिए रेगुलेटरी अप्रूवल्स फाइनल स्टेज में है और कंपनी को जल्द ही लाइसेंस मिलने की उम्मीद है।

सरकार की नई ईवी पॉलिसी से टेस्ला की एंट्री आसान हुई

एक महीने पहले भारत सरकार ने ईवी पॉलिसी में बदलाव किया था। नई पॉलिसी के अनुसार, कुछ मॉडल्स के इंपोर्ट पर इंपोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके लिए निवेशकों को कम से कम 50 मिलियन डॉलर (करीब 4,172 करोड़) निवेश करना होगा। सरकार के इस नई पॉलिसी से लंबे समय से भारत में आने का रास्ता तलाश रही अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के लिए भारत में एंट्री आसान हो गई।

सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर

टेस्ला की सबसे सस्ती गाड़ी मॉडल 3 की कीमत अमेरिका में 40,000 डॉलर है। एक बार चार्ज करने पर 263 किलोमीटर तक जा सकती है। इसमें पांच लोगों के बैठने की जगह है। टॉप स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटा है। 5.3 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। मॉडल वाय सात सीट वाली गाड़ी है। इसकी कीमत अमेरिका में 54,000 डॉलर है। यह एक बार चार्ज होने पर 326 किलोमीटर तक जा सकती है। इसकी टॉप स्पीड 135 किलोमीटर प्रति घंटा है। 4.8 सेकेंड में 60 मील प्रति घंटे की स्पीड में आ सकती है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है।

कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

एडटेक फर्म अपग्रेड ने प्रदान की 55 हजार नौकरियां

upGrad

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

एडटेक और स्किलिंग कंपनी अपग्रेड ने सोमवार को वित्त वर्ष 24 में 55 हजार लोगों को रोजगार प्रदान करने की जानकारी दी।

कंपनी ने कहा, इनमें लगभग तीन हजार राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में नई नौकरियां, करियर स्विच और पदोन्नति शामिल हैं। इसमें वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए की बेसलाइन से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक हैं।

कंपनी ने मुख्य रूप से मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में देखी गई और लगभग 50 प्रतिशत नियुक्तियां मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई में की गईं। इसके बाद पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव, अहमदाबाद, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में हायिरंग की। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें लगभग दो-तिहाई महिला प्रोफेशनल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और प्रौद्योगिकी में अपग्रेड के मुफ्त पाठ्यक्रमों में 1.4 लाख से अधिक नामांकन हुए।

अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार ने कहा, हमने विभिन्न विषयों के साथ एक ठोस और एकीकृत शिक्षण व्यवस्था बनाई है। शिक्षार्थियों के बेहतर करियर लिए इसे पुनर्गठित किया गया है। नए लोगों, पहली बार नौकरी चाहने वालों, मध्य और वरिष्ठ पेशेवरों को नौकरियों में रियल टाइम पर लाभ के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जिसका अब विस्तार किया जाएगा। वित्त वर्ष 24 में, अपग्रेड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग छह लाख कॉर्पोरेट पेशेवरों को प्रशिक्षित किया।

लोकसभा चुनाव से पहले आलू-प्याज की थोक कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा, डब्ल्यूपीआई मार्च में 0.53 प्रतिशत पर

नई दिल्ली, 15 अप्रैल।

थोक महंगाई दर मार्च महीने में मामूली रूप से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गई है, यह पिछले महीने में 0.2 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। वाणिज्य मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी।

आलू-प्याज की कीमतों में मार्च में 50 प्रतिशत से अधिक का इजाफा

थोक प्याज की कीमतें फरवरी में 29.22 प्रतिशत बढ़ी थीं जो मार्च में 56.99 प्रतिशत तक बढ़ गईं। भारत को अगली खरीफ फसल की कटाई तक प्याज की आपूर्ति में बड़ी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आलू के थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 52.96 प्रतिशत बढ़े जबकि फरवरी में इसमें 15.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले मार्च महीने में प्याज की थोक कीमतों में 36.83 प्रतिशत और आलू में 25.59 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।

थोक खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत का इजाफा

मार्च, 2024 के महीने के लिए डब्ल्यूपीआई सूचकांक में महीने-दर-महीने का परिवर्तन फरवरी, 2024 की तुलना में 0.40 प्रतिशत रहा। थोक खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 4.7 प्रतिशत तक बढ़ गई। वहीं, मासिक आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 0.11 प्रतिशत बढ़ने के बाद मार्च में 1.01 प्रतिशत बढ़ी।

ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में देखी गई कमी

मार्च, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मशीनरी और उपकरण और अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की थोक मुद्रास्फीति मार्च में 4.87 प्रतिशत बढ़ी जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.19 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति मार्च में शून्य से 0.77 प्रतिशत घटी।

इमामी समूह के निदेशक बोले- देश में काम करने के पर्याप्त अवसर, लगातार मेहनत दिलाएगी सफलता

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

इमामी एक भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। कंपनी का विस्तार एफएमसीजी, रियल एस्टेट और स्वास्थ्य देखभाल समेत कई क्षेत्रों में है। 34,000 करोड़ रुपये की कंपनी 60 से अधिक देशों में अपने उत्पाद बेचती है। देश में इसके उत्पाद 45 लाख खुदरा दुकानों में उपलब्ध हैं। 70 के दशक में शुरू हुई इस कंपनी की नींव दो दोस्तों राधेश्याम अग्रवाल और राधेश्याम गोयनका ने रखी थी। 50 साल की यह यात्रा कैसी रही और क्या चुनौतियां आईं, इस पर समूह के निदेशकों आदित्य वी अग्रवाल और मनीष गोयनका से राहुल कांकरिया की खास बातचीत... इमामी ग्रुप ने हाल ही में अपनी 50वीं सालगिरह मनाई। इस यात्रा में सबसे मूल्यवान सीख क्या रही वर्षों की यात्रा का वर्णन इतने कम शब्दों में करना मुश्किल है, लेकिन हमारी सबसे बड़ी सीख यही रही कि लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। यही सफलता का मूलमंत्र है। इसके अलावा, खुद को सबसे आगे रखने के लिए आपको गुणवत्ता पर जोर देना होगा। 50 साल की इस यात्रा में हमने अपने बुजुर्गों से एकजुट होकर काम करना सीखा। उन्होंने हमें सबसे बड़ी चीज सिखाई कि आपस में विचार-विमर्श होंगे तो मतभेद भी होंगे, लेकिन कभी मनभेद नहीं होना चाहिए। यही हमारी तरक्की का सबसे बड़ा स्तंभ है। हमलोगों ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि हालात चाहे जैसे भी हों, कभी कोई गलत रास्ता नहीं चुनना है। दूरदर्शिता के साथ सबको साथ लेकर चलने की सीख इतने बड़े समूह को चलाने की हमारी यात्रा को आसान करती गई। इसके अलावा, कई बार आपको मजबूत फैसले लेने पड़ते हैं। विकास के नए अवसर खोजने और भविष्य को

आकार देने में साझेदारी की क्या महत्ता है केपीएमजी, ईएंडवाई और मैकेंजी जैसी कंपनियों को हमने जोड़कर रखा है। यह हमारे समूह के लिए सीखने का मजबूत जरिया है। इन कंपनियों के पास देश-विदेश में चल रहे कारोबारी गतिविधियों की जानकारी होती है। ऐसी सूचनाएं भी हमारे लिए भविष्य के नए अवसर खोजने में मदद करती हैं। मैकेंजी हमारी फूड प्रोडक्ट कंपनी इमामी एग्रो डिवीजन में विशेष कंसल्टेंसी कर रही है। समूह के पास उपभोक्ता सूची में नवीनता की विरासत है। आगे कौन से उत्पाद आएंगे इमामी हर समय ग्राहकों की प्रसन्नता वाले उत्पाद पर फोकस कर अपने नए उत्पाद बाजार में लाती है। फेयर एंड हैंडसम एक उदाहरण है। हम लोग हर समय कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। आगे भी हम ऐसे नए उत्पाद लोगों के बीच लेकर आएंगे। किन-किन क्षेत्रों में नए अवसर देख रहे हैं भारत अपने आप में बहुत बड़ा अवसर है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है। हमें खुशी है कि अपने देश में हमारे पास इतने मौके हैं। अगर हम आज की क्षमता के हिसाब से भी इन अवसरों को भुनाएं तो हमारी तरक्की की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा बढ़ सकती है। अभी हम खाद्य तेल के क्षेत्र में दक्षिण भारत में नहीं हैं। धीरे-धीरे वहां जाएंगे। हम 70 से ज्यादा देशों में मौजूद हैं। हमारे उत्पाद अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अन्य पड़ोसी देशों में लोकप्रिय हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारे कुछ उत्पाद तो नंबर-1 और नंबर-2 पर हैं। परंपरागत और आधुनिक व्यापार गतिविधियों में इमामी कैसे संतुलन बनाए रखती है कोई भी मूल्य परंपरागत या आधुनिक नहीं होते हैं। उनकी परिभाषा सिर्फ उनके शब्दों से बदल जाती है। हमारे जीवन के मूल्य हजारों साल से एक जैसे हैं। जैसे...सच बोलना चाहिए। बड़ों का सम्मान करना चाहिए। ये समय, काल और परिस्थितियों के आधार पर बदल नहीं सकते। इसी प्रकार, बिजनेस के मूल्य भी वैसे ही रहते हैं। वे बदल नहीं सकते।अंतरराष्ट्रीय बाजार में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा कंपनी 1974 में शुरू हुई। 1982-83 में रूस में हम बड़े स्तर पर निर्यात करते थे। इस दौरान समझ में आया कि अन्य देशों में काम करने के लिए वहां के सिस्टम, प्रोटोकॉल और अन्य कई प्रक्रियाओं का पालना करना पड़ता है। देश विशेष टीम अपने-अपने क्षेत्र में सपोर्टिव रहती है।

बुंडेसलिगा में बेयर लेवरकुसेन की खिताबी जीत

बर्लिन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। **बायर्न म्यूनिख द्वारा लीग पर 11 साल तक लगातार दबदबा बनाए रखने के बाद, बेयर लेवरकुसेन ने आखिरकार वेर्डर ब्रेमेन को 5-0 से हराकर बुंडेसलीगा का खिताब जीत लिया। 29वें राउंड के समापन पर वेर्डर ब्रेमेन पर शानदार जीत के बाद, लेवरकुसेन ने पांच राउंड शेष रहते हुए अपना पहला बुंडेसलीगा खिताब जीता।**

रिपोर्ट के अनुसार, मैच की शुरुआत से ही लेवरकुसेन ने अपना पक्ष हावी रखा और लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की।

लेवरकुसेन के प्रयासों का फल तब मिला जब विक्टर बोनीफ़ेस ने 22वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। फिर, वेर्डर ब्रेमेन ने कई बार कोशिश की लेकिन मेजबान टीम का दबदबा कायम रहा। लेवरकुसेन के गोलकीपर लुकास ह्राडेकी ने कई शानदार बचाव किए।

दूसरे हाफ में एक बार फिर लेवरकुसेन ने अटैक करना शुरू किया और ग्रैनिट ज़ाका ने 60वें मिनट में टीम की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने 68वें मिनट में एक शक्तिशाली शॉट के साथ टीम की बढ़त 3–0 की। इतना ही नहीं उन्होंने हैट्रिक जमाते हुए 83वें और 90वें मिनट में अपनी टीम के लिए ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ लेवरकुसेन प्रतियोगिताओं में 43 मैचों से अजेय के अपने रिकॉर्ड पर कायम है। टीम के लिए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें इस सीज़न में बुंडेसलीगा में 29 मैचों की अजेय श्रृंखला शामिल है। साथ ही उन्होंने अपने नाम रिकॉर्ड 79 अंक अर्जित किए हैं।

फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने कहा, मुझे अभी भी एहसास नहीं हो रहा है कि हमने क्या हासिल किया है।

जोनास हॉफमैन ने कहा, यह अविश्वसनीय है और इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैंने इसे सपने में भी नहीं सोचा था।

अलोंसो की टीम इस सीज़न में दो और खिताब जीत सकती है क्योंकि यूईएफए यूरोप लीग और जर्मन कप अभी भी उनकी दावेदारी में हैं।

न्यूज़ब्रीफ

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा: टोक्यो में लाल था; कंपनी बोली- ट्रैक मैटीरियल से एथलीट्स की परफॉर्मेंस सुधरेगी

नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज और पूर्व ओलिंपियन एलेन ब्लोंडेल ने कहा है कि ट्रैक का रंग बैंगनी देने की वजह यह है कि बैंगनी कलर पेरिस ओलिंपिक खेल के रंगों में से एक है। हाल ही ओलिंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलिंपिक खेल के लिए तीन रंगो को चयनित किया था। जिसमें गुलाबी, नीला और बैंगनी कलर शामिल थे। इटली में तैयार गया है ट्रैक का मटेरियल पेरिस ओलिपिंक के एथलेटिक्स ट्रैक के मटेरियल इटली में तैयार किया गया है। 1976 के बाद से ओलिंपिक के लिए ट्रैक तैयार करने वाली कंपनी मोंडो का मानना है कि ट्रैक पहले से ज्यादा बेहतर होंगे। इससे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। टोक्यो ओलिंपिक में बने थे तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड टोक्यो ओलिंपिक में एथलेटिक्स में तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड और 10 ओलिंपिक रिकॉर्ड बने थे। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज एलेन ब्लोंडेल ने कहा कि पेरिस में टोक्यो से ज्यादा रिकॉर्ड बनेंगे। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से होगा शुरू पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। भारत को टोक्यो में पहली बार एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल मिला था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में भारत के लिए ओलिंपिक में ट्रैक एंड फील्ड में पहली बार मेडल जीता था।

ऐतिहासिक मैच, रनों का अंबार

आरसीबी की छह मैच में पांचवीं हार हैदराबाद की जय-जयकार

बेंगलुरु, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच को रनों की खान माना जाता है। इस ग्राउंड पर जमकर चौके-छक्के लगते हैं। 15 अप्रैल की रात भी यही देखने को मिला। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा टोटल यानी 287/3 का स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स ने इसी सीजन में 27 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर पिछला कीर्तिमान स्थापित किया था। इस विशाल लक्ष्य के जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम अपने घर पर सात विकेट खोकर 262 रन बनाने में कामयाब रही और 25 रन से मैच गंवा बैठी। पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे चल रही आरसीबी की यह सात मैच में छठी हार है और अब उसका प्लेऑफ में पहुंचना असंभव है! दूसरी ओर हैदराबाद ने छह मैच में चौथी जीत हासिल करते हुए मजबूती से अपनी चौथी पोजिशन बरकरार रखी है।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दिलाई। बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने 41 गेंद में 102 रन बनाए जिसमें नौ चौके और आठ छक्के शामिल थे। ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा के साथ 49 गेंद में 108 रन की साझेदारी की। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंद में 34 रन बनाए। इसके बाद हेड और हेनरिच क्लासेन ने 26 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 31 गेंद में 67 रन बनाए, जिसमें दो चौके और सात छक्के शामिल थे। अंत में अब्दुल समद ने सिर्फ 10 गेंद में तीन छक्के और चार चौकों की मदद से 37 रन बनाए जबकि ऐडन मार्कमर 17 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे, दोनों ने चौथे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े।शानदार फॉर्म में चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आखिरी दम तक लड़ते रहे, उन्होंने छठे नंबर पर आकर सीजन का लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 35 गेंद में 83 रन बनाए। मैदान का ऐसा कोई कोना नहीं बचा, जहां डीके के बल्ले से चौके-छक्के नहीं पहुंचे। 19वें ओवर में नटराजन ने उन्हें विकेटकीपर हेनरिक क्लासेन का हाथों कैच आउट करवाया, उन्हीं की बदौलत आरसीबी लक्ष्य के इतना करीब आ पाई।

288 रन के विशाल लक्ष्य के जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार तो गजब की थी, लेकिन विराट कोहली के आउट होते ही गाड़ी पटरी से उतर गई। आरसीबी ने छह ओवर में बिना कोई विकेट खोए 79 रन बना लिए थे और हैदराबाद के स्कोर से आगे चल रही थी, विराट कोहली 19 गेंद में 42 रन बनाकर तूफानी बल्लेबाजी कर रहे थे तो कप्तान फाफ डुप्लेसिस भी 17 गेंद में 37 रन बना चुके थे, लेकिन सातवें ओवर की दूसरी गेंद में लेग स्पिनर मयंक मार्कंडे ने विराट को क्लीन बोल्ड करके बेंगलुरु को पहला झटका दिया। 10 ओवर खत्म होते तक तो 122 रन पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी दोनों बिलकुल साधारण, सुनील गावस्कर ने ऑलराउंडर को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली,15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस का कप्तान बनने के बाद हार्दिक पांड्या की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम पर आईपीएल 2024 के 29वें मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों 20 रन की शिकस्त सहनी पड़ी।

हार्दिक पांड्या के लिए बुरा फैसला रहा कि उन्होंने सीएसके की पारी का आखिरी ओवर करने की जिम्मेदारी उठाई, जिसमें 26 रन खर्च किए। सीएसके के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने हार्दिक पांड्या की लगातार तीन गेंदों में तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। इसके बाद महान सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी और गेंदबाजी की जमकर आलोचना की है।

केविन पीटरसन ने भी नहीं बख्शा

सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन स्टार स्पोर्ट्स पर पैनल के रूप में पारी का विश्लेषण कर रहे थे। तभी दोनों ने हार्दिक पांड्या की आलोचना की। केविन पीटरसन ने कहा कि हार्दिक पांड्या पर दर्शकों की हूटिंग का असर पड़ रहा है।

हार्दिक ऐसा नहीं चाहेंगे

केविन पीटरसन ने साथ ही कहा, मैं भी लोगों के निशाने पर रहा हूं। मैं कह सकता हूं कि दर्शकों का बर्ताव आपको प्रभावित करता है। हार्दिक पांड्या के साथ जो हो रहा है, जैसी हूटिंग हो रही है, वो उनको दुख पहुंचा रही है। हार्दिक पांड्या की भावनाएं हैं। वो भारतीय खिलाड़ी हैं। वो इस तरह का बर्ताव नहीं चाहेंगे। ऐसा होने से उनके क्रिकेट और उन पर प्रभाव पड़ रहा है। कुछ करने की जरुरत है।

फ्लॉप रहे पांड्या

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 4 ओवर में 43 रन खर्च करके दो विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में भी वो कुछ खास नहीं कर सके और केवल 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मुंबई इंडियंस को सीएसके के हाथों 20 रन की शिकस्त मिली और वो प्वाइंट्स टेबल में आठवें स्थान पर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश के लिए...

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र देश के युवाओं को निराश करता है। कांग्रेस के घोषणा पत्र ने युवा मतदाताओं की आकांक्षाओं को नकार दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के बारे में भी काफी कुछ कहा। पीएम मोदी ने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ लोगों में गुस्सा है और यह गुस्सा सकारात्मक तरीके से भाजपा की तरफ शिफ्ट हो रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि राम मंदिर विपक्ष के लिए राजनीतिक हथियार था, अब राम मंदिर बन गया है तो विपक्ष के हाथ से यह मुद्दा निकल गया है।

तमिलनाडु में डीएमके के नेताओं द्वारा सनातन के खिलाफ लगातार बयान दिए जाने के मसले पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह सवाल कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि सनातन धर्म के खिलाफ इतना जहर उगलने वालों के साथ वे क्यों बैठे हैं? डीएमके का जन्म ही सनातन विरोध में हुआ होगा, लेकिन डीएमके के खिलाफ लोगों में जबरदस्त गुस्सा पैदा हुआ है और वह गुस्सा भाजपा की तरफ सकारात्मक तरीके से डायवर्ट हो रहा है।

केरल में ...

यह संकल्प पत्र भारत के विकास का संकल्प पत्र है। हम केरल के विकास के लिए लगातार काम करते रहेंगे। हमारी कोशिश है कि अगले पांच वर्षों में केरल की विरासत वैश्विक पटल पर चमके। हम सुनिश्चित करेंगे कि केरल में कनेक्टिविटी बेहतर हो, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और एक्सप्रेस वे और हाईवे का निर्माण हो। केरल में हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनों के नेटवर्क को भी बेहतर किया जाएगा।

धार्मिक कट्टरता...

कट्टरपंथियों ने 7 साल की बच्ची तक की टांग तोड़ देने की धमकी दी थी। केरल के त्रिशूर में हिंदू धर्म मानने वाले प्रशांत और उनकी पत्नी प्रिया एक छोटा फूड स्टॉल चलाते थे। दोनों पति पत्नी भगवान श्रीकृष्ण के भक्त हैं। ये लोग प्रतिदिन मंदिर भी जाते थे। लेकिन उनका मंदिर जाना और हिंदू (सनातन) धर्म का पालन करना इस्लामिक कट्टरपंथी मानसिकता वाले मुस्लिमों को अच्छा नहीं लगा। प्रशांत परिवार और बच्चों मुस्लिम अराजक तत्वों द्वारा लगातार परेशान किया जाता रहा। उनका उत्पीड़न किया जाता रहा।पीड़ित परिवार ने कट्टरपंथी इस्लामिक गिरोह पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया। लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि पुलिस में रिपोर्ट करने पर उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं और उनकी छोटी बेटी की भी टांग तोड़ने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने त्रिशूर पुलिस पर आरोप लगाया कि इस मामले में उन्होंने पुलिस में शिकायत कर मदद की गुहार लगाई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट...

राहत नहीं मिली थी, जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को झटका देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी उस याचिका को खारिज करते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था। केजरीवाल ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा था कि बार-बार समन भेजने के बावजूद केजरीवाल के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं होने और जांच में शामिल नहीं होने से जांच एजेंसी के पास कोई खास विकल्प नहीं बचा था।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सीएम की याचिका खारिज करते समय निदेशालय के इस दावे का भी हवाला दिया था कि केजरीवाल अपराध से हुई आय के उपयोग और उसे छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि आम और खास व्यक्ति के खिलाफ जांच अलग-अलग नहीं हो सकती।

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार एवं धनशोधन से संबंधित है। संबंधित नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। धन शोधन रोधी एजेंसी की दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने से उच्च न्यायालय के इनकार के कुछ ही घंटे बाद प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

रक्षा क्षेत्र में ...

दरअसल एचएएल बेंगलुरु में प्रतिवर्ष केवल 16 एलसीए एमके-1ए का ही निर्माण कर सकती है और नासिक का नया कारखाना तेजस के उत्पादन को बढ़ाकर 24 विमानों तक करने में मदद करेगा।उल्लेखनीय है कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 30 नवम्बर 2023 को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 2.23 लाख करोड़ रुपए की राशि के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) के संबंध में अपनी मंजूरी दी थी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन प्रस्तावों में 2.2 लाख करोड़ रुपए (कुल एओएन राशि का 98 फीसद) की राशि घरेलू उद्योगों से जुटाई जाएगी, जिससे भारतीय रक्षा उद्योग को आत्मनिर्भरता के लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काफी बढ़ावा मिलेगा। डीएसी द्वारा एचएएल से भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना के लिए लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और वायुसेना के लिए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके-1ए की खरीद के लिए इंडियन-आईडीडीएम के तहत एओएन प्रदान किया गया था। एचएएल से स्वदेशी तौर पर सुखोई-30 एमकेआई विमान के उन्नयन के लिए भी डीएसी द्वारा एओएन प्रदान किया गया है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इन उपकरणों की खरीद से एक ओर जहां भारतीय वायुसेना को बड़ी मजबूती मिलेगी, वहीं इस अधिग्रहण से घरेलू रक्षा उद्योगों की क्षमता भी नई ऊंचाई पर पहुंचेगी और विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं (ओईएम) पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जाएगी। डीएसी ने स्वदेशीकरण को अधिकतम करने के लिए रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 में एक बड़े संशोधन को भी अपनी मंजूरी देते हुए निर्णय लिया है कि अब खरीद के मामलों की सभी श्रेणियों में न्यूनतम 50 फीसद खरीदारी सामग्री, घटक और सॉफ्टवेयर के रूप में स्वदेशी घटक की ही होगी, जो भारत में ही निर्मित होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार यह देशभर में रक्षा व्यवसाय में लगे छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

नए एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों में 65 फीसद से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। एलसीए मार्क-1ए तेजस विमान का ही उन्नत संस्करण है, जिसमें वायुसेना को आपूर्ति किए जा रहे शुरुआती 40 एलसीए की तुलना में अधिक उन्नत एवियोनिक्स और रडार होंगे। एचएएल द्वारा तैयार किए गए तेजस एमके-1ए की गति 2220 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें लगा एडवांस रडार इसे और भी घातक बनाता है। तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशन के लिए बेहद शक्तिशाली माना जाता है जबकि टोही और जहाज-रोधी अभियान इसके सेकेंडरी रोल हैं। तेजस के पराक्रम को भारतीय वायुसेना द्वारा 2021 में दुबई एयर शो, 2022 में सिंगापुर एयर शो जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में प्रदर्शित किया जा चुका है और 2017 से 2023 तक एयरो इंडिया शो सहित कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भी इस विमान की ताकत को दुनिया के समक्ष दिखाया गया है। यह काफी हल्का और ताकतवर कॉम्बैट विमान है, जिसकी प्रशंसा अमेरिका सहित कुछ अन्य प्रमुख देश भी कर चुके हैं और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया सहित कई देश भारत के इस ताकतवर स्वदेशी लड़ाकू विमान को खरीदने में अपनी दिलचस्पी दिखा चुके हैं। यह हल्का लड़ाकू विमान इलैक्ट्रानिक रडार, बीवीआर (दृश्य सीमा से परे) मिसाइल, इलैक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और हवा से हवा में ईंधन भरने (एएआर) जैसी महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं से लैस है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस विमान को टेकऑफ के लिए ज्यादा बड़े रनवे की जरूरत नहीं होती और यह विमान एक साथ 10 टारगेट को ट्रैक करते हुए उन पर हमला कर सकता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार तेजस अपने साथ 8-9 टन भार ले जा सकता है और सुखोई की तरह ही यह कई तरह के हथियार और मिसाइल भी ले जा सकता है। यही कारण है कि भारत का यह स्वदेशी लड़ाकू विमान न केवल भारतीय वायुसेना के लिए बेहद अहम है बल्कि दुनिया के कई प्रमुख देशों का भरोसा भी इस पर लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते दुनियाभर में इसकी मांग बढ़ रही है।रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने इसी साल एक मार्च को मेक-इन-इंडिया पहल के तहत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में 39125.39 करोड़ रुपए के पांच प्रमुख पूंजी अधिग्रहण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए थे। इन पांच अनुबंधों में से एक मिग-29 विमान के लिए एयरो-इंजन की खरीद के लिए एचएएल के साथ किया गया जबकि दो अन्य अनुबंध क्लोज-इन वेपन सिस्टम (सीआईडब्ल्यूएस) की खरीद तथा हाई-पावर रडार (एचपीआर) की खरीद के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) के साथ किए गए। दो अन्य समझौते ब्रह्मोस मिसाइलों और भारतीय रक्षा बलों के लिए जहाज से संचालित ब्रह्मोस प्रणाली की खरीद के लिए मैसर्स ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुए थे। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ये सौदे रक्षा बलों की स्वदेशी क्षमताओं को तो और ज्यादा सुदृढ बनाएंगे ही, इससे विदेशी मुद्रा की भी बड़ी बचत होगी और भविष्य में विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता भी काफी कम हो जाएगी। पांच प्रमुख पूंजी अधिग्रहण अनुबंधों में से एचएएल के साथ मिग-29 विमानों के लिए आरडी-33 एयरो इंजन के लिए 5249.72 करोड़ रुपए की लागत का अनुबंध किया गया। इन एयरो इंजनों का उत्पादन एचएएल के कोरापुट डिवीजन द्वारा रूसी ओईएम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) लाइसेंस के तहत किया जाएगा। इन एयरो इंजनों से पुराने हो रहे मिग-29 बेड़े की परिचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए भारतीय वायुसेना की जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है।एलएंडटी के साथ सीआईडब्ल्यूएस की खरीद के लिए 7668.82 करोड़ रुपए की लागत से अनुबंध किया गया है, जो देश के चुनिंदा स्थानों पर टर्मिनल एयर डिफेंस प्रदान करेगा। यह परियोजना भारतीय एयरोस्पेस, रक्षा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहित संबंधित उद्योगों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी और इस परियोजना से आगामी पांच वर्षों में प्रतिवर्ष करीब 2400 रोजगार सृजित होंगे। एलएंडटी के साथ हाई पावर रडार की खरीद के लिए भी 5700.13 करोड़ रुपए की लागत से अनुबंध हुआ है। यह उन्नत निगरानी सुविधाओं के साथ आधुनिक सक्रिय एपर्चर चरणबद्ध सरणी आधारित एचपीआर के साथ भारतीय वायुसेना के मौजूदा लंबी दूरी के रडार को बदलेगा और छोटे रडार क्रॉस सेक्शन लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम परिष्कृत सेंसर के एकीकरण के साथ भारतीय वायुसेना की जमीनी वायु रक्षा क्षमताओं में काफी वृद्धि करेगा। इससे स्वदेशी रडार निर्माण प्रौद्योगिकी को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि यह भारत में निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित अपनी तरह का पहला रडार होगा। इस परियोजना से आगामी पांच वर्षों में प्रतिवर्ष करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए किए गए 19518.65 करोड़ रुपए के करार के तहत इन मिसाइलों का उपयोग भारतीय नौसेना की लड़ाकू और प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इस परियोजना से देश के संयुक्त उद्यम इकाई में नौ लाख मानव दिवस और सहायक उद्योगों (एमएसएमई सहित) में लगभग 135 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित होने की आशा है। बीएपीएल के साथ जहाज द्वारा संचालित ब्रह्मोस प्रणाली की खरीद के लिए 988.07 करोड़ रुपए की लागत का एक और अनुबंध भी किया गया है। यह प्रणाली विभिन्न फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर लगाए गए समुद्री हमले के संचालन के लिए भारतीय नौसेना का प्राथमिक हथियार है। यह प्रणाली सुपरसोनिक गति पर पिन प्वाइंट सटीकता के साथ विस्तारित रेंज से भूमि या समुद्री लक्ष्यों पर प्रहार करने में सक्षम है। इस परियोजना से 7-8 वर्षों की अवधि में लगभग 60 हजार श्रम दिवस रोजगार सृजित होने की आशा है। कुल मिलाकर रक्षा मंत्रालय के इन महत्वपूर्ण निर्णयों से न केवल सेना के तीनों अंगों को काफी मजबूती मिलेगी बल्कि भारत के मेक इन इंडिया अभियान को भी तेज गति मिलेगी।

अपहृत जहाज पर...

इस जहाज का नाम एमएससी एरीज है और उसे आखिरी बार शुक्रवार को दुबई से होर्मुज की ओर जाते हुए देखा गया था। बताया गया है कि जहाज ने अपना ट्रैकिंग डाटा बंद किया हुआ था। इज़राइल के जहाजों द्वारा इस क्षेत्र से गुजरते समय अक्सर ट्रैकिंग डाटा बंद कर दिया जाता है।विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्री एच. अमीराब्दोल्लाहियन और इज़राइल के विदेश मंत्री इज़राइल काट्ज से फोन पर बात की थी। रविवार शाम हुई बातचीत में ईरान-इज़राइल संघर्ष की वजह से बने हालात पर चर्चा की गई थी। इस दौरान ईरान द्वारा कब्जे में लिए गए जहाज पर मौजूद 17 भारतीयों की सुरक्षित वापसी पर भी चर्चा बात हुई थी। इसके साथ ही तेहरान से सहायता का अनुरोध किया था।अब एक दिन बाद ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जब्त मालवाहक जहाज से संबंधित विवरणों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चालक दल के साथ भारत सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक जल्द से जल्द कराई जाएगी। सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित ईरान के राजनयिक मिशन पर एक अप्रैल को इज़राइल ने एयर स्ट्राइक की थी। हमले में ईरान के दो शीर्ष कमांडरों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने शनिवार देर रात इज़राइल पर 330 मिसाइलें दागी थीं। इस दौरान ड्रोन हमले भी किए गए थे।

ईरानी विदेश मंत्री ने गाजा में युद्ध रोकने के साथ-साथ फलस्तीनी एन्क्लेव में इज़राइली हमले को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से भारत की निरंतर भूमिका का आह्वान किया। उन्होंने गाजा में एक स्थायी युद्धविराम और भूमध्यसागरीय तटों से लाल सागर तक क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए ईरान की मांग को दोहराया। जयशंकर ने कहा था कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा तनाव कम करना है। उन्होंने रविवार को कहा था कि उन्होंने ईरान और इज़राइल के अपने समकक्षों से बात की और पश्चिम एशिया के दोनों देशों के बीच जारी तनाव को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं।

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत के दौरान एमएससी एरीज विमान पर चालक दल के 17 सदस्यों के फंसे होने का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट कर बताया था कि उन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के विदेश मंत्री एच. अमीराब्दोल्लाहियन से बात की है। एमएससी एरीज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई पर चर्चा की। क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर भी बात हुई। इस दौरान इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश तनाव बढ़ाने से बचें, संयम बरतें और कूटनीति की ओर लौटें।

विदेश मंत्री ने इज़राइल के समकक्ष से भी बात करने के बाद ट्वीट किया था कि इज़राइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज के साथ बातचीत हुई। कल के घटनाक्रम पर बात की और चिंता व्यक्त की। हमने पूरे क्षेत्र के हालात पर विस्तार से बात की। हमारे बीच संपर्क में रहने पर सहमति बनी।

इस बीच, भारतीय दूतावास ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट में कहा था कि क्षेत्र में हाल की घटनाओं के मद्देनजर इज़राइल में सभी भारतीय नागरिकों को शांत रहने और स्थानीय प्राधिकारियों की ओर से जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। दूतावास स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है और वह हमारे सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस्राइली अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से पहले से उपलब्ध एक लिंक के जरिए दूतावास के साथ पंजीकरण कराने को भी कहा है।

न्यायसंगत माना...

ऐसे में उनकी याचिका पर फैसला नहीं लिया जाना चाहिए था।उन्होंने कहा कि न्यायालय इस बात पर ध्यान देने में भी पीछे रही की जनता की राय अलग हो सकती है। इस देश के अधिकतर लोग शायद इस योजना के समर्थन में हो सकते हैं। इसलिए जनहित याचिका कर्ताओं के साथ-साथ लोगों की बात को भी सुना जाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि अदालत का कर्तव्य है कि वे जनता का पक्ष जानें। इसलिए कार्यवाही को प्रतिनिधि कार्यवाही में बदलना चाहिए।उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताया था और सरकार को किसी अन्य विकल्प पर विचार करने को कहा था। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से इस योजना के साथ-साथ आयकर अधिनियम और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में किए गए संशोधनों को भी रद्द कर दिया था। न्यायालय ने कई निर्देश भी जारी किए थे, जिसमें 12 अप्रैल, 2019 से राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त और भुनाए गए चुनावी बॉन्ड के विवरण को सार्वजनिक करना भी शामिल था।

कोर्ट ने केंद्र सरकार की इस दलील को इसको खारिज कर दिया था कि यह योजना पारदर्शी है। न्यायालय ने राय दी थी कि ऐसे चुनावी बॉन्ड काले धन पर अंकुश लगाने वाले उपाय नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की आलोचना करते हुए कहा था कि राजनीतिक पार्टियों को हो रही फंडिंग की जानकारी मिलना बेहद जरूरी है। इलेक्टोरल बॉन्ड सूचना के अधिकार का उल्लंघन हैं।

80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार : योगी आदित्यनाथ

▪ सीएम योगी ने भाजपा के संकल्प पत्र पर की पत्रकार वार्ता

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने कहा ये संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने यूपी में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नया नारा देते हुए कहा कि 80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार। सीएम योगी पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इसकी पहली चार प्रतियां देश के चार सामाजिक स्तंभों का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। ये हैं गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के विजन को मिशन मानकर प्रभावी ढंग से लागू करने के 140 करोड़ जनता की आकांक्षा बन चुकी है। आज देश का जो भी एंबीशन है वह पीएम मोदी का विजन बन चुका है और हमारे लिए वही मिशन है। इस देश को मोदी की गारंटी पर विश्वास है।

सीएम योगी ने कहा कि संकल्प पत्र में मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना सहित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और और उनके दायरे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। संकल्प पत्र में नेशन फर्स्ट के भाव के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल का ये पहला चुनाव है, जिसमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है। देश की अस्मिता, सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी की गारंटी इस संकल्प पत्र का आधार बना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा संकल्प पत्र नये भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत का ब्लू प्रिंट है। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध का की उद्घोषणा के साथ ही अन्त्योदय से सर्वोदय और ग्लोबल लीडर भारत के संकल्प को भी दोहराता है। ये संकल्प पत्र जिन-जिन सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करता है वो मोदी की गारंटी पर आधारित हैं। ये पहला आम चुनाव है जिसके प्रमाण के बारे में आश्वस्ति का भाव पूरे देश में मिल रहा है। लोगों को मोदी जी की गारंटी पर विश्वास है। विकसित भारत की आकांक्षाओं का आधार ये संकल्प पत्र बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि संकल्प पत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने, नेशनल लिटिगेशन पॉलिसी को लागू करने, कमर्शियल और सिविल न्यायिक प्रणालियों में बदलाव, वन नेशन वन इलेक्शन, पीएम सूर्य हर घर मुफ्त बिजली योजना, घरों के पंजीकरण की कीमत को कम करने, तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने, पीएम मुद्रा योजना की क्रैकिंग सीमा को दो-गुना करने, एमएसपी में वृद्धि और पीएम मत्स्य योजना के विस्तार के लिए पार्टी के संकल्प को दोहराया गया है।

महाकुंभ - 2025 : संगम नगरी में पर्यटकों को होटलों में मिलेगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

होटलों के कायाकल्प के लिए सरकार कर रही 907.08 लाख खर्च

प्रयागराज, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए सतत प्रयास कर रही है। ऐसे में योगी सरकार महाकुंभ में 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

इसके लिए योगी सरकार कुंभ क्षेत्र में ही 10 हजार से अधिक की क्षमता वाली टेंट सिटी बना रही है। वहीं पर्यटन विभाग की ओर से होटलों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मालूम हो कि जिला प्रशासन ने महाकुंभ के दौरान 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान जताया था, जिस पर योगी सरकार ने उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये थे।

शहर के सिविल लाइंस स्थित होटल राही इलावर्त में महाकुंभ को देखते हुए कायाकल्प का कार्य चल रहा है। राज्य पर्यटन विकास निगम प्रयागराज के वरिष्ठ प्रबंधक डीपी सिंह ने बताया कि कुल 347.41 लाख की लागत होटलों को कायाकल्प किया जा रहा है, जिसमें सुविधाओं का विस्तार और सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके साथ ही होटलों में फसाड लाइट का भी काम किया जा रहा है। होटल के 20 कमरों का रिन-ोवेशन और बैंक्वेट हॉल का रिन-ोवेशन के अलावा रिसेप्शन एरिया का उच्चीकरण किया जा रहा है। साथ ही होटल में किचन और पार्किंग स्थल के नवीनीकरण और उच्चीकरण कार्य प्रगति पर है। ये सभी कार्य सितंबर तक पूरे कर लिये जाएंगे।

संगम नगरी में यमुना तट पर स्थित होटल राही त्रिवेणी दर्शन पर्यटकों और श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए पहली पसंद है क्योंकि होटल से यमुना नदी का व्यू इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है। ऐसे में यूपी पर्यटन विकास निगम की तरफ से एक नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें 18 कमरे बनाए जा रहे हैं। फसाड का कार्य भी चल रहा है। इसके अलावा कई अन्य कार्य भी किये जा रहे हैं। इसके लिए 560.70 लाख रुपये खर्च किया जा रहा है।

रामनवमी 2024 : श्रद्धालु रात 11 बजे तक कर सकेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीरामलला मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रामनवमी पर रात्रि 11 बजे तक दर्शन हो सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि श्रीराम नवमी महोत्सव के दौरान मंगला आरती के पश्चात ब्रह्म मुहूर्त में अति प्रातः 3:30 बजे से अभिषेक, शृंगार एवं दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे। श्रंगार आरती प्रातः 5:00 बजे होगी, श्री रामलला का दर्शन एवं सभी पूजा-विधि यथावत साथ-साथ चलती रहेंगी। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर अल्प-काल को पर्दा रहेगा। रात्रि 11:00 बजे तक दर्शन का क्रम पूर्ववत चलता रहेगा, तत्पश्चात परिस्थिति अनुसार भोग एवं शयन आरती होगी।

तीर्थ क्षेत्र की ओर से बताया गया कि रामनवमी पर शयन आरती के पश्चात मन्दिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। दर्शनार्थी अपना मोबाइल, जूता, चप्पल, बड़े बैग एवं प्रतिबंधित सामग्री आदि मंदिर से दूर सुरक्षित रखकर आएं। बताया कि दिनांक 16, 17, 18 एवं 19 अप्रैल को सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रंगार आरती पास एवं शयन आरती पास नहीं बनेंगे। सुग्रीव किला के नीचे, बिड़ला धर्मशाला के सामने, श्री रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' द्वारा यात्री सेवा केन्द्र बनाया गया है जिसमें जन-सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में संपन्न होने वाले सभी कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में लगभग 80 से 100 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर दिखाया जाएगा। यह कार्य प्रसार भारती द्वारा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया गया है। इसका सीधा प्रसारण उपलब्ध रहेगा।

यूपी ने परिवारवालों को नकार दिया, अब बिहार भी नकार दे : योगी

▪ बिहार की चुनावी सभाओं में गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

औरंगाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिहार के चुनावी समर में उतर गए। कड़ी धूप में भी अन्य राज्यों की भांति यहां भी उन्हें देखने-सुनने बड़ी संख्या आमजन पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में पहली विजय संकल्प रैली औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र में की। यहां से भाजपा उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह के पक्ष में उन्होंने कमल खिलाने की अपील की। एक तरफ सीएम योगी ने एनडीए गठबंधन के विकास कार्यों को रखा तो दूसरी तरफ कांग्रेस व राजद पर काफी हमलावर रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजद से कोई उम्मीद न कीजिए। यह चुनाव नेशन फर्स्ट व फैमिली फर्स्ट का है। अच्छा हुआ कि एनडीए को बिहार में और सशक्त बनाने में हमें सफलता प्राप्त हुई। बिहार में लालू जी के परिवार के लिए ही सीट कम पड़ रही थी। यह परिवार तक ही सीमित हो गए। परिवार के बाहर सोच है ही नहीं। विकास भी परिवार का, सीट भी परिवार को, योजनाओं का लाभ भी परिवार को ही मिलना है। एक परिवार बिहार और एक परिवार यूपी में है। यूपी की जनता उन्हें जवाब दे चुकी है, अब बिहार के लोगों को जवाब देने के लिए तैयार होना है। जातिवादी ताकतों को नकार दें।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए तो बिहार के अंदर भी उत्साह और उमंग था। बिहारवासियों ने जो उपहार भेजे थे। उसके लिए बिहारवासियों का आभार प्रकट करता हूं। यूपी व बिहार का चोली-दामन का संबंध है। यह अलग होने वाला नहीं है। हम सीताराम बोलते हैं। पहले मां सीता, फिर श्रीराम का नाम लेते हैं। यह दोनों राज्यों के संबंध को जोड़कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अभियान को बढ़ाता है।

सीएम ने कहा कि भाजपा से अधिक आस्था का सम्मान कोई नहीं कर सकता। काशी विश्वनाथ, अयोध्या धाम व मां विंध्यवासिनी दरबार में जाकर कार्य देखिए। नए उप्र व बिहार के लिए मोदी की गारंटी ही उत्थान की गारंटी है। औरंगाबाद के लोग भी विंध्यवासिनी धाम को नए रूप में देख रहे हैं। आज बासंतिक नवरात्रि की सप्तमी तिथि है। महाकाली की पूजा होती है। विंध्यवासिनी धाम में आज लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे हैं। गलियारा इतना चौड़ा बन गया है कि एक-दो लाख नहीं, 10 लाख लोग भी एक साथ आ जाएंगे तो समस्या नहीं होगी। पहले काशी में 10 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर सकते थे, आज पांच-छह लाख श्रद्धालु एक साथ भी भगवान विश्वनाथ के दर्शन कर सकते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में विकसित भारत की बात कही है। विकसित भारत मतलब विकसित बिहार भी है। धारा-370 लगाकर कांग्रेस ने शेष भारत के नागरिकों के कश्मीर जाने को प्रतिबंधित कर दिया था। भारतीय जनसंघ और भाजपा हमेशा नारा लगाती थी कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है। उस सपने को भी पीएम मोदी ने साकार किया है। धारा-370 समाप्त कर कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से जोड़ा गया। काफी हद तक नक्सलवाद समाप्त हो गया, जो बचे-खुचे हैं, पांच वर्ष में उनका भी स्वाहा हो जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि 50 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट खोल दिए गए, जिससे दिल्ली से सरकार कोई पैसा भेजती है तो सीधे अकाउंट में जाए। बीच में कोई दलाल डकैती न डालने पाए। पीएम आवास योजना में चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दिया गया है। हम लालू जी से कहेंगे, आप संख्या बढ़ाइए। मोदी जी फ्री में मकान दे ही रहे हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और आवास देंगे। यूपी व बिहार को इसका सर्वाधिक लाभ भी मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि कोरोना के दौरान बिहार के लोग अन्य राज्यों से निकल रहे थे तो हमने कहा कि यह मां सीता के मायके के लोग हैं, उनसे भेदभाव नहीं होगा। जो सुविधा उप्र वासियों को मिले, वही सुविधा बिहार वालों को भी मिले। यूपी में मिली सुविधा की सभी लोगों ने सराहना की थी।

सीएम योगी ने कहा कि राजद के समय बिहार के सामने पहचान का संकट हो गया था। उन्होंने वही गुंडाराज फिर से लागू करने का प्रयास किया, लेकिन यूपी में गुंडों को लटका दिया जाता है। मिर्च का झोंका अलग से लगा दिया जाता है। वे गले में तख्ती लगाकर चलते हैं कि एक बार जान बख्श दो, अब कोई गलती नहीं होगी। एक तरफ श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनवाया तो दूसरी तरफ बड़े-बड़े माफिया को राम नाम सत्य की यात्रा पर भी भेज दिया। बोलचाल में हम राम-राम और जयश्री राम बोलते हैं, लेकिन देश के खिलाफ साजिश करने वालों का राम नाम सत्य भी करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ के उप्र में कोई दंगा, कर्फ्यू या समस्या नहीं है। यह काम केवल भाजपा व एनडीए ही कर सकेगी। अब तक हम लोग कांग्रेस, राजद के दलदल और गड्ढों को पाटने और कचड़े को साफ करने में समय लगाया।

लालू जी आबादी बढ़ाए, मोदी जी आवास बढ़ा रहे: योगी

नवादा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार के नवादा में विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। यहां से भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर के पक्ष में कमल खिलाने की अपील की। एक तरफ सीएम योगी ने विकास कार्यों के बलबूते एनडीए गठबंधन के लिए वोट की अपील की तो दूसरी तरफ कांग्रेस व राजद को खूब धोया। उन्होंने अंधेरगर्दी युग को याद दिलाकर राजद को घेरा तो महापुरुषों का सम्मान करने वाली भाजपा को संकल्पों को भी याद दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थानीय भाषा में लोगों का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर राष्ट्रीय जनता दल रहा। उन्होंने कहा कि इस बात की गारंटी है कि दिल्ली से पैसा अब सीधे अकाउंट में आता है। विकास कार्यों को गिनाते हुए सीएम योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले 10 वर्ष में चार करोड़ गरीबों को मकान मिले हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और मकान बनाएंगे। ईश्वर लालू जी को स्वस्थ करें, वह आबादी बढ़ाएं और भाजपा आवास बनाने का कार्य करेगी। एक तरफ मोदी जी भारत को डिजिटल युग में ले जा रहे हैं तो दूसरी तरफ राजद व उनके लोग लालटेन युग की तरफ पीछे धकेल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नवादा देश के लोकतंत्र को बचाने वाले स्व. जयप्रकाश बाबू की पावन कर्मभूमि और पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर की पावन धरा है। बिहार ने देश को सब कुछ दिया। संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बाबू, पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बाबू इसी जमीं के हैं। कांग्रेस व उनके सहयोगियों ने कभी जयप्रकाश जी, कर्पूरी ठाकुर को सम्मान नहीं दिया, लेकिन पीएम मोदी व भाजपा ने कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' देकर बिहार वासियों को सम्मान दिया। इसे लोकतंत्र की प्रारंभिक भूमि के रूप में जाना जाता है। यह देश के इतिहास को बनाने व लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने वाली भूमि है। लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट राजनीति का अपराधीकरण, अपराधियों का राजनीतिकरण रहा। जातिवादी-परिवारवादी राजनीति लोकतंत्र में सबसे बड़ी बाधा है।

सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षित माहौल में ही विकास की परिकल्पना को बढ़ा सकते हैं। 2019 के पहले जम्मू-कश्मीर के अंदर शेष भारत का कोई नागरिक जमीन नहीं खरीद सकता था। धारा-370 जम्मू-कश्मीर को शेष भारत से अलग करती थी। पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा-370 समाप्त किया। सीएम ने कहा कि रामलला विराजमान हुए अयोध्या में, उत्साह-उमंग था बिहार में। रामलला मंदिर के लिए सबसे पहला उपहार बिहार से ही आया था। उन्होंने कहा कि नौजवानों को 10 लाख रुपये तक का ब्याज फ्री लोन मिलता था। संकल्प पत्र में कहा गया कि अब यह राशि बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई।

सीएम योगी ने कहा कि राजद को रंगदारी वसूली से फुर्सत नहीं थी, लेकिन भाजपा-एनडीए सरकार में रंगदारी नहीं हो सकती। राजद व सहयोगी दल के लोग तमंचा लहराने वाले लोग हैं, इन्हें टैबलेट से क्या मतलब। भाजपा व सहयोगी दल डिजिटल इंडिया के जरिए आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार बनाने के सारथी के रूप में बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन राजद व सहयोगी दल डिजिटल इंडिया का विरोध करते हैं।

सीएम ने कहा कि यूपी में तिनका भी नहीं हिलता। हमने सिर्फ अयोध्या में ही रामलला को विराजमान नहीं किया है, बल्कि माफिया व अपराधियों को राम-नाम सत्य की यात्रा पर भी भेज दिया। कुछ जेल चले गए, कुछ जहन्नुम चले गए। कुछ लोगों की यात्रा स्वतः ही आगे बढ़ गई है। यह काम केवल भाजपा कर सकती है। यूपी जैसा हाल आप भी बिहार में चाहते हैं तो 19 अप्रैल को कितनी भी गर्मी हो, परवाह नहीं करना। आप कमल खिलाइए और राजनीति का अपराधीकरण करने वालों की गर्मी निकाल दीजिए।

सीएम ने कहा कि 2022 में मैं विधानसभा चुनाव लड़ रहा था तो विवेक ठाकुर छह महीने-साल भर तक उप्र में कैंप किया था। वहां भाजपा कार्यकर्ताओं का सहयोग कर रहे थे। देश के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सक, अटल जी के साथ मिलकर देश में एम्स की श्रृंखला बढ़ाने का खांचा खींचने वाले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सीपी ठाकुर के सुपुत्र विवेक ठाकुर जूझने का जज्बा रखते हैं।

सीपी ठाकुर ने कालाजार की समस्या का निदान निकालकर बिहारवासियों को बीमारी से बचाया था, इसलिए उन्हें पद्म पुरस्कार दिया गया था। उनकी योग्यता व क्षमता पर किसी को संदेह नहीं हो सकता। योग्य पिता के योग्य पुत्र सेवा के लिए आपके पास आए हैं। इस अवसर पर नवादा से भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर, विधायक अरुणा देवी, एमएलसी निवेदिता सिंह, पूर्व मंत्री पूनम शर्मा, पूर्व विधायक अनिल सिंह, कन्हैया आदि मौजूद रहे

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आयोजित 171वां विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कारवां साहु में स्थित श्री सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल में रविवार को सम्पन्न हुआ। मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस 171वें विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना से हुआ। इस शिविर के प्रायोजक अग्रवाल समाज बेगमपेट के सदस्य द्वय सुभाष अग्रवाल एवं विक्रम गुप्ता हैं। अग्रवाल समाज बेगमपेट समाजीगुडा शाखा के वरिष्ठ सदस्य सुभाष अग्रवाल ने श्री अग्रसेन महाराज के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीपक प्रज्वलित किया। मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, सह संयोजक जयप्रकाश अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, रतन गुप्ता, पवन पोद्दार, सुरेश गोयल, घांसीबजार शाखा के कार्यकारणी सदस्य मुकेश केडिया, मंच के सहयोगी मनोज सिंह, श्री सरस्वती शिशु मंदिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष पापुला वेंकेटेश्वर राव,

सह सचिव रावुला केशव राव, प्रबन्धन समिति अध्यक्ष चतला वजरा लिंगम, कोषाध्यक्ष के.नरसो और समिति सदस्य मूले राकेश एवं अन्य समिति सदस्यों ने भाग लेकर सहयोग किया। इस शिविर में किम्स हॉस्पिटल सिकंदराबाद के डाक्टरों ने रक्तचाप, शुगर जांच, सामान्य रोगों के रोगियों, स्त्री संबंधित रोगियों, बाल संबंधित रोगियों, हड्डी संबंधित रोगियों, हृदय रोग संबंधित रोगियों का ईसीजी द्वारा परिक्षण करके सेवा प्रदान की। स्वरुप आई सेंटर एबिड्स एवं बंजारा हिल्स के विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया। और जांच के दौरान चिन्हित 15 मोतियाबिंद रोगियों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन अस्प-ताल में किया जाएगा।

क्राउन डेंटल क्लिनिक अमीरपेट के डॉ कपिल बलदेव ने दांतों संबंधित रोगीयों को अपनी सेवाएं प्रदान की। एसएमएस ईएनटी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ स्मरण सिंह के नेतृत्व में नाक कान गला संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की गई।

वासवी फिजियोथेरेपी और पुनर्वास केंद्र के डॉ रवी के नेतृत्व में फिजियोथैरेपी सेवा प्रदान की गई। डॉ अब्दुल वाहिद ने त्वचा संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की।

किम्स फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर और भवानी ग्रुप की पूरी टीम ने दिल खोलकर नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया। इस विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 375 स्थानीय वासीयों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। श्री सरस्वती शिशु मंदिर की अध्यापिकाओं, छात्रों और कर्मी गणों ने इस शिविर को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा का अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झुला शाखा द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या के उपलक्ष्य में किया जाने वाला अन्नदान महादान कार्यक्रम हमेशा ही की तरह आर नानगरामजी के घर के समक्ष सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया, मानद मंत्री सज्जन अग्रवाल बार्यवाला, कार्यक्रम प्रधान संयोजक अनिल धारसुवाले, श्यामसुंदर सांवरिया, कोषाध्यक्ष दिनेश शराफ, नारायण दास बलौदावाले, कमल किशोर अग्रवाल, शिवभगवान बायवाले, मनोज मितल, महेश गुप्ता, हरिनारायण अग्रवाल, राकेश पचेरिया, मनोज गौशा-लावाले, यश अग्रवाल, दीपक पचेरिया आदि उपस्थित थे।

गौरक्षकों ने 22 गायों को कटने से बचाया

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर हैदराबाद लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं गोरक्षा दल टाइगर फोर्स, ध्यान फाऊंडेशन, हिंदू तख्त, बजरंग दल के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। एक गाड़ी में भरी कुल 22 गायों को रविवार को घटकेसर पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। पकड़ी गई गाड़ी में से घटकेसर पुलिस ने 22 गोवंश को बचाकर गायों को जीवन दान दिया। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़ा गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ

संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गोरक्षादल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह, गौरक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, गौज्ञान फाऊंडेशन के नितेश विजयवर्गीय, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ. इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, जे आर पवन, बीजेपी श्रीकांत, सुमन, भानु, मधु, कार्तिक, लोकेश, छोटा,चंदू, बजेश, गौतम, मिलन, मोहन, केदार सिंह, सतीश सिंह, कोटी मयूरेश, प्रणीत सोनू सिंह विडाला सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा अन्नदान किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा के तहत स्वाति जैन की सुपुत्री धुन जैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित ओरल फार डेप्थ स्कूल के बच्चों को भोजन कराया गया।

लाभार्थी परिवार का शाखा द्वारा शॉल माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, अनीता सुराणा, मोनिका जैन, श्वेता जैन, यश जैन, प्रतीक सुराणा, कनिष्क, लेख, दक्ष, युग, यश का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की जन सेवा संयोजिका कविता माडण ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि में गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में विशेष सब्जी सेवा की गई। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, विजय अग्रवाल, यश अग्रवाल, महेश एवं अन्य भगतजन उपस्थित रहे।

अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा ने किया छांछ व शरबत वितरण

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बाला त्रिपुरा सुंदरी देवी मंदिर परिसर दोमलगुड़ा के पास अत्यधिक गर्मी के चलते राहगीरों में छांछ, शरबत, कैरीका पानी की सेवा की गई। इस सेवा कार्य की प्रमुख संयोजिका रश्मि अग्रवाल ने बताया कि लगभग 800 लोगों ने इसका लाभ उठाया। उप संयोजिकाएं सीमा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल सरला अग्रवाल ने बताया कि गर्मी के चलते प्रतिवर्ष महिला समिति द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्य शाखा के नेतृत्व में संचालित किए जाते हैं। इस सेवा कार्य में सीमा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल ने कैरी का पना बनाने में सहयोग दिया। छांछ बनाकर लाने में सहयोग अर्चना अग्रवाल,अग्र महिला मंच एवं सरला अग्रवाल का रहा। इस अवसर पर सुधा दादू

,रश्मि अग्रवाल द्वारा सभी को मिठाई वितरित की गई। अवसर पर दीप्ति अग्रवाल, मधु गोयल, सीमा गर्ग, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वन्दना अग्रवाल, मोनिका गोयल ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम में सहयोग दिया। मंदिर के प्रधान सेवक श्यामलाल अग्रवाल ने अग्र महिला समिति की संयोजिकाओं को को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जन सेवा संघ के तत्वावधान में चैती छठ पर्व का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे के अनुसार छठ पर्व के चौथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्ध्य दिया गया और प्रसाद ग्रहण किया गया। जन सेवा संघ के अध्यक्ष आरपी सिंह ने हर्ष और उल्लास से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हेमानगर और मलकपेट घाटों के प्रभारियों के सहयोग से बहुत ही सफलतापूर्वक चैती छठ महापर्व का समापन हुआ।

जिसमें हेमानगर क्षेत्र में संजय कुमार भगत की अध्यक्षता में और मलकपेट क्षेत्र में बिपिन पासवान की अध्यक्षता में सफल आयोजन हुआ । साथ ही संघाध्यक्ष आरपी सिंह और

संघ के महासचिव राजीव चौबे ने दोनों घाट प्रभारियों को उनके अथक परिश्रम और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे ने संगठन के सभी अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जो पिछले कुछ दिनों से अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों की व्यवस्था में लगे हुए थे।

सुल्तानशाई में वाल्मिकी बस्ती में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर चारमीनार विधायक मीर जुल्फिकार अली, सफाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष पी. राजेश व अन्य उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी : धनंजयुलु

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बीआर अम्बेडकर की 133वीं जयंती सोमवार को एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में मनाई। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक आर. धनंजयुलु मुख्य अतिथि थे। पी. किशोर बाबू, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सम्मानित अतिथि थे। विभागों के प्रमुख प्रमुखों, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों, एससी और एसटी, ओबीसी संघों और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और डॉ. बीआर अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बोलते हुए आर. धनंजयुलु ने कहा कि डॉ. बीआर अम्बेडकर की विरासत भारतीयों की पीढ़ियों को शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि

जाति, पंथ और धर्म के बावजूद सभी भारतीय डॉ. अंबेडकर की महान विरासत के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा, अपने व्यक्तिगत परिवार और स्वास्थ्य को किनारे रखते हुए, डॉ. अंबेडकर ने अपनी अंतिम सांस तक वंचितों के उत्थान और सभी भारतीयों की समानता के लिए अथक प्रयास किया। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर न केवल एक शिक्षाविद् थे, बल्कि एक अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और महिलाओं और श्रम अधिकारों के समर्थक भी थे। उन्होंने कहा, आइए हम महान आत्मा का सम्मान करें और उनके आदर्शों पर चलें। उनके प्रति हमारी यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी ,सभा को संबोधित करते हुए पी. किशोर बाबू ने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर का जीवन समाज के उत्पीड़ित वर्ग के उत्थान के लिए लचीलेपन, बुद्धि और अटूट समर्पण का एक महान प्रमाण है। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार के रूप में उन्होंने अपने सभी नागरिकों के लिए समानता, न्याय और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने वाले एक न्यायपूर्ण समाज की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा कि हाशिए पर मौजूद वर्गों के अधिकारों के लिए उनकी अथक वकालत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा, इस अवसर पर, आइए हम न केवल उनकी स्मृति का सम्मान करें बल्कि बाबा साहेब के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराएँ।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

उमिया माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान मे उमिया धाम मेडचल में निर्माणाधीन दक्षिण भारत का प्रथम मां उमिया माता के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मे पाटीदार बंधुओ की कुलदेवी मां उमिया माता, श्री लक्ष्मीनारायण भगवान, श्री देवाधिदेव नरमदेश्वर महादेव, गणेश एवं हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई।

आज यहां श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के प्रचार प्रसार संयोजक जसवंत सुराणी ने बताया कि समाज अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी एवं मंत्री हंसराज दडगा के नेतृत्व मे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मे सोमवार 15 अप्रैल को प्रातः 4.30 बजे से प्राण प्रतिष्ठा विधिविधान प्रारंभ हुआ जो दोपहर 1.30 बजे तक जारी रहा। आयोजित कार्यक्रम मे तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. सी.पी. राधाकृष्णन, तेलंगाना विधानसभा स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार, पूर्व मंत्री इटेला राजेन्द्रा, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का की धर्मपत्नी नंदिनी विक्रमार्का आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रतिष्ठा के पश्चात मंदिर का विधिवत उद्घाटन तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा किया गया। अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि श्री उमिया माता मंदिर के शुभ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने का अवसर पाकर आज मेरा हृदय अत्याधिक खुशी और श्रद्धा से भर गया है। उन्होने आगे कहा कि यह स्मारकीय आयोजन न केवल तेलंगाना के आध्यात्मिक परिदृश्य मे एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है बल्कि हमारे लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गहरी आस्था को भी दर्शाता है। इसके पवित्र परिसर के बीच एक चमत्कार सामने आता है एक 36 फीट उंचा श्री राम स्तंभ, जिसे अष्टकोणीय आकार में जटिल रूप से तैयार किया गया है। इसकी दीवारो के भीतर, धर्म के प्रतीक और सनातन धर्म के प्रतीक भगवान श्री राम के नाम पर अंकित हजारों करोड राम मंत्रों की गूंज गुंजती है।

कांतीलाल पटेल ने पधारे सभी का स्वागत करते हुए कहा कि श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान मे श्री उमिया धाम, मेडचल मे दक्षिण भारत मे प्रथम वार पाटीदार बंधुओ की कूलदेवी माँ उमिया माता के विशाल मंदिर के साथ साथ श्री लक्ष्मीनारायण भगवान, श्री देवाधिदेव महादेव की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। आज जब यहां एकत्रित हुए है तो आईए न केवल श्री राम स्तंभ की स्थापत्य भव्यता पर आश्चार्य करें, बल्कि इसके आध्यात्मिक महत्व के बारे मे भी गहराई से जाने।

ऐसा माना जाता है कि प्रदक्षिणा के पवित्र अभ्यास के माध्यम से, श्री राम मंत्र जाप साधना का जाप करते हुए स्तंभ के चारों और चक्कर लगाने से, व्यक्ति सकारात्मक उर्जा और आध्यात्मिक उत्थान के गहन स्तर प्राप्त कर सकता है। सनातन धर्म के सार में निहित यह प्राचीन परंपरा हमें भक्ति और ध्यान की परिवर्तनकारी शक्ति की याद दिलाती है।

मंत्री हंसराज पटेल ने कहा कि मैं उन सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होने इस दिव्य द्रष्टि को साकार करने मे अथक योगदान दिया है। श्री उमिया माता और भगवान श्री राम का आशीर्वाद हम पर बना रहे, हमें धार्मिकता और आध्यात्मिक ज्ञान के मार्ग दर्शन करते रहें।

अवसर पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, इटेला राजेन्द्र, नंदिनी विक्रमार्क, रिद्धीश जागीरदार, एसबी काबरा, आर. के. जैन, मुकेश चौहान आदि ने मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की सभी को बधाई दी।

कार्यक्रम मे मारवाडी शिक्षा समिति के सचीव एसबी काबरा, श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद चेयरमेन जीवराज पटेल, अध्यक्ष पूरूषोत्तम पटेल व मंत्री शंकरलाल पटेल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना संयोजक मुकेश चौहान, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमेन आरके जैन, हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्मण समाज अध्यक्ष तरूण महेता, संयोजक दामोदर पटेल, केशवलाल पटेल, भगवानदास पटेल, जयंत पटेल, दयाराम मेघजी दिवाणी, नारायण हिरजी रवाणी, शामजी करशन जबुवाणी, जयंतीलाल रामजी सुरणी व शिवजी कानजी लींबाणी, करमशी डाह्या पाचाणी व गोविन्द रतनशी सोमजीयाणी, हंसराज नानजीभाई दडगा, रमेश विश्राम राजाणी व पुरूषोत्तम करशन रामाणी, नानालाल राजाराम सोमजीयाणी, पुरूषोत्तम तेजालाल रवाणी, केशवलाल चौधरी, अरविंद चौधरी, शामजी जशा पोकार, अंबालाल पटेल, प्रकाश वोरा, आदि उपस्थित थे।

महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मन्दिर में दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए दिलीप पंसारी, राजगोपाल मालु, सुनीता मालू, स्नेहा मालु पंसारी। अवसर पर उपस्थित परामर्शदाता अरुण डाकोतिया ने सभी का सम्मान किया।

साहित्य सेवा समिति की 110वीं मासिक गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य सेवा समिति' की 110वीं मासिक गोष्ठी रविवार को सम्पन्न हुई । गोष्ठी का आयोजन आयोजन दो सत्रों में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता नीरज कुमार ने की। महामंत्री सुनीता लुल्ला प्रमुख वक्ता थीं। डॉ. सुषमा देवी ने विषय परिचय, विनोद गिरि अनोखा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और डॉ सी कामेश्वरी ने इस का संचालन किया ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ उमा सोनी के सरस्वती वंदना से हुआ। अध्यक्ष नीरज कुमार ने आभासी पटल पर समिति का संक्षेप में पूर्व इतिहास बताया और अपने पिता प्रसिद्ध पत्रकार एवं संपादक मुनीन्द्र को याद करते हुए पूर्व सदस्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. सुषमा देवी ने बड़ी रोचक शैली में विषय-परिचय दिया। श्याम-श्वेत और रंगीन टी.वी. के चलन और क्रिकेट मैचों के सीधा प्रसारण, काव्य-गोष्ठियों के शुरुआती दौर और वर्तमान गोष्ठियों में उनकी परिणति पर अपनी विशेष वाणी में परिचय दिया। प्रमुख वक्ता महामंत्री सुनीता लुल्ला ने आज के समय में कवि, कविता, काव्य-गोष्ठियों पर ज़ोर देते हुए, आज के समय में इसकी आवश्यकता और महत्व को उजागर किया। कविता, मुक्तक, दोहे, गज़ल, चित्र-चिंतन करने में सिद्धहस्त सुनीता ने बताया कि इन्होंने बचपन से ही इस कला का अभ्यास किया, अपने पिता जी और अन्य गणमान्य गुरुओं से सीखा और आज अपने-आप को समाज में प्रतिष्ठित किया है । देश-विदेश में ख्याति प्राप्त ज्योति नारायण ने अपनी आप-बीती बताते हुए काव्य-गोष्ठियों में अपनी रुचि को व्यक्त किया और जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि'की सार्थकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कवि अपनी इस अनोखी प्रतिभा से प्रसिद्धि की बुलंदियों को छू सकता है।

सहज, सरल, सशक्त वाणी में नए उभरते कवि अभिजित पाठक ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए गीतकार, संगीतकार, गायक की भिन्न-भिन्न भूमिकाओं के बारे में बताते हुए प्रस्तुतीकरण के महत्व को व्यक्त किया और कहा कि इसे से कोई मशहूर हो जाता है तो कोई मजबूर हो जाता है। रचना चतुर्वेदी ने रामधारी सिंह दिनकर के जीवन के अंतिम दिनों की व्यथा-कथा को व्यक्त किया और यह बताया कि समय के आगे संवेदनशील कवि भी कभी-कभी विचलित हो जाता है ।द्वितीय सत्र में उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपनी स्वरचित कविताएँ सुनाईं और आभासी पटल को रस से सराबोर कर दिया। रचना चतुर्वेदी, उर्मिला पुरोहित, सुषमा देवी, ज्योति नारायण, उमेश श्रीवास्तव, इन्दु सिंह, अभिजित पाठक, विनोद गिरि अनोखा, दर्शन सिंह, कामेश्वरी, सुनीता लुल्ला, अर्चना पाण्डेय ने भिन्न रीति, शैली से रोचक कृतियाँ प्रस्तुत कीं। प्रकृति, देश-प्रेम, मानव-कामना, बेरोजगार, समय के महत्त्व, दु:ख-दर्द, व्यथा, चुनाव, चुनावी- उम्मीदवार, सहनशीलता, शक्ति, प्राकृतिक सौंदर्य को उजागर करने वाली रचनाएँ प्रस्तुत की गईं जो सहज, सरल होने के साथ-साथ, मार्मिक थीं। अनेक भाव-विचार कवि हृदय को समय-समय पर मथती और प्रभावित करती रहती हैं और वह उन्हें शब्दों में पिरोता रहता है ।

नीरज कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में आज के विषय, कवियों, सदस्यों की सहभागिता की हार्दिक प्रशंसा की और समय-समय पर अपनी प्रतिभा को विकसित करते रहने को कहा।

अंत में विनोद गिरि अनोखा ने डॉ. सी कामेश्वरी के सफल संचालन की प्रशंसा करते हुए अपने अनोखे अंदाज में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सनतनगर में माता के जागरण में केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की पत्नी काव्या रेड्डी का स्वागत करती हुई सपना गुप्ता, रिचा, प्रीति, गोपाल अग्रवाल, विनीत, भाग्यश्री, सुनील व अन्य।

हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पूरी को अपनी पुस्तक पीआर ए टूल फॉर सक्सेस भेंट करते हुए इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशन्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार अग्रवाल।

श्रीराम नवमी शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के होंगे पुख्ता प्रबंध

मस्जिदों और दरगाहों को कपड़ों से ढंका गया

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को श्री राम नवमी शोभा यात्रा के सुचारू संचालन के लिए हैदराबाद पुलिस सुरक्षा के व्यापक प्रबंध कर रही है। शोभायात्रा में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर टास्क फोर्स, रैपिड एक्शन फोर्स, सिटी आर्म्ड रिजर्व, आंसू गैस इकाइयां, घुड़सवार पुलिस और स्थानीय पुलिस सहित लगभग 1,800 कर्मियों की तैनाती की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने श्री राम नवमी शोभा यात्रा समिति के साथ बैठक की और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की।

शोभायात्रा में लगभग एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अतिरिक्त डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) मोहम्मद अश्वाक ने कहा कि जुलूस पर कड़ी नजर रखने के लिए छतों पर पुलिस तैनात रहेगी और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट मुस्तैद रहेगी।

जुलूस की निगरानी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से सर्विलांस और ड्रोन कैमरों की मदद से की जाएगी। सोमवार को पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय जीएचएमसी अधिकारियों के साथ जुलूस मार्ग पर पड़ने वाले धार्मिक स्थानों को कवर किया। वरिष्ठ अधिकारियों के सिद्दीअंबर मस्जिद जंक्शन के पास तैनात रहने की संभावना है। जुलूस सुबह 9 बजे सीतारामबाग मंदिर से शुरू होगा और शाम 7 बजे हनुमान व्यायामशाला कोठी में समाप्त होगा। शोभायात्रा मंगलहाट, धूलपेट, बेगम बाजार, सिद्दिअम्बर बाजार, गौलीगुडा, पुतली बाउली, कोठी से होकर गुजरेगी और हनुमान व्यायामशाला पहुंचेगी। शोभयात्रा के तहत दो जुलूस निकाले जाएंगे। एक जुलूस सीतारामबाग मंदिर से समिति के नेतृत्व में निकाला जाएगा जबकि दूसरा जुलूस भाजपा विधायक टी राजा के नेतृत्व में निकाला जाएगा।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, लिए गए कई फैसले

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद कार्यकारिणी सदस्यों की मासिक बैठक रविवार ऑनलाइन की गई। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र ने बताया कि बैठक में कई विषयों पर चर्चा की गई और कई अहम फ़ैसले लिए गए। समाज द्वारा आयोजित गत होली मिलन की समीक्षा करते हुए आयोजन की सफलता पर सभी सदस्यों ने संतोष प्रकट किया। कोषाध्यक्ष प्रेम शंकर सिंह एवं सह सचिव पंकज कुमार सीए ने होली मिलन समारोह में हुए आय और व्यय का ब्यौरा कार्यकारिणी के समक्ष रखा।

रामनवमी के अवसर पर ब्रह्मर्षि कार्यकारिणी ने एक भव्य पूजा का आयोजन हेतु उत्सुकता जताई और आपसी चर्चा के उपरांत तय किया कि जगतग़ीर गुट्टा स्थित परशुराम मंदिर में बुधवार, 17 अप्रैल को सुबह 10 बजे से राम भगवान की पूजा अर्चना होगी साथ ही आरती और प्रसाद वितरण के साथ अन्नदान या भंडारा का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजन का नेतृत्व समाज के कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कुमार एवं मोहन सिंह करेंगे तथा इसकी तैयारी की ज़िम्मेदारी कॉरोस्पांडेंट रंजीत कुमार शुक्ला और अमर सिंह ने ली। अध्यक्ष ने सभी ब्रह्मर्षियों से आग्रह किया कि वे अपने पूरे परिवार के साथ इस पूजा में भाग लें और भगवान का आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण करें व कार्यक्रम को सफल बनायें।

प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली आगामी अक्षय तृतीया पूजा के आयोजन पर भी बैठक में चर्चा की गई और तय किया गया कि 10 मई को भगवान परशुराम मंदिर, जगतग़ीर गुट्टा में समाज द्वारा इस बार भी पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौधरी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। सदस्यों को आमंत्रित करने हेतु आमंत्रण पत्र बनाने की ज़िम्मेदारी प्रियंका सिंह को तथा टेलीकॉल आमंत्रण की ज़िम्मेदारी महासचिव सुनील सिंह को दी गई।

इसके अतिरिक्त बैठक में समाज के अपने भगवान परशुराम मंदिर की देखरेख, रखरखाव के साथ निर्माण संबंधी विषयों पर भी विचार विमर्श किए गए। निर्माण कार्य की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि मंदिर में दीवार निर्माण, रैंप निर्माण एवं प्रदक्षिणा पथ बनाना सबसे अनिवार्य कार्य है। अतः यह कार्य अगले सप्ताह से शुरू कर दिया जाने का फ़ैसला किया गया।

यह कार्य पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय के नेतृत्व में संपन्न होगा। सर्वविदित है कि इस निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी अतः समाज के सभी बंधुओं से अपील की गई कि अपनी स्वेच्छा और सुविधानुसार जितना संभव हो सके आर्थिक रूप से समाज का सहयोग करें और इस निर्माण के कार्य में अपना हाथ बटायें। अर्थ संग्रह की ज़िम्मेदारी कोषाध्यक्ष एवं सहसचिव को दी गई।

परशुराम मंदिर जगतग़ीर गुट्टा में समाज द्वारा प्रत्येक माह पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का आयोजन किया जाता है जिसके सहयोगी यजमान समाज के सदस्य होते हैं। चैत्र माह पूर्णिमा पूजा का आयोजन 23 अप्रैल को किया जाएगा और इसके यजमान उपाध्यक्ष अनीता राय, कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल राय और गीतू शर्मा होंगी जिनके सहयोग से पूजा संपन्न होगा। सदस्यों से इस पूजा में भी बढ़ चढ़ कर भाग लेने की गुज़ारिश की गई। पूर्व उपाध्यक्ष सुधा राय ने महिलाओं की ओर से आश्वस्त किया कि उपर्युक्त सभी आयोजनों में महिलायें हमेशा की तरह यथासंभव सहभागिता निभायेंगी और कार्यक्रमों को सफल बनायेंगी। डॉ आशा मिश्रा को समाचार संबंधी कार्य सौंपे गये। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

सीएम जगन मोहन पर पथराव मामला

आरोपी का सुराग देने पर मिलेगा दो लाख रुपये का इनाम

विजयवाड़ा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर पथराव करने वाले आरोपियों के बारे में जानकारी देने वालों को पुलिस ने दो लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वीडियो फुटेज, सीसीटीवी फुटेज या फोटो सहित जानकारी प्रदान करने वालों को दो लाख रुपये का इनाम दिया जायेगा। बयान में कहा गया है कि गवाह सीधे जानकारी देने के लिए डीसीपी, एनआरटी पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास राव या एडीसीपी टास्क फोर्स आर श्रीहरिबाबू से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने जानकारी देने वालों का विवरण गुप्त रखने का भी वादा किया है। गौरतलब है कि श्री रेड्डी शनिवार रात सिंह नगर में एक रोड शो को संबोधित कर रहे थे तो अज्ञात बदमाशों ने उन पर पथराव कर दिया, जिसमें उनके माथे पर चोट लग गयी।

तेलंगाना में अगले दो दिन लू चलने के आसार

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपलपल्ली, मुलुगु, खम्मम, नलगोंडा, भद्राद्रि कोठागुडेम, सूर्यापेट और महबूबाबाद जिलों के अलग-अलग क्षेत्रों में 17 अप्रैल को लू के प्रकोप के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। दैनिक मौसम रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के मंचेरियल, निर्मल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपलपल्ली, मुलुगु, खम्मम, नलगोंडा, वारंगल, हनमकोंडा, नागरकुर्नूल, भद्राद्रि कोठागुडेम, सूर्यापेट और महबूबा बाद में 18 अप्रैल को भी वही स्थिति का अनुमान है। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है।तेलंगाना के महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में 19 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक और बिजली कड़कने के साथ बारिश होने के आसार हैं।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ को 21 पूर्व न्यायाधीशों ने लिखी चिट्ठी

न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिशों पर जताई चिंता

नई दिल्ली 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के लगभग 21 पूर्व न्यायाधीशों ने न्यायपालिका पर दबाव बनाने और उसे कमजोर करने के लिए किए जा रहे कथित प्रयासों से भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को एक पत्र के जरिए अपनी चिंताओं से अवगत कराया है।

पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली न्यायपालिका से ऐसे दबावों के खिलाफ मजबूत होने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि हमारी कानूनी प्रणाली की पवित्रता और स्वायत्तता संरक्षित रहे।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को भेजी गई चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों में शीर्ष अदालत के चार पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक वर्मा, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एम आर शाह शामिल हैं। इनके अलावा हस्ताक्षर करने वालों में बाकी 17 विभिन्न उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश हैं।

पूर्व न्यायाधीशों ने अपने पत्र में कहा, हम विशेष रूप से गलत सूचना की रणनीति और न्यायपालिका के खिलाफ जनता की भावनाओं को भड़काने के प्रयासों से चिंतित हैं। यह कोशिश न केवल अनैतिक हैं, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के लिए नुकसानदायक भी हैं।

पत्र के जरिए पूर्व न्यायाधीशों ने न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि ये तत्व (न्यायपालिका पर कथित दबाव बनाने और कमजोर करने का प्रयास करने वाले) संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित होकर हमारी न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके इस मामले में काम करने के तरीके कहीं अधिक कपटपूर्ण हैं।

उन्होंने उन तरीकों से स्पष्ट रूप से दोष-रोपण करके न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया। पत्र में कहा गया है कि इस तरह की कोशिश न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अपमान करती हैं, बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों के लिए सीधी चुनौती भी हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि किसी के विचारों से मेल खाने वाले न्यायिक निर्णयों की चुनिंदा रूप से प्रशंसा करने और जो विचारों से मेल नहीं खाते उनकी तीखी आलोचना करने की परंपरा, न्यायिक समीक्षा और कानून के शासन के सार को कमजोर करती हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की मोदी सहित सभी भाजपा नेताओं की शिकायत

देहरादून, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को देहरादून में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से देश के निर्वाचन आयुक्त को संबोधित एक शिकायती पत्र भेजा है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के सभी नेताओं पर आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने संयुक्त निर्वाचन अधिकारी नमामि बंसल को सौंपी इस लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि भाजपा नेताओं एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट एवं अन्य भाजपा नेताओं तथा पांचों लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों द्वारा आदर्श चुनाव आचार संहिता का खुला उलंघन किया जा रहा है। उन्होंने आयोग को साक्ष्य के तौर पर भाजपा के आधिकारिक पेज पर जारी की गई सोशल मीडिया पोस्टों को सौंपते हुए आरोप लगाया है कि इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेना की वर्दी पहने तस्वीर के साथ मन्दिरों की तस्वीर लगे पोस्टर प्रचारित किये जा रहे हैं। दावा किया गया है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का भी मन्दिर की तस्वीरों के साथ प्रचार किया जा रहा है, जो आदर्श चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने यह भी शिकायत की है कि राज्य में भाजपा के सभी पांचों प्रत्याशियों द्वारा अपने पोस्टरों एवं सोशल मीडिया पोस्टों में धर्म विशेष के मन्दिरों एवं स्लोगनों का उपयोग कर मतदाताओं की धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है। कांग्रेस ने आयोग से कहा कि कांग्रेस के पौड़ी गढ़वाल क्षेत्र के प्रत्याशी द्वारा अपने प्रचार पम्प-लेट में अपने आराध्य श्री बद्रीनाथ जी का संकेतिक प्रयोग पर आपत्ति दर्ज करते हुए इसे पम्पलेट से हटाये जाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन एवं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस प्रकार का दोहरा मापदण्ड अपनाया जाना पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। प्रतिनिधि मंडल में सोशल मीडिया के संयोजक विशाल मौर्य, सोशल मीडिया अध्यक्ष विकास नेगी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसौनी, वार रूम चेयरमैन गोपाल गडिया, प्रिया जायसवाल शामिल थे।

मनोज तिग्गा के समर्थन में मिथुन चक्रवर्ती ने किया रोड शो

अलिपुद्वार, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को है। इससे पहले सभी पार्टियां जोरशोर से प्रचार में जुट गई है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता और फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार मनोज तिग्गा के समर्थन में एक रोड शो किया।

मिथुन चक्रवर्ती का यह रोड शो डीआरएम चौपथी से शुरू हुई। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ देखी गई। इस दौरान मिथुन ने हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर सभी का अभिनंदन करते नजर आए।

तृणमूल के पापों का घड़ा अब भर चुका है : अनुराग ठाकुर

दार्जिलिंग, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को भ्रष्टाचार के लिए पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि तृणमूल के पापों का घड़ा अब भर चुका है। श्री ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी के दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार राजू बिष्ट के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए यह बात कही। उन्होंने तृणमूल सरकार के तहत व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर किया। उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाला, गौ तस्करी घोटाला, पीडीएस राशन घोटाला और हर घर जल घोटाला का जिक्र करते हुए कहा कि तृणमूल के पापों का पिटारा भर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, चाय और सिनकोना बागान श्रमिकों के लिए उचित विकल्प और लाभ की गारंटी देने वाले चार नए श्रम कानून पारित किए गए हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी तक उन कानूनों को संबंधित क्षेत्रों में लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सुश्री ममता बनर्जी नीत सरकार ने चाय और सिनकोना बागानों के श्रमिकों को उनके शेयर पट्टे के अधिकार से वंचित रखा है और राज्य में न्यूनतम मजदूरी कानून लागू करने से भी इनकार कर रही है।

इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्थानीय आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख नागरिकों ने बैठकों और बातचीत में भाग लिया। उन्होंने गठबंधन पार्टी के नेताओं, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ गोरुबथान तथा मिलन मोर के प्रमुख नागरिकों की उपस्थिति में 2024 चुनाव अभियान बैठक में भाग लिया।श्री ठाकुर ने अपने संबोधन की शुरुआत

महान स्वतंत्रता सेनानियों हेलेन लेप्चाजी, दल बहादुर गिरिसजी और भगवान बिरसा मुंडाजी और महान राजवंशीय आदर्श वीर चिल्लारायजी को सम्मान देकर की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में विशेष रूप से सीमा पार व्यापार, कृषि और पर्यटन में जबरदस्त आर्थिक संभावनाएं हैं। श्री ठाकुर ने दार्जिलिंग हिल्स, तराई और डोवार्स क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई और स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बात की, जिसमें भारत में नेपाली भाषा कार्यक्रमों के लिए आकाशवाणी खरसांग को उत्पादन केंद्र के रूप में अपग्रेड करना, कालेबंग और गंगटोक के लिए एनएच-717ए, जल योजना, दार्जिलिंग, कालेबुंग, मिरिक, सिलीगुड़ी नगर पालिकाओं के लिए अमृत योजना, सेवोक-रंगपु रेल लाइन, बागडुगरा हवाई अड्डा, बालासन-सेवोक एलिवेटेड हाईवे कॉरिडोर, कोरोनेशन ब्रिज के लिए वैकल्पिक पुल, सिलीगुड़ी से गोरखपुर एक्सप्रेसवे, एकलव्य आदर्श आवासीय की स्थापना कालेबुंग में स्कूल, सिलीगुड़ी में चाय और सिनकोना बागान श्रमिकों के लिए ईएसआईसी अस्पताल और ऐसी अन्य परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने गोरखाओं और दार्जिलिंग हिल्स, तराई और डुवार्स के लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा,यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गोरखा लोगों से किया गया वादा है और सरकार इस वादे को पूरा करेगी। निश्चित रहें, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गोरखाओं को निश्चित रूप से न्याय मिलेगा। श्री ठाकुर ने लोगों से प्रधानमंत्री मोदी को रिकॉर्ड मतों से जीत दिलाकर उनके हाथ मजबूत करने की अपील की।

उत्तराखंड को मोदी ने हमेशा मुख्य धारा में रखा है : नड्डा

मसूरी/देहरादून, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा देश की मुख्य धारा में रखा है। श्री मोदी ने देश के अंतिम गांव को देश पहला गांव बनाया है। श्री नड्डा ने उत्तराखंड के देहरादून जनपद अंतर्गत, मसूरी में विजय संकल्प रैली में प्रतिभाग करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भगवान केदारनाथ एवं राज्य निर्माण में शहीद आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि हम सभी इस लोकसभा से माला राज्य लक्ष्मी को जिताने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले राजनीति उदासीनता से भरी हुई थी। आम इंसान भी बोला करता था से कुछ नहीं बदलेगा, जैसा चल रहा है वैसा चलेगा, यहां कुछ बदलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि बीते 10 सालों में प्रधानमंत्री जी ने राजनीति की परिभाषा, संस्कृति, चाल ढाल, तौर तरीका बदला है। इसके साथ प्रधानमंत्री जी ने राजनीति की दृष्टि से संकल्प की परिभाषा बदल है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सैनिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए वन रैंक वन पेंशन लागू किया गया है। देश में एक लाख करोड़ रुपए ओ.आर.ओ.पी पर खर्च हुआ है। श्री नड्डा ने कहा कि उत्तराखंड में 3500 रूपए ओ.आर.ओ.पी के माध्यम से 1 लाख 26 हज़ार सैनिकों को दिया गया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पहाड़ो के बॉर्डर एरिया में बीते 10 सालों में डबल लेन रोड, ऑल वेदर रोड, डबल लेन पुल का कुल 13525 कि.मी का निर्माण हुआ है और उत्तराखंड के 22 में 947 किलोमीटर की सड़क बनाई गई है। बॉर्डर में सड़कों के निर्माण से विकास को आगे बढ़ाया जा रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज के अंतर्गत, इन गावों का विकास हो रहा है। जिसमें 51 गांव वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल किए गए हैं। साथ इनके विकास हेतु 758 करोड़ रूपए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि चार धाम सड़क का निर्माण कार्य हुआ है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल लाइन पहुंचाई जा रही है। केदारनाथ का पुनर्निमाण का कार्य हुआ है। मसूरी में पर्यटन के कई विकास कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सिविल कोड में नंबर वन रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने राज्य में आयुष्मान योजना के साथ अटल आयुष्मान को जोड़कर 52 लाख कार्ड बनाए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देहरादून में एयरपोर्ट का नया टर्मिनल का कार्य हुआ है। स्मार्ट सिटी में देहरादून को गया है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि को अगले पांच वर्षों के लिए आगे बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चार करोड़ पक्के घर गरीबों को दिए गए हैं। और अभी संकल्प में तीन करोड़ और घरों को बनाने की व्यवस्था की गई है। आज हर पंचायत में तीन करोड़ से ज्यादा पैसा विकास योजनाओं में लिए आ रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा, एनडीए का एक संकल्प पत्र है। परंतु गठबंधन होने के बावजूद विपक्ष में हर पार्टी अलग-अलग संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा कि गठबंधन होने के बावजूद आपस में मिलने का संकल्प नहीं है। विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचारियों का गठबंधन है। मोदी जी ने संकल्प लिया है कि चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर और तेज कार्रवाई होगी और विपक्ष का गठबन्धन भ्रष्टाचारियों को बचाने की करता है। उनका जनता से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का एजेंडा केवल बस अपने परिवार से है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में बोफोर्स, अगस्ता वेस्टलैंड, पनडुब्बी, कोयला, 2जी सहित कई घोटाले किए। अखिलेश ने लैपटॉप तो लालू ने चारा घोटाला किया। इन घोटालों में घोटाले और परिवार की पार्टियां है। उन्होंने सभी से माला राज्यलक्ष्मी को विजयी बनाकर, मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने में अपना योगदान देना का आग्रह किया।

कृष्ण ईदगाह विवाद में सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त से करेगा सुनवाई

हाईकोर्ट के सर्वेक्षण संबंधी आदेश पर रोक जारी फोटो

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे विवादित शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण कराने के इलाहाबाद उच्च के आदेश पर रोक जारी रखते हुए सोमवार को कहा कि वह इस मामले में वह पांच अगस्त से सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि इस मामले पर वह अगस्त में विचार करेगी और तब तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 14 2023 के आदेश पर रोक बरकरार रहेगी।

शीर्ष अदालत ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर कार्रवाई करते हुए बीती 16 जनवरी को उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। पीठ ने कहा, अंतरिम आदेश (सर्वेक्षण पर रोक) जारी रहेंगे। इसके साथ ही हम स्पष्ट करते हैं कि उच्च न्यायालय के समक्ष अन्य कार्यवाही पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत ने तब यह भी स्पष्ट किया था कि मामले में उच्च न्यायालय के समक्ष अन्य कार्यवाही जारी रहेगी। उच्च न्यायालय ने मौजूदा मामले में 14 दिसंबर 2023 को अदालत की निगरानी में एडवोकेट कमिश्नर की तीन टीम द्वारा उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। उच्च न्यायालय ने सर्वेक्षण करने के लिए एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का भी निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत पहले से ही अधिकार क्षेत्र के हस्तांतरण संबंधित मामले पर अलग से विचार कर रही है। उच्च न्यायालय ने 26 मई 2023 को कृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह भूमि विवाद से संबंधित लगभग 18 मुकदमों को मथुरा की सिविल अदालतों से स्थानांतरित करके स्वयं सुनवाई करने का निर्णय लिया था। हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ताओं ने पूरी 13.37 एकड़ पर स्वामित्व का दावा किया, जिस पर पहले से इमारत स्थित हैं। उन्होंने शाही ईदगाह मस्जिद समिति और श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के बीच 1968 के समझौते को भी चुनौती दी है, जिसने मस्जिद को उस भूमि का उपयोग करने की अनुमति दी थी।

मुंबई अपराध शाखा ने नवी मुंबई से दो संदिग्ध को हिरासत में लिया

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के आवास के बाहर कई राउंड फायरिंग के 24 घंटे के भीतर मुंबई अपराध शाखा ने नवी मुंबई से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस अपराध शाखा के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

स्थानीय बांद्रा पुलिस प्रारंभिक जांच के बाद मामले की जांच अभी अपराध शाखा द्वारा की जा रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह पांच बजे दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने बांद्रा स्थित सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पांच राउंड फायरिंग की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद दो को पहचान लिया है। अपराध शाखा के सूत्रों के अनुसार शूटरों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बाद में माउंट मैरी चर्च के पास खड़ी मिली, जो सलमान के आवास के करीब है। गौरतलब है कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अनमोल बिश्नोई ने कल शाम हमले की जिम्मेदारी ली। एक फेसबुक पोस्ट में उसने कहा कि फायरिंग तो सिर्फ ट्रेलर थी और अगर सलमान ने बिश्नोई समुदाय से माफी नहीं मांगी तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

Daily शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Army No.15213901F L/Hav THAKOR VINAJI DEVKARANJI, R/o.Vill and Po:Undhai, TK:Vadnagar, Dist:Mahesana, Gujarat-384335 hereby declare that my Daughter name is to be changed from **PRAVINABEN** to **THAKOR PRAVINABEN VINAJI** vide affidavit dt:15-4-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SOLANKI SAVITABEN BHIKHAJI Spouse of No.15213901F L/Hav THAKOR VINAJI DEVKARANJI, R/o.Vill and Po:Undhai, Tk:Vadnagar, Dist:Mahesana, Gujarat-384335 have changed my name from **SOLANKI SAVITABEN BHIKHAJI** to **THAKOR SAVITABEN VINAJI** vide affidavit dt:15-4-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.JC733249Y Sub Kondababu Medasetti of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my mother name and DOB is changed from **MEDISETTY ACHIYYAMMA**, DOB:**10-01-1959** to **MEDASETTI ACHIYYAMMA**, DOB:**01-01-1948**, Daughter name is changed from **POORNIMA** to **MEDASETTI POORNIMA** and another daughter name is changed from **SPANDANA MEDASETTI** to **MEDASETTI SPANDANA**.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Nagamani Kondababu Medasetti spouse of Army No.JC733249Y Sub KondababuMedasetti, R/o.H.No.6-43, Vill and Po:Thadi Colony, Teh:Parawada, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh have changed my name and DOB from **NAGAMANI KONDABABU MEDASETTI**, DOB:**15-11-1984** to **MEDASETTI NAGAMANI**, DOB:**10-7-1987** vide affidavit dt:15-4-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.6950429Y Hav Pramod Kumar Tiwari of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name is to be changed from **KUMARI PRAGATI TIWARI** to **PRAGATI TIWARI**.

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 734109Y Sub H/LT John Chandra Boro of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my mother name is to be changed from BHUGESWARI BURO to BHOGESWARI BORO.

CHANGE OF NAME
I, Service No- 15822142L, Rank-HAV, Name - Naresh, residing at Vill & PO - Jauli, Tehsil- Gohana, Dist- Sonipat, Haryana, PIN-131301 I have to change my Mother Name from - **ROSHNI DEVI** to **ROSHANI** for all purpose vide affidavit dated: 12/04/2024.

CHANGE OF NAME
I, Bidyarani Devi spouse of Army No.6940535X Hav/SHGD LoitongbamIbomcha Singh, R/o.Near Lai Haraopham Malom Makha, MalomTulihal Awang Laikai, MalomTulihal, Imphal West, Manipur have changed my name from **BIDYARANI DEVI** to **LOITONGBAM BIDYARANI DEVI** vide affidavit dt:15-4-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.6940803W HavM.Venkatesan of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name is to be changed from **DIVEYA.V** to **DIVYA.V**

CHANGE OF NAME
I, P SANDHYA RANI is legally wedded Spouse of service No -15677208M, Rank-L/Hav, Name-CH Madhusudhana Rao presently residing at Vill-Tutikuntla, PO-Tootikuntla, Sub Distt- Bonakallu, Distt-Khammam, PIN-507208, State-Telangana, have changed my name from P SANDHYA RANI to CH SANDHYA RANI add in my husband service documents Before Notary C.V.N Rama Krishna Secunderabad, dated 15/04/2024. In future, I will be known by .CH SANDHYA RANI.

CHANGE OF NAME
I, RASMITA NAYAK is legally wedded Spouse of service No -JC-765773A Rank-Sub, Name- Gadadhar Bhuyan presently residing at Vill-Bhaliadihi, PO-Bhaliadihi, Teh-,Nayagarh, Distt-Nayagarh, PIN-752092 State- Odisha, have changed my name from RASMITA NAYAK to RASMITA BHUYAN add in my husband service documents Before Notary Dinesh Paldiya, Kota dated 15/04/2024.In future, I will be known by .RASMITA BHUYAN.

CHANGE OF NAME
I, SHANTI is legally wedded Spouse of service No JC-763659K, Rank-Sub, Name- Shatrughan Yadav presently residing at Vill-Maharana, PO-Dharhara, Distt-Munger, PIN-811212 State-Bihar have changed my name from SHANTI to SHANTI DEVI add in my husband service documents Before Notary R K Singh, Munger dated 15/04/2024.In future, I will be known by .SHANTI DEVI.

CHANGE OF NAME & DOB
I,VINNITA SINGH is legally Wedded Wife of Service No. 14648894M, Rank: HAV, Name: JITENDER SINGH, Unit: 3 TRG BN, 1EME CENTER, SECUNDERABAD, residing at Vill: RANBIRPUR, PO: SARWA, Teh: MAU, Dist: MAU, State: UTTAR PRADESH, Pin:275101, I have changed my name from **VINNITA SINGH** to **BINITA SINGH** and changed my, DOB: From: **10/04/1985**, to **02/07/1984** affidavit Signed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I,RETA DEVI is legally dependent Mother of Service No. 14648894M, Rank: HAV, Name: JITENDER SINGH, Unit: 3 TRG BN, 1EME CENTER, SECUNDERABAD, residing at Vill: RANBIRPUR, PO: SARWA, Teh: MAU, Dist: MAU, State: UTTAR PRADESH, Pin:275101, I have changed my name from : **RETA DEVI** to **REETA SINGH** and Changed My DOB from **01-07-1964** to **26-10-1964**, affidavit Signed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I, BOIRI SONI is legally Wedded Wife of Service No: JC776004 W, Rank: SUB, Name:BOIRI GOPAL KRISHNA, Unit: B coy FEL MCEME Secunderabad residing Vill:BAXIPALLI, PO:BAXIPALLI Teh:BERHAMPUR, Dist:GANJAM, State:ODISHA, Pin:761002, I have changed my name from: **BOIRI SONI** to **BOIRI SONY** and changed my DOB from:**25/09/1987**, to:**29/09/1990**, affidavit Signed By advocate and Notary G.Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME
I, Bhupathi Swaroopa Rani W/o BHUPATHI NARASIMHA RAO (633691-G EX.Sgt Radio/FIT, R/o:7-84/93, MARUTHI NAGAR, DAMMAIGUDA, KEESARA (M), MEDCHAL MALKAJGIRI (Dist), T.S -83.Have changed my Name from **SWAROOPA RANI** (existing Name of spouse as per Service Records/PPO/Pension Certificate) to **BHUPATHI SWAROOPA RANI**. both Names **SWAROOPA RANI** and **BHUPATHI SWAROOPA RANI** Pertain to one and the same person. **BHUPATHI SWAROOPA RANI** (New name).

CHANGE OF NAME
I. RAMVATI is legally Wife of Service No. JC-774330A, Rank SUB/CLK(SD), Name: JITENDRA SINGH, Unit: HQ 1EME CENTER, SECUNDERABAD, residing at Vill: Shankar Garhi, PO: Ahmadpur, Teh: MANT, Dist: MATHURA, State UTTAR PRADESH, Pin: 281201, Changed my name from **RAMVATI** to **RAMWATI DEVI**, affidavit Signed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME
I,VENKATA LAKSHMI is legally Wedded Wife of Service No. JC. 211664X, Rank: EX-SUB, Name: MANDA VENKATA NARAYANA REDDY, residing at H.NO. 1-21-202, ROAD NO. 9, Venkateshwara Nagar Colony, West Venkatapuram, PO:TRIMULGHERRY, SECUNDERABAD State: TELANGANA, Pin:500015, I have changed my name from **VENKATA LAKSHMI** to **M VENKATA LAXMI**, affidavit Signed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

कांग्रेस सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात किया : किशन रेड्डी

प्रदेश भाजपा कार्यालय में रायथु दीक्षा का आयोजन

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में रायथु दीक्षा का आयोजन किया और किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी निंदा की।

श्री रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए पिछले शासन के तहत किसानों के साथ हुए अन्याय पर प्रकाश डाला और वर्तमान कांग्रेस प्रशासन पर कृषि संबंधी चिंताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने ठोस परिणाम दिए बिना किसानों को खोखला आश्वासन देने के लिए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे और रेवंत रेड्डी सहित कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की।

उन्होंने किसानों के समर्थन के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कृषि कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की वकालत जारी रखने का वादा किया। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से कांग्रेस पार्टी को उसके अधूरे वादों के लिए जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया और कृषक समुदाय के साथ भाजपा की एकजुटता दोहराई। इसके अलावा श्री रेड्डी ने कृषि के उत्थान के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना की, जिसमें सब्सिडी का प्रावधान, बुनियादी ढांचे का विकास और उर्वरक कालाबाजारी को रोकने के उपाय शामिल हैं। उन्होंने भाजपा के सक्रिय दृष्टिकोण की तुलना किसानों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में कांग्रेस पार्टी की विफलता के रूप में की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के विरोध अभियान का उद्देश्य अधूरे वादों, विशेषकर कृषि सुधारों के माध्यम से लोगों को कांग्रेस सरकार की कथित निराशा के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। उन्होंने किसानों की मांगें पूरी होने तक उनका समर्थन जारी रखने की पार्टी की प्रतिबद्धता जताई।

तेलंगाना प्रवासी मंच के तत्वावधान में वसंतोत्सव में दिल्ली से पधारे सांसद मनोज तिवारी, पार्षद तोकला श्रीनिवास, तेलंगाना जाट एकता मंच अध्यक्ष धर्माराम ढाका, माली सैनी समाज मंत्री राधा किशन परिहार, बालाजी पालालाल पिंटुभाई कचछाहा, कुमावत समाज एकता मंच अध्यक्ष सोनाराम तिलाईचा, गौरक्षक गजुभाई कोलरीया, ताराचंद जांगीड़, चुन्नीलाल जाट, घेवरचंद माली, ताराचंद जांगीड़, मनाराम प्रजापत, रावल जांगीड़ आदि।

गोशामहल विधायक राजा सिंह को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए मां बनभोरी परिवार भाग्यनगर केसुशील मित्तल एवं सज्जन गुप्ता।

भाग्यनगर राम नवमी उत्सव समिति की शोभा यात्रा कल

हैदराबाद, 15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर रामनवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव एवं महामंत्री गोविंद नारायण राठी ने सोमवार को बाहेती भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीरामनवमी शोभा यात्रा सीतारामबाग मंदिर से बुधवार को दोपहर 1.00 बजे से प्रारंभ होकर आंध्रा बैंक कोठी जाएगी।

सभी भक्तों से ज्यादा से ज्यादा भाग लेने का आग्रह करते हुए मंत्री गोविंद राठी ने कहा कि सन् 2010 से श्रीराम नवमी की भव्य शोभा यात्रा निरंतर निकाली जा रही है और इसमें अलग-अलग संत, महात्मा लोग भाग लेते हैं। इस वर्ष स्वामी श्री चैतन्या आनन्दा महाराज शोभायात्रा में भाग लेंगे। श्री चैतन्या महाराज का प्रवचन बेगम बाजार छत्री तथा कोठी स्थित आंध्रा बैंक के पास होगा।

संवाददाता सम्मेलन में मंत्री गोविंद राठी ने पुलिस प्रशासन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस विभाग की ओर से बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है ताकि किसी भक्त को कठिनाई न हो। इस अवसर पर समिति के सदस्य करोडीमल नरसिंगपुरिया, एम. वैकुंठम, बाबू गुरु, डॉ. मोहन गुप्ता, महेंद्र व्यास, नारायण सारडा, नटराज नामधारी, नंदगोपाल भट्टड आदि उपस्थित थे।

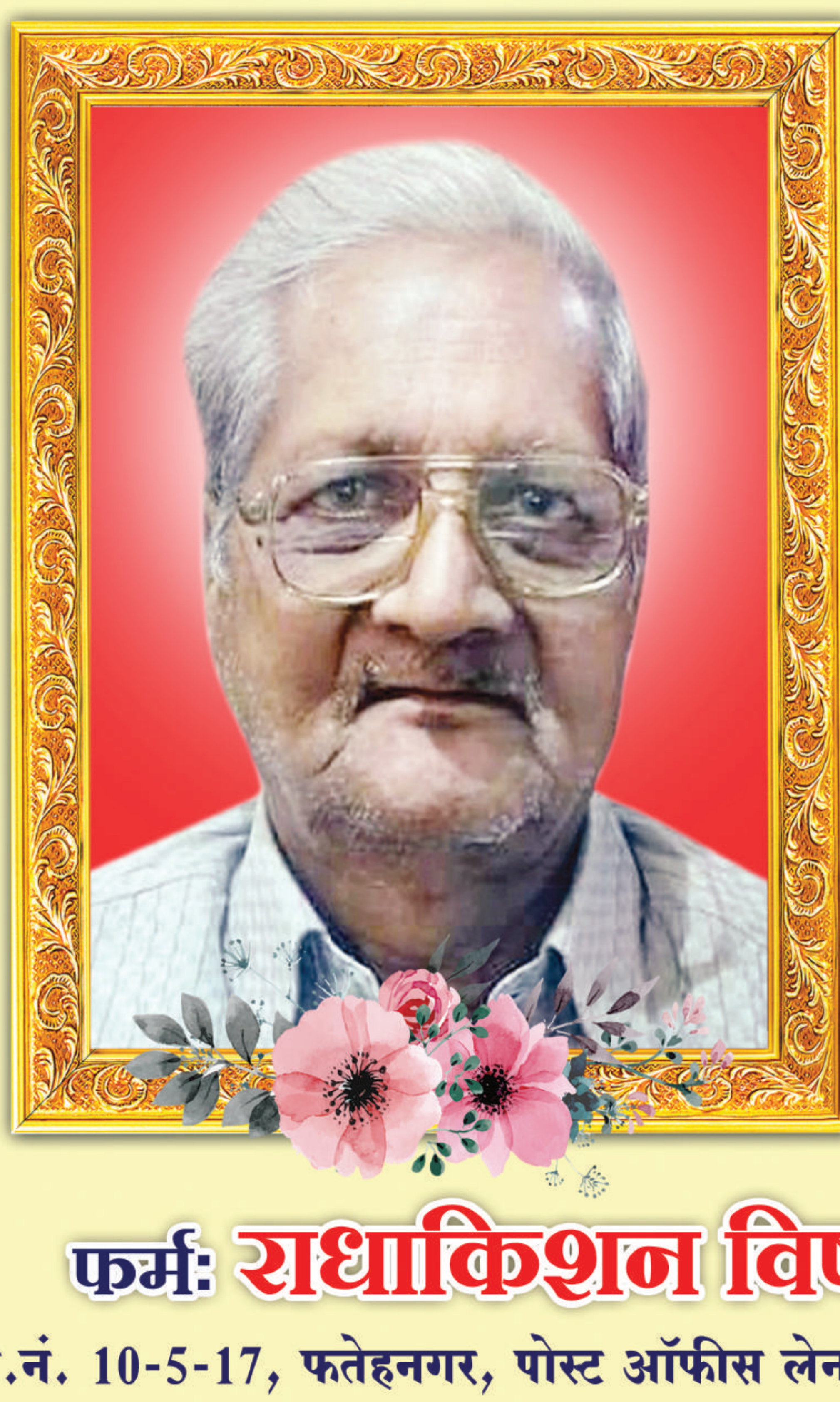

पगड़ी

विष्णुदयाल जी अग्रवाल

सुपुत्र : स्व. श्री राधाकिशनजी अग्रवाल

स्वर्गवास : शुक्रवार, दि. 05-04-2024

पगड़ी

आज मंगलवार, दि.16 अप्रैल 2024 को

सायं 5.00 बजे

हमारे निवास स्थान पर रहेगी...

शोकाकुल : सुरेश कुमार, गोपाल, रमेश, नन्दलाल (भाई), अनिल (पुत्र), नरेश कुमार, बजरंगलाल, रविन्द्र कुमार, दिलीप कुमार (भतीजे), कमल, तनिष्क (पौत्र) एवं समस्त रामस्वरुप (बसईवाले) परिवार।

फर्म: राधाकिशन विष्णुदयाल (बसईवाले)

म.नं. 10-5-17, फतेहनगर, पोस्ट ऑफीस लेन, हैदराबाद, फोन : 9290887874, 9948122252

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.